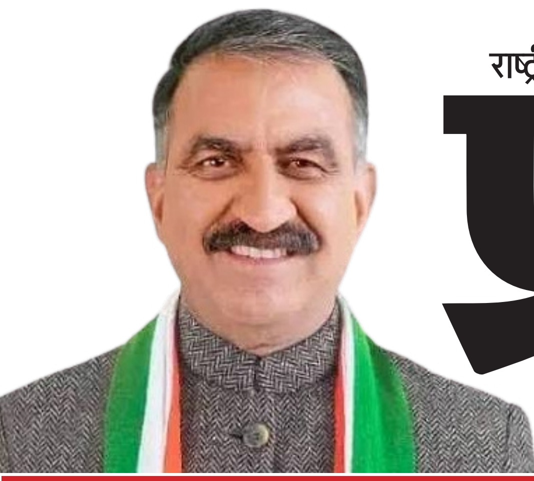

राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 हिमाचल मे 25 साल बाद फिर शुरू होगी लॉटरी....

मानव सुथार के 10 विकेट लेने के पीछे का 'सीक्रेट.... 11

वर्ष : 17 | अंक : 118 | नई दिल्ली, शुक्रवार, 21 अगस्त, 2026 | विक्रम संवत् 2082 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 40.0°C

न्यूनतम तापमान 30.3°C

राजधानी पटना व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	50%
नहीं	40%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	1,57,050
चांदी	2,55,000
संसेक्स	77,537.72
निफ्टी	24,231.85

भारत-जापान रक्षा संबंधों को नई गति, दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों की अहम द्विपक्षीय वार्ता

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और जापान ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए अपने रक्षा एवं सुरक्षा सहयोग को और मजबूत करने पर जोर दिया है। नई दिल्ली में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी के बीच गुरुवार को इस संबंध में एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठक हुई। यहां दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों ने रक्षा सहयोग को व्यापक बनाने, समुद्री सुरक्षा साझेदारी को गहरा करने तथा रक्षा उपकरण एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र

में सहयोग आगे बढ़ाने पर चर्चा की। यह वार्ता ऐसे समय हो रही है जब दोनों देश हिंद-प्रशांत क्षेत्र में नियम आधारित व्यवस्था, समुद्री मार्गों की सुरक्षा और स्वतंत्र एवं निर्बाध वैध व्यापार को महत्वपूर्ण मानते हैं। जापान की सुरक्षा नीति में भी मुक्त एवं खुले हिंद-प्रशांत की अवधारणा को महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। बैठक की शुरूआत में राजनाथ सिंह ने जापानी रक्षा मंत्री का स्वागत करते हुए कहा कि भारत इस कठिन समय में आवश्यक किसी भी सहायता, राहत या सहयोग के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि भारत-जापान संबंध साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, परस्पर सम्मान और लंबे समय से चले आ रहे सभ्यतागत संबंधों पर आधारित हैं। दोनों देश अगले वर्ष राजनयिक संबंधों की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ मनाएंगे। राजनाथ सिंह ने कहा कि पिछले वर्षों में भारत और जापान की मित्रता दोनों देशों के साथ-साथ व्यापक हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता, लचीलापन और नियम आधारित व्यवस्था की महत्वपूर्ण आधारशिला बन गई है। एशिया के दो प्रमुख लोकतंत्रों के रूप में भारत और जापान की जिम्मेदारी है कि वे क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि भारत और जापान की समुद्री जीवनरेखाएं बढ़ती चुनौतियों का सामना कर रही हैं। ऐसे में नौवहन की स्वतंत्रता, हवाई क्षेत्र से निर्बाध आवाजाही और वैध व्यापार को बिना किसी बाधा के जारी रखना केवल आर्थिक आवश्यकता नहीं, बल्कि रणनीतिक अनिवार्यता है। उन्होंने कहा कि हिंद महासागर और प्रशांत महासागर की सुरक्षा एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी हुई है रक्षा मंत्री ने भारत के महासागर दृष्टिकोण और जापान की मुक्त एवं खुले हिंद-प्रशांत पहल के बीच बेहतर तालमेल को वर्तमान समय में पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण बताया।

एमएसएमई को डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़कर मजबूत बनाएगी सरकार

-मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मेगा कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम का किया शुभारंभ

-इसके तहत 49.74 करोड़ रुपये की लागत से 30,000 से अधिक एमएसएमई होंगे लाभान्वित

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। अनुव्रत भवन में ह्वरेजिंग एंड एक्सेलरेटिंग एमएसएमई परफॉर्मेंसह्ल योजना के अंतर्गत आयोजित ह्वमेगा कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्रामह्ल में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सहभागिता की। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि दिल्ली की अर्थव्यवस्था को नई गति देने और राजधानी के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को आधुनिक कौशल, तकनीक, वित्त और नए बाजारों से जोड़ने के लिए सरकार निरंतर प्रयासरत है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के

नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा आरएएमपी योजना के तहत दिल्ली के लिए 49.74 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इस योजना के माध्यम से जनवरी 2027 तक 30,000 से अधिक एमएसएमई को आधुनिक कौशल व प्रशिक्षण से जोड़ा जाएगा, वहीं 10,000 से अधिक व्यवसायों को जीईएम और ओएनडीसी जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़कर उन्हें बड़े बाजारों तक पहुंच प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य एमएसएमई को वित्त, प्रशिक्षण, तकनीक और बाजार इन चारों स्तंभों पर मजबूत सहयोग प्रदान करना है। दिल्ली के छोटे और मध्यम उद्यम हमारी अर्थव्यवस्था का आधार हैं। सरकार प्रयास है कि दिल्ली का एमएसएमई केवल स्थानीय बाजार तक सीमित न रहे, बल्कि उसका उत्पाद दिल्ली से देश और देश से दुनिया तक पहुंचे। मुख्यमंत्री ने दिल्ली क्रेडिट गारंटी योजना (डीकेजीएस) की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए बताया कि इसके तहत पात्र छोटे और लघु उद्यमों को बिना गारंटी के 10 करोड़ रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराने में मदद की जा रही है। 1 फरवरी 2026 के बाद से चालू वित्त वर्ष में 10,505 गारंटियों के जरिए 4,806 करोड़ रुपये की गारंटी मंजूर की जा चुकी है। इस अवसर पर दिल्ली के उद्योग मंत्री सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि सरकार का ध्येय यह सुनिश्चित करना है कि दिल्ली के एमएसएमई को वित्त, तकनीक और बाजार, तीनों तक बेहतर पहुंच मिले। दिल्ली सरकार की गारंटी सहायता के माध्यम से करीब 10,500 लाभार्थियों के लिए लगभग 4,800 करोड़ रुपये के ऋण की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। केवल ऋण तक सीमित न रहते हुए, हम एमएसएमई को जीईएम, ई-कॉमर्स और निर्यात बाजारों तक पहुंच बनाने में भी सहायता दे रहे हैं। स्वीकृतियों को सरल बनाने के लिए एआई-सक्षम सिंगल-विंडो एमएसएमई पोर्टल विकसित किया जा रहा है।

एआई आधारित कौशल केन्द्र से रोजगा के लिए तैयार होंगे युवा

-मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मोती नगर विधानसभा में जन कौशल केंद्र और स्वास्थ्य केंद्र का किया उद्घाटन

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। मोती नगर विधानसभा क्षेत्र में गुरुवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जन कौशल केंद्र और स्वयं स्वास्थ्य केंद्र का उद्घाटन किया। इनका निर्माण मदन लाल खुराना फाउंडेशन के प्रयासों से किया गया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि बदलते वैश्विक परिदृश्य में युवाओं को आधुनिक तकनीक और उद्योग-केंद्रित कौशल से जोड़ना समय की सबसे बड़ी मांग है। एआई और डिजिटल तकनीकें रोजगार और उद्यमिता के क्षेत्र में अभूतपूर्व अवसर पैदा कर रही हैं। यहां से प्रशिक्षित छात्र भविष्य के लिए तैयार होंगे। इस अवसर पर विधायक हरीश खुराना और उमंग बजाज भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि इस जन कौशल केंद्र के माध्यम से हजारों युवाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़ने और अपने करियर को नई दिशा देने का अवसर मिलेगा। केवल युवा ही नहीं, बल्कि वरिष्ठ नागरिक और बुजुर्ग भी यहां आकर एआई और नई तकनीकों को सीखने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने

कहा कि इसका उद्देश्य युवाओं को ऐसी आधुनिक क्षमताओं से लैस करना है, जिससे वे बदलती दुनिया और भविष्य की अर्थव्यवस्था की आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को तैयार कर सकें। स्वयं स्वास्थ्य केंद्र का उद्घाटन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी सशक्त समाज के लिए शिक्षा और कौशल के साथ स्वास्थ्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है। स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता से नागरिकों को अपने आसपास ही आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं तक बेहतर पहुंच मिल सकेगी। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय मदन लाल खुराना के सार्वजनिक जीवन और जनसेवा के प्रति उनके समर्पण को स्मरण किया। उन्होंने कहा कि फाउंडेशन द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य और कमजोर वर्गों के कल्याण के लिए किए जा रहे कार्य उनके ह्वखुशहाल एवं सशक्त दिल्ल के सपने को साकार करने की दिशा में सार्थक प्रयास हैं।

संक्षिप्त खबरें

देहरादून में भारत और नेपाल के अधिकारियों के बीच 14वीं संयुक्त कार्य समूह की बैठक शुरू

देहरादून। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में भारत और नेपाल के अधिकारियों के बीच दो दिवसीय 14वीं संयुक्त कार्य समूह की बैठक का शुभारंभ हो गया है। इस बैठक में गृह मंत्रालय, आईटीबीपी, एसएसबी और सर्वे ऑफ इंडिया के वरिष्ठ अधिकारी हिस्सा ले रहे हैं। सीमा प्रबंधन और तकनीकी सर्वे बैठक के पहले सत्र में दोनों देशों के बीच सीमा विवाद, सीमा प्रबंधन और द्विपक्षीय व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने जैसे अहम मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जा रहा है। इसमें ब्रिटिश-कालीन मानचित्रों और आधुनिक ड्रोन सर्वे तकनीक के जरिए वास्तविक हालात का आकलन करने पर जोर दिया जा रहा है। व्यापार और आवागमन पर फोकस अधिकारियों का मुख्य उद्देश्य सीमा से जुड़े मामलों का समाधान निकालते हुए स्थानीय व्यापार और पारंपरिक आवाजाही को सुगम बनाए रखना है ताकि दोनों देशों के आपसी रिश्ते और अधिक प्रगाढ़ हो सकें।

व्यक्तियों का शुद्धिकरण पाप, किताबों का संघीकरण अभिशाप: कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) द्वारा 11वीं और 12वीं कक्षा की राजनीतिक शास्त्र की पाठ्यपुस्तक तैयार करने वाली टीम के पुनर्गठन को लेकर बृहस्पतिवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि किताबों का संघीकरण किया जा रहा है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने संवाददाताओं से कहा, ह्लव्यक्तियों का शुद्धिकरण पाप है, किताबों का संघीकरण अभिशाप है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने 17 जून को कोटा में कहा था कि शिक्षा व्यवस्था में तीन प्रमुख बीमारियां निजीकरण, केंद्रीकरण और संघीकरण हैं। रमेश ने कहा, ह्लजो एनसीईआरटी ने किया है, वह हम पिछले 12 साल में देख रहे हैं। एक तरफ व्यक्तियों का शुद्धिकरण करवाया जा रहा है और किताबों का संघीकरण करने की कोशिश की जा रही है।

तुषार गांधी ने दीपके से मुलाकात कर जेन जी आंदोलन की सराहना की

प्रात: किरण, एजेंसी

हिंगोली। गांधीवादी कार्यकर्ता और महात्मा गांधी के परपोते तुषार गांधी ने बुधवार को जंतर-मंतर पर युवाओं के नेतृत्व में हुए आंदोलन तथा अभिजीत दीपके के नेतृत्व की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इस आंदोलन ने उन्हें सत्याग्रह आंदोलन की याद दिला दी। छत्रपति संभाजीनगर में युवा नेता अभिजीत से मुलाकात के बाद उन्होंने कहा कि जंतर-मंतर आंदोलन के लिए वह उन्हें व्यक्तिगत रूप से बधाई देना चाहते थे। उनके साथ हम भारत संगठन के सदस्य फिरोज मीठीबोरवाला भी मौजूद थे। तुषार गांधी ने गांधीवादी विचारधारा और जेन जी के एक साथ आने को बेहद महत्वपूर्ण उदाहरण बताया। उन्होंने कहा, ह्लमेरी अभिजीत से पहले मुलाकात नहीं हुई थी। आज जब मैं संभाजीनगर आया, तो शिष्टाचारवश उनसे मिलना चाहता था। चाहकर भी मैं जंतर-मंतर नहीं जा सका था, इसलिए मुझे लगा कि युवाओं के एक नेता

से मिलना मेरे लिए जरूरी है।ह्व उन्होंने आगे कहा, ह्लमेरे लिए यह सत्याग्रह का ही एक दूसरा रूप था। मैं उनसे मिलना चाहता था, जेन जी के उनके नेतृत्व के लिए उन्हें बधाई देना चाहता था और उनसे यह समझना चाहता था कि भविष्य में उनकी क्या योजनाएं हैं। अपने घर में स्वागत करने पर आभार व्यक्त करते हुए श्री गांधी ने लंबे समय बाद उठे इस बड़े युवा आंदोलन पर खुशी जताई। उन्होंने कहा, ह्लमुझे हमेशा लगता था कि इस देश का युवा एक न एक दिन जरूर जागेगा। मुझे बेहद खुशी है कि यह मेरे जीवनकाल में ही हुआ है। पहली बार मुझे इतनी खुशी महसूस हो रही है कि अब मैं सेवानिवृत्त हो सकता हूं।

1984 दंगों में आजीवन कारावास की सजा काट रहे कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार का निधन

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार का गुरुवार को 80 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। वे दिल्ली के तिहाड़ जेल में उम्रकैद की सजा काट रहे थे। 1984 सिख विरोधी दंगा केस में दिल्ली उच्च न्यायालय की ओर से 14 दिसंबर 2018 को उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। उच्च न्यायालय के फैसले को उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी थी लेकिन सुप्रीम कोर्ट की ओर से उनकी याचिका को खारिज कर दिया गया था। सज्जन कुमार को 27 अप्रैल 2022 को दंगों से संबंधित एक केस में जमानत मिली थी लेकिन दूसरे मामले में दोषी ठहराए जाने के कारण वे जेल में ही बंद रहे। वे सात वर्षों से तिहाड़ जेल में बंद थे। इस वर्ष अप्रैल के महीने में उन्होंने अपनी बीमार पत्नी से मिलने के लिए सर्वोच्च न्यायालय से जमानत मांगी थी लेकिन न्यायालय की ओर से उनको जमानत देने से

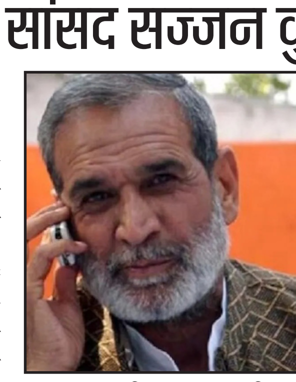

इनकार कर दिया गया था। दिल्ली हाईकोर्ट ने 2013 में सज्जन कुमार को निचली अदालत की ओर से बरी किए जाने के फैसले को पलट दिया था। इससे पहले, 1984 के सिख विरोधी दंगों से जुड़े जनकपुरी, विकासपुरी हिंसा मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने सज्जन कुमार को बरी कर दिया था। इस हिंसा में दो लोगों की मौत हो गई थी। इस मामले के फिर से उजागर होने के बाद एसआईटी ने फरवरी 2015 में सज्जन कुमार और अन्य आरोपियों के खिलाफ दो एफआईआर दर्ज की थी। पहली एफआईआर जनकपुरी में एक नवंबर 1984 को सरदार सोहन सिंह और उनके दामाद अवतार सिंह की हत्या से जुड़ी थी। दूसरी एफआईआर जनकपुरी में 2 नवंबर 1984 को सरदार गुरचरण सिंह को जिंदा जलाकर मार डालने की वारदात के लिए दर्ज की गई थी। इन मामलों में 7 जुलाई 2025 को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार ने अपना बयान दर्ज कराया था। उन्होंने कहा था कि वह कभी भी 1984 के सिख विरोधी दंगों में शामिल नहीं थे; उनके खिलाफ कोई सबूत नहीं है। जांच एजेंसी पर उन्होंने निष्पक्ष जांच नहीं करने का आरोप लगाया था। सज्जन कुमार पहले से ही 1984 दंगों के एक अन्य मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे थे। दिल्ली हाईकोर्ट ने उन्हें दिल्ली कैंट और पालम कॉलोनी क्षेत्र में पांच सिखों की हत्या और एक गुरुद्वारे को जलाने के मामले में दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

राजीव गांधी जयंती पर कांग्रेस नेताओं ने दी श्रद्धांजलि, पंचायती राज और आईटी क्रांति में योगदान को किया याद

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती पर गुरुवार को कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने दिल्ली स्थित वीर भूमि पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर पार्टी ने राजीव गांधी के विजन और योगदान को याद करते हुए कहा कि उनका कार्यकाल देश के लिए मील का पत्थर साबित हुआ। कांग्रेस संसदीय दल की चेयरपर्सन सोनिया गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने वीर भूमि पहुंचकर राजीव गांधी को पुष्प अर्पित किए। उनके साथ कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी मौजूद रहे। राहुल गांधी ने भी अपने पिता, पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। पूर्व प्रधानमंत्री की जयंती पर कांग्रेस नेताओं ने राजीव गांधी के दूरदर्शी फैसलों को याद किया। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता भूपेश बघेल ने कहा, ह्लराजीव गांधी का राजनीतिक कार्यकाल छोटा था, लेकिन उनका योगदान बहुत बड़ा था। उन्होंने कई क्रांतिकारी कदम उठाए, जिनमें पंचायती राज, आईटी क्रांति और वोटिंग की उम्र घटाकर 18 साल करना शामिल है। अगर राजीव आज हमारे बीच होते तो हम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में नंबर वन होते। वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर ने पार्टी कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे सिर्फ औपचारिकता न निभाएं। उन्होंने कहा, ह्लआज जो लोग यहां आए हैं, उनसे मेरी गुजारिश है कि वे सिर्फ ह्वपरिक्रमाह्ल करने के बजाय यह पढ़ें कि राजीव जी ने क्या कहा था, इस देश की यात्रा के लिए उनका विजन क्या था और उन्होंने देश के चरित्र के बारे में हमें क्या बताया था। जब तक हम उन बातों को ध्यान में नहीं रखेंगे, तब तक पीएम मोदी से लड़ना बहुत मुश्किल होगा।ह्व कांग्रेस नेता उदित राज ने भी राजीव गांधी को याद किया। उन्होंने कहा, ह्लआज हम राजीव गांधी और उनके आदर्शों को याद कर रहे हैं। उनकी याद में यहां हजारों लोग जमा हुए हैं। उनके कार्यकाल में देश का कंप्यूटराइजेशन और जवाहर नवोदय विद्यालयों की स्थापना जैसी महत्वपूर्ण पहल की गईं।

, परिसीमन का मुद्दा भी उठा

शाह ने दक्षिणी राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बैठक की अध्यक्षता की

प्रात: किरण, एजेंसी

चेन्नई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को चेन्नई के निकट कोवलम में दक्षिणी राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बैठक में चर्चा का नेतृत्व किया। बैठक में कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने परिसीमन का मुद्दा उठाया, जबकि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय और केरलम के मुख्यमंत्री वी. डी. सतीशन के बीच ह्वमहत्वपूर्ण बातचीतह्ल हुई। कावेरी नदी जल बंटवारे के मुद्दे और मेकेदातु बांध विवाद की पृष्ठभूमि में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद की 31वीं बैठक में कर्नाटक के अपने समकक्ष शिवकुमार के साथ बातचीत की। दोनों मुख्यमंत्री बैठक में एक-दूसरे के बगल में बैठे थे। दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद में आंध्र प्रदेश,

कर्नाटक, केरलम, तमिलनाडु और तेलंगाना के अलावा केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप शामिल हैं। बैठक में केरलम के मुख्यमंत्री सतीशन सहित अन्य नेता शामिल हुए। बैठक में अपने संबोधन में शिवकुमार ने दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद से एक प्रस्ताव पारित करने की मांग की, जिसमें केंद्र सरकार से 1971 की जनगणना को परिसीमन का आधार बनाए रखने, अगले 25 वर्षों तक लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों की संख्या बरकरार रखने और इन्हीं सीटों के भीतर महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करने का आग्रह किया जाए। उन्होंने कहा कि जनसंख्या नियंत्रण में दक्षिणी राज्यों की सफलता उनकी राजनीतिक आवाज कम करने का कारण नहीं बननी चाहिए। शिवकुमार ने कहा, ह्वह्वहम इस आश्वासन का स्वागत करते हैं कि किसी भी दक्षिणी राज्य की सीट कम नहीं होगी। लेकिन प्रतिनिधित्व केवल संख्या का विषय नहीं है। यह प्रभाव और आवाज से जुड़ा मुद्दा है। उन्होंने कहा कि दक्षिणी राज्यों ने देश के आह्वान पर जनसंख्या स्थिरीकरण के लक्ष्य को अनुशासन और सफलता के साथ पूरा किया है और परिसीमन प्रक्रिया में इस उपलब्धि के लिए उन्हें दंडित नहीं किया जाना चाहिए। कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने कहा कि 1971 की जनसंख्या को आधार माना जाना चाहिए और लोकसभा की कुल सीटों की संख्या में कोई बदलाव नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि यहां मौजूद सभी मुख्यमंत्री मेरी बात का समर्थन करेंगे। 1971 के आधार का सम्मान किया जाए और हमारी आवाज की ताकत सुरक्षित रखी जाए।ह्लह्ल शिवकुमार ने परिसीमन को महिला आरक्षण से भी जोड़ते हुए कहा कि नए परिसीमन के कारण महिला आरक्षण लागू करने में देरी नहीं होनी चाहिए।उन्होंने परिषद से अगले 25 वर्षों के लिए लोकसभा सीटों की संख्या मौजूदा 543 पर स्थिर रखने और इन्हीं सीटों में महिलाओं को आरक्षण देने के लिए प्रस्ताव पारित करने का आग्रह किया। कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने मेकेदातु परियोजना का मुद्दा भी उठाया और कहा कि यह केवल उनके राज्य के लिए ही नहीं, बल्कि तमिलनाडु के लिए भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, ह्वह्वबैठक के लिए आते समय आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने मुझसे कहा कि कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच कावेरी जल विवाद का समाधान जरूरी है। मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि मेकेदातु परियोजना से पानी की हर बूंद तमिलनाडु और पुडुचेरी के किसानों की मदद करेगी।

वित्त वर्ष 2031 तक 2 ट्रिलियन डॉलर निर्यात लक्ष्य हासिल करने के लिए भारत को करना होगा व्यापक संरचनात्मक बदलाव: वाणिज्य मंत्रालय अधिकारी

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। भारत को वित्त वर्ष 2030-31 तक 2 ट्रिलियन डॉलर के कुल निर्यात का महत्वाकांक्षी लक्ष्य हासिल करने के लिए अपने विनिर्माण और व्यापार पारिस्थितिकी तंत्र में व्यापक संरचनात्मक परिवर्तन करने होंगे। वाणिज्य मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव यशवीर सिंह ने गुरुवार को कहा कि केवल छोटे-मोटे सुधारों से यह लक्ष्य हासिल नहीं किया जा सकता, बल्कि उत्पादन, आपूर्ति श्रृंखला और निर्यात क्षमता में बड़े स्तर पर बदलाव आवश्यक होंगे। सीआईआई मैन्युफैक्चरिंग कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए यशवीर सिंह ने कहा कि भारत का कुल निर्यात वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़कर 863 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया, जबकि वर्ष 2014-15 में यह 468 अरब डॉलर था। यह उल्लेखनीय उपलब्धि है, लेकिन 2030 तक 2 ट्रिलियन डॉलर के लक्ष्य तक पहुंचने के लिए वर्तमान

गति को दोगुने से अधिक करना होगा। उन्होंने कहा, ह्ल2030 तक 2 ट्रिलियन डॉलर के कुल निर्यात का लक्ष्य हासिल करने के लिए हमें अपनी मौजूदा प्रगति से कहीं अधिक तेजी लानी होगी। यह केवल क्रमिक सुधारों से संभव नहीं होगा, बल्कि इसके लिए संरचनात्मक परिवर्तन आवश्यक हैं।ह्व यशवीर सिंह ने कहा कि वैश्विक स्तर पर चर्चा में रहने वाली ह्वचीन प्लस वनह्ल रणनीति को केवल चीन पर निर्भरता कम करने के दृष्टिकोण से नहीं देखा जाना चाहिए। भारत को खुद को एक ऐसे विश्वसनीय, पारदर्शी और मजबूत विनिर्माण साझेदार के रूप में स्थापित करना होगा, जो वैश्विक कंपनियों को भरोसेमंद आपूर्ति श्रृंखला उपलब्ध करा सके। उन्होंने कहा, ह्लहमें केवल ह्वचीन प्लस वनह्ल नहीं बनना है। हमें भारत बनना है, एक विश्वसनीय भागीदार, एक मजबूत निमार्ता और वैश्विक विकास का अगला बड़ा इंजन। सिंह ने कहा कि वैश्विक व्यापार व्यवस्था इस समय बड़े बदलावों के दौर से गुजर रही है। व्यापार अब केवल आर्थिक गतिविधि नहीं रह गया है, बल्कि कई देशों द्वारा इसे भू-राजनीतिक रणनीति के एक महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के हालिया घटनाक्रमों का उल्लेख करते हुए कहा कि बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली चुनौतियों का सामना कर रही है। डब्ल्यूटीओ के 14वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में मतभेद और उसके अपीलीय निकाय की लंबे समय से जारी निष्क्रियता इस बदलते परिदृश्य के उदाहरण हैं।

पीडब्ल्यूडी राजस्व अधिकारी बनकर जमीन की जांच करने पहुंचे आरोपी, मृतक के नाम पर बनाई फर्जी पावर ऑफ अटॉर्नी, केस दर्ज

देहरादून, एजेंसी। राजपुर रोड स्थित जमीन को लेकर कथित फर्जीवाड़े का मामला सामने आया है.

आरोप है कि कुछ लोग पीडब्ल्यूडी और राजस्व विभाग के अधिकारी-कर्मचारी बनकर जमीन अधिग्रहण की जांच के नाम पर मौके पर पहुंचे.

इसके बाद दस्तावेजों की जांच में 13 साल पहले मृत हो चुके व्यक्ति के नाम से 12 मई 2026 को मुख्तारनामा पंजीकृत होने का दावा किया गया.

महिला ने चार नामजद और एक अज्ञात व्यक्ति पर फर्जी दस्तावेज तैयार कर संपत्ति हड़पने की साजिश का आरोप लगाते हुए कोर्ट के आदेश पर थाना राजपुर ने मुकदमा दर्ज कर लिया है.

अधिकारी बनकर पहुंचने के बाद सामने आया मामलाः दया सिंह के मुताबिक 27 मई को दोपहर करीब तीन बजे कुछ लोग राजपुर रोड स्थित उनकी संपत्ति पर पहुंचे.

इनमें कुछ ने खुद को पीडब्ल्यूडी कर्मचारी और अन्य ने राजस्व विभाग का अधिकारी बताया. उन्होंने जमीन अधिग्रहण से जुड़ी कार्रवाई का हवाला दिया. बातचीत के दौरान संपत्ति के कुछ हिस्से दूसरे लोगों के नाम दर्ज होने की जानकारी मिलने पर महिला ने जमीन के दस्तावेजों की जांच कराई. 2013 में हो चुकी थी मौत,

2026 में बना दिया मुख्तारनामाः महिला का आरोप है कि दस्तावेजों की पड़ताल में 12 मई 2026 को उप निबंधक चतुर्थ कार्यालय में पंजीकृत एक मुख्तारनामा (पावर ऑफ अटॉर्नी) मिला.

इसमें उनके ससुर स्वर्गीय हरिराज सिंह को मुख्तारदाता बताया गया था. जबकि शिकायतकर्ता के अनुसार हरिराज सिंह की मृत्यु 11 मार्च 2013 को ही हो चुकी थी.

आरोप है कि इसके बावजूद हरिराज सिंह के नाम से फर्जी आधार कार्ड, फोटो, हस्ताक्षर और अंगूठे के निशान का इस्तेमाल कर मुख्तारनामा तैयार कराया गया.

कथित दस्तावेज में उनकी उम्र 62 वर्ष दर्ज की गई, जबकि महिला के अनुसार मृत्यु के समय उनकी उम्र करीब 80 वर्ष थी.

दीपक अग्रवाल के पक्ष में पंजीकृत कराने का आरोपः शिकायत के मुताबिक कथित फर्जी मुख्तारनामा दीपक अग्रवाल के पक्ष में पंजीकृत कराया गया.

इसमें राजपुर क्षेत्र की खसरा संख्या 717, 718 और 719 से संबंधित जमीन का उल्लेख होने की बात कही गई है.

महिला ने अपने आरोपों के समर्थन में हरिराज सिंह का मृत्यु प्रमाण पत्र और मतदाता पहचान पत्र भी लगाए हैं.

वकील और गवाहों की भूमिका पर भी सवालः दया सिंह ने दीपक अग्रवाल, कपिल नागर, अमन और अधिवक्ता पुनीत दुआ को नामजद किया है.

इसके अलावा एक अज्ञात व्यक्ति पर हरिराज सिंह बनकर फर्जी पहचान इस्तेमाल करने का आरोप लगाया गया है.

शिकायत के अनुसार कथित मुख्तारनामे में अधिवक्ता पुनीत दुआ को दस्तावेज का रचयिता बताया गया है, जबकि कपिल नागर और अमन को गवाह दर्शाया गया है.

साल 1976-77 में खरीदी गई थी जमीनः शिकायतकर्ता का कहना है कि उनके ससुर हरिराज सिंह ने अपने भाई बलवंत सिंह के साथ 1976 और 1977 में दो विक्रय पत्रों के जरिए राजपुर क्षेत्र में खसरा संख्या 717, 718 और 719 की जमीन खरीदी थी.

बाद में जमीन के कुछ हिस्से पर मकान बनाए गए. महिला के मुताबिक वह शादी के बाद करीब 28 वर्षों से इसी संपत्ति में रह रही हैं. उनके देवर और ननद भी लंबे समय से यहां निवास कर रहे हैं.

थाने और एसएसपी से शिकायत के बाद कोर्ट की शरणः महिला के अनुसार फर्जीवाड़े की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने 23 जून को राजपुर थाने में शिकायत देकर मुकदमा दर्ज करने की मांग की थी. कार्रवाई नहीं होने पर 25 जून को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून को भी प्रार्थना पत्र दिया गया.

वहां से भी कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाते हुए महिला ने न्यायालय का रुख किया।

आबादी के पास दिनदहाड़े घोड़े को खींच ले गया विशालकाय बाघ, घटना से दहशत में लोग

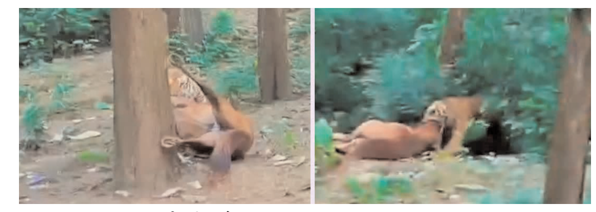

रामनगर , एजेंसी। नैनीताल के रामनगर के गर्जिया क्षेत्र में उस समय हड़कंप मच गया, जब एक विशालकाय टाइगर आबादी से सटे कॉर्बेट पार्क के जंगल से निकलकर हाईवे इलाके में दिनदहाड़े एक घोड़े को अपना निवाला बनाकर जंगल की ओर खींच ले गया. यह पूरी घटना दोपहर करीब 1:30 बजे झूला पुल चौराहे के समीप पूर्व में बनाए गए गर्जिया पर्यटन जोन के गेट के पास नेशनल हाईवे-309 की बताई जा रही है. घटना के बाद आसपास रहने वाले लोगों में दहशत का माहौल है.बताया जा रहा है कि बाघ ने आबादी के बेहद करीब घोड़े पर हमला किया और उसे घसीटते हुए जंगल की ओर ले गया, इस दौरान आसपास मौजूद लोगों की तेज आवाजें भी सुनाई दे रही थी. दिन के उजाले में आबादी के नजदीक बाघ की इस तरह मौजूदगी ने एक बार फिर मानव-वन्यजीव संघर्ष की चिंता बढ़ा दी है. जिस स्थान पर यह घटना हुई है.वह झूला पुल चौराहे के समीप होने के साथ ही आबादी से बिल्कुल सटा हुआ क्षेत्र है, यहां दिन के समय भी बड़ी संख्या में लोग आवाजाही करते हैं और स्थानीय लोग झूला पुल की तरफ आते-जाते रहते हैं. ऐसे में बाघ की मौजूदगी लोगों के लिए गंभीर खतरा बन सकती है. घटना की जानकारी मिलने के बाद वन विभाग की टीम ने मौके पर गश्त बढ़ा दी है. विभाग द्वारा क्षेत्र में लगातार निगरानी की जा रही है और बाघ की लोकेशन ट्रेस करने के प्रयास किए जा रहे हैं. लोगों से जंगल और उसके आसपास के क्षेत्रों में न जाने की अपील की है।

आश्रय गृह से 8 साल की बच्ची लापता, दो दिन पहले ही लाई गई थी सेल्टर, खोजबीन शुरू

हरिद्वार, एजेंसी। ज्वालापुर स्थित आश्रय गृह से आठ वर्षीय बच्ची के लापता होने का मामला सामने आया है. बच्ची 15 अगस्त को आश्रय गृह में आयोजित स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम के दौरान मौका पाकर बाहर निकल गई. काफी तलाश के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं मिलने पर आश्रय गृह की अधीक्षिका ने कोतवाली ज्वालापुर में बालिका की गुमशुदगी दर्ज कराने और उसकी तलाश के लिए पुलिस से आवश्यक कार्रवाई की मांग की है.

वहीं बच्ची के अचानक लापता हो जाने के बाद आश्रय गृह में हड़कंप मचा हुआ है.आश्रय गृह की अधीक्षिका शिवानी की ओर से पुलिस को दी गई शिकायत में बताया गया कि, बालिका करीब आठ वर्ष की हरियाणा निवासी है. जिसे बाल कल्याण समिति हरिद्वार के आदेश पर 13 अगस्त को ज्वालापुर स्थित आश्रय गृह में लाया गया था. 15 अगस्त की सुबह आश्रय गृह में स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजित किया गया था. कार्यक्रम के दौरान बच्चे अपनी प्रस्तुतियां दे रहे थे. इसी दौरान बालिका मौका पाकर आश्रय गृह से बाहर निकल गई. बालिका के लापता होने की जानकारी मिलने के बाद आश्रय गृह के कर्मचारियों ने उसकी तलाश शुरू की. आश्रय गृह के आसपास के क्षेत्रों के अलावा ज्वालापुर रेलवे स्टेशन, हरिद्वार रेलवे स्टेशन, हरिद्वार बस स्टैंड और हरकी पैड़ी समेत अन्य संभावित स्थानों पर बालिका को तलाश किया गया, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका. काफी खोजबीन के बावजूद बालिका के नहीं मिलने पर आश्रय गृह की अधीक्षिका शिवानी गोयल ने 15 अगस्त को ही ज्वालापुर कोतवाली में लिखित शिकायती पत्र दिया.

राष्ट्र प्रथम और सर्वोपरि की भावना बने जीवन का आधार : राज्यपाल

देहरादून, एजेंसी। स्वतंत्रता दिवस पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने लोक भवन में ध्वजारोहण किया। उन्होंने प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दीं। राज्यपाल ने स्वतंत्रता सेनानियों और अमर शहीदों को नमन करते हुए उनके त्याग को प्रेरणा का स्रोत बताया।राज्यपाल ने देश की सीमाओं पर तैनात वीर सैनिकों को सलाम किया। उन्होंने कहा, स्वतंत्रता दिवस केवल उत्सव नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति दायित्वों को दोहराने का दिन है। प्रत्येक नागरिक को राष्ट्र निर्माण, सुरक्षा और एकता में अपने योगदान पर आत्ममंथन करना चाहिए।

राज्यपाल ने राष्ट्र प्रथम और राष्ट्र सर्वोपरि की भावना को जीवन का आधार बनाने पर जोर दिया। उन्होंने 2047 तक विकसित, आत्मनिर्भर और विश्वगुरु भारत के लक्ष्य को सामूहिक संकल्प बताया। इस लक्ष्य की प्राप्ति में हर नागरिक की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।

उन्होंने प्रदेश की महिला शक्ति और युवाओं की उपलब्धियों की सराहना की।

उन्होंने कहा, प्रदेश की लगभग तीन लाख महिलाएं लखपति दीदी बनकर आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहीं हैं। बेटियां शिक्षा, शोध और अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। वहीं, युवा उद्यमिता सहित विभिन्न क्षेत्रों में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। राज्यपाल ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, आधुनिक प्रौद्योगिकी और नवाचार अपनाने को आवश्यक बताया। उन्होंने विश्वास जताया कि उत्तराखंड देश के अग्रणी राज्यों में अपनी पहचान बनाएगा।

विडंबना! प्रदेश में नए सरकारी स्कूल खुले नहीं, पांच हजार कर रहे बंद होने का इंतजार

देहरादून, एजेंसी। प्रदेश में नए प्राथमिक और जूनियर हाईस्कूल खुले नहीं, लेकिन जो हैं उनमें भी करीब पांच हजार स्कूल बंद होने के कगार पर हैं। इनमें छात्र-छात्राओं की संख्या 10 या फिर इससे भी कम रह गई है। यह हाल तब है जबकि शिक्षा गुणवत्ता में सुधार के नाम पर कई दावे किए जाते रहे हैं।सरकारी प्राथमिक और जूनियर हाईस्कूलों में छात्र-छात्राओं की संख्या बढ़ने के बजाय कम होती जा रही है। स्थिति यह है कि प्राथमिक विद्यालयों की बात करे तो 4275 स्कूलों में छात्रों की संख्या 10 या इससे भी कम रह गई है।

इसमें ऐसे भी स्कूल हैं जिनमें कुछ स्कूलों में छात्र संख्या एक तो कुछ में तीन या चार रह गई है। जबकि जूनियर हाईस्कूलों में करीब 650 स्कूलों में छात्र संख्या 10 या इससे कम है। सरकारी स्कूलों के लिए राज्य और केंद्र सरकार की ओर से कई योजनाएं चलाई जा रही है।

विद्यालयी शिक्षा का वार्षिक बजट करीब 12 हजार करोड़ का है। इसके बाद भी स्कूलों की इस स्थिति से विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। राज्य के 2940 सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में छात्र-छात्राओं की संख्या 20 या फिर इससे कम रह गई है। वहीं, 1327 स्कूलों में छात्रों की संख्या 30 या इससे कम है। जबकि 1062 स्कूलों में छात्र-छात्राओं की संख्या 50 या इससे कम है।

कुमाऊं मंडल में बारिश-कोहरे का दौर, रुद्रपुर-पिथौरागढ़ में जनजीवन प्रभावित, मौसम विभाग अलर्ट

नैनीताल, एजेंसी। कुमाऊं मंडल में मौसम का मिजाज बदल गया है। काशीपुर, पिथौरागढ़, रुद्रपुर में सोमवार को बारिश ने दस्तक दे दी, वहीं नैनीताल में हल्की बारिश के साथ घना कोहरा छाया रहा।

उत्तराखंड के कुमाऊं मंडल में मौसम का मिजाज बदल गया है। काशीपुर में सोमवार को बारिश ने दस्तक दे दी, वहीं नैनीताल में हल्की बारिश के साथ घना कोहरा छाया रहा। रुद्रपुर में तेज बारिश से जनजीवन प्रभावित हुआ, जबकि पिथौरागढ़ में भी बारिश जारी है। मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटों के लिए सतर्क रहने की सलाह दी है।

पिथौरागढ़ में भारी लैंडस्लाइड, कैलाश मानसरोवर यात्रा मार्ग का पुल टूटा, आज लौट रहा तीर्थयात्रियों का 9वां जत्था

देहरादून/पिथौरागढ़, एजेंसी। उत्तराखंड के सीमांत पिथौरागढ़ जिले में धारचूला-तवाघाट एनएच पर बुधवार को पत्थर और बोल्डर गिरने से कूलागाड़ पुल क्षतिग्रस्त हो गया. पुल को नुकसान पहुंचने के बाद इस मार्ग पर आवाजाही प्रभावित हुई है. घटना की जानकारी मिलने के बाद सीमा सड़क संगठन की टीम मौके पर पहुंची और मार्ग को सुचारू करने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था पर काम शुरू कर दिया है. गढ़वाल और कुमाऊं दोनों रीजन में लंबे समय से भयानक बारिश और भूस्खलन की खबरें आ रही है.

धारचूला-तवाघाट एनएच पर बोल्डर गिरने से पुल टूटाः बीआरओ की ओर से बताया गया है कि कूलागाड़ पुल के क्षतिग्रस्त होने के बाद यातायात को वैकल्पिक मार्ग से संचालित करने के लिए डायवर्जन तैयार किया जा रहा है. बीआरओ के अनुसार बुधवार शाम तक डायवर्जन का काम पूरा कर लिए जाने की उम्मीद है. इसके बाद मार्ग पर आवागमन को सामान्य करने की कोशिश है.

कैलाश मानसरोवर यात्रा को लेकर एजेंसियां अलर्टः कूलागाड़ पुल को हुए नुकसान के बीच कैलाश मानसरोवर यात्रा को लेकर भी प्रशासन और संबंधित एजेंसियां अलर्ट हैं. कैलाश मानसरोवर यात्रा का नौवां जत्था आज बुधवार को भारत में प्रवेश करेगा. इस जत्थे में कुल 48 सदस्य शामिल हैं. इसके अलावा केएमवीएन के तीन कुक भी जत्थे के साथ हैं. यात्रा के अगले जत्थे की भी जानकारी सामने आई है. 10वां जत्था फिलहाल तिब्बत में ही है, जिसके 23 अगस्त 2026 को भारत में प्रवेश करने की संभावना है. इस जत्थे में कुल 44 सदस्य हैं, जबकि केएमवीएन के तीन कुक भी यात्रियों के साथ शामिल हैं.

शाम तक तैयार होगा डायवर्जनः धारचूला-तवाघाट मार्ग सीमांत क्षेत्र के लिए बेहद महत्वपूर्ण है. मानसून के दौरान पहाड़ों से पत्थर और बोल्डर गिरने के कारण इस मार्ग पर यातायात को अक्सर चुनौती का सामना करना पड़ता है. ऐसे में कूलागाड़ पुल के क्षतिग्रस्त होने के बाद बीआरओ की प्राथमिकता जल्द से जल्द वैकल्पिक व्यवस्था तैयार कर यातायात बहाल करना है.

फिलहाल सभी की निगाहें बीआरओ के डायवर्जन कार्य पर टिकी हैं. खास तौर पर कैलाश मानसरोवर यात्रा के जत्थों की आवाजाही को देखते हुए मार्ग की स्थिति और यातायात व्यवस्था को महत्वपूर्ण माना जा रहा है. शाम तक डायवर्जन तैयार होने के बाद स्थिति और स्पष्ट होगी।

चमोली सुरंग हादसाः लापता दो श्रमिकों की तलाश में रेस्क्यू जारी, मृतक परिजनों के लिए एक करोड़ मुआवजे की मांग

चमोली, एजेंसी। टीएचडीसी की निर्माणाधीन टनल में बीते दिनों भूस्खलन होने से पानी और मलबे के बीच वहां काम कर रहे 22 श्रमिक फंस गए थे। जिसमें आठ की मौत हो चुकी है, जबकि दो की तलाश जारी है। विष्णुगाड-पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना की निर्माणाधीन टनल में 13 अगस्त को हुए हादसे के बाद लापता दो श्रमिकों की तलाश और बचाव अभियान लगातार जारी है। रेस्क्यू टीमें टनल के अंदर लगातार सर्च ऑपरेशन चला रही हैं। अभियान के साथ ही टनल में जमा पानी को बाहर निकालने का काम भी तेजी से किया जा रहा है।

शनिवार को रेस्क्यू के दौरान श्रमिक देवनाथ को टनल से बाहर निकाला गया, लेकिन चिकित्सकों ने स्वास्थ्य जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रशासन के अनुसार, कुल 22 श्रमिकों में से 12 को बाहर निकाला जा चुका है, जबकि आठ श्रमिकों की मौत हो चुकी है और दो श्रमिक लापता हैं।

आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास मंत्री मदन कौशिक ने शनिवार को मौके पर पहुंचकर बचाव अभियान का जायजा लिया और अधिकारियों से इसकी प्रगति की जानकारी ली। मंत्री ने रेस्क्यू टीमों को सभी उपलब्ध संसाधनों और मशीनरी का बेहतर समन्वय करते हुए अभियान तेज करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि टनल में फंसे हर श्रमिक की जान बेहद महत्वपूर्ण है और सभी को सुरक्षित बाहर निकालना सरकार की प्राथमिकता है।

इस दौरान परियोजना के श्रमिकों ने मंत्री का घेराव कर दिया। श्रमिकों ने मृतक के परिजनों को एक करोड़ रुपए मुआवजा देने और हादसे की निष्पक्ष जांच करने की मांग उठाई। जिस पर मंत्री ने वीपीएचईपी की कंपनी टीएचडीसी को मुआवजा देने और जांच पूरी होने तक परियोजना कार्य बंद रखने के निर्देश दिए। जिसके बाद श्रमिक शांत हुए।

रुद्रप्रयाग में 14 वर्षीय किशोरी ने उठाया खौफनाक कदम, पड़ताल में जुटी पुलिस

रुद्रप्रयाग, एजेंसी। कोतवाली रुद्रप्रयाग क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम कंडाली में 14 वर्षीय किशोरी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से क्षेत्र में सनसनी फैल गई. कक्षा नौ में अध्ययनरत किशोरी का शव घर के अंदर फंदे से लटका मिला. घटना से परिजनों और ग्रामीणों में हड़कंप मच गया. घटना के बाद क्षेत्र में शोक की लहर है. किशोरी की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. फिलहाल पुलिस घटना की जांच में जुटी है. विकासखंड अगस्त्यमुनि में छात्रा कक्षा नौ में पढ़ती थी. वह पढ़ाई के सिलसिले में पिछले कुछ समय से अपने नाना के घर ग्राम कंडाली में रह रही थी. स्थानीय लोगों के अनुसार किशोरी शांत स्वभाव की थी और पढ़ाई में उसकी विशेष रुचि थी. ऐसे में अचानक उसकी मौत की खबर से हर कोई स्तब्ध है. बीते दिन किशोरी घर में अकेली थी. इसी दौरान परिजनों ने उसका फंदे से लटका शव देखा. घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई. आनन-फानन में किशोरी को उपचार के लिए अगस्त्यमुनि स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया. घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली रुद्रप्रयाग पुलिस सक्रिय हुई. कोतवाल मुकेश चौहान पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल रुद्रप्रयाग भेज दिया. किशोरी का शव फंदे से लटके होने की सूचना मिली. हालांकि पुलिस मामले के सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच कर रही है।

रुद्रपुर में पेआउट कटौती पर भड़के राइडर्स, 200 की आईडी बंद होने पर स्टोर के बाहर धरना-प्रदर्शन तेज

नैनीताल, एजेंसी। रुद्रपुर के गगन ज्योति रोड पर ऑनलाइन फूड डिलीवरी राइडर्स ने पेआउट कटौती के खिलाफ धरना दिया। प्रबंधन ने करीब 200 राइडर्स की आईडी बंद कर दी, जिससे आक्रोश फैल गया। रुद्रपुर में पेआउट में कटौती के विरोध में ऑनलाइन फूड डिलीवरी के राइडर्स ने गगन ज्योति रोड स्थित स्टोर के बाहर धरना-प्रदर्शन किया। राइडर्स का आरोप है कि पिछले 15 दिनों से लगातार पेआउट घटाया जा रहा है और अब इसमें और कटौती की तैयारी है। राइडर्स के मुताबिक वे दो-तीन दिनों से भुगतान व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर विरोध कर रहे थे। इसी बीच स्थानीय प्रबंधन ने करीब 200 राइडर्स की आईडी बंद कर दी, जिससे आक्रोश फैल गया। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि फिलहाल आठ किलोमीटर तक की डिलीवरी के लिए करीब 29 से 30 रुपये मिलते हैं। इसमें पेट्रोल, वाहन रखरखाव और समय का खर्च भी उन्हें ही उठाना पड़ता है। राइडर्स का कहना है कि लगातार पेआउट घटने से उनकी दैनिक आय प्रभावित होगी और काम करना मुश्किल हो जाएगा। उन्होंने कटौती वापस लेने और बंद आईडी तत्काल बहाल करने की मांग की।

चमोली सुरंग हादसाः शुरुआत से ही विवादों से घिरी रही विष्णुगाड जल विद्युत परियोजना, लोगों ने किए थे कई आंदोलन

चमोली, एजेंसी। विष्णुगाड-पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना हादसे के बाद एक बार फिर सवालों के घेरे में है। परियोजना से जुड़े विस्थापन, निर्माण और सुरक्षा को लेकर शुरुआत से ही अलग-अलग स्तरों पर सवाल उठते रहे हैं। सुरंग हादसे ने इन पुराने विवादों और सुरक्षा व्यवस्था को फिर चर्चा में ला दिया है। टीएचडीसी की 444 मेगावाट की विष्णुगाड-पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना शुरुआत से ही विवादों में रही है। परियोजना निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण, विस्थापन और स्थानीय धार्मिक-सांस्कृतिक स्थलों पर प्रभाव को लेकर ग्रामीण विरोध जताते रहे हैं। कुछ प्रभावित परिवार आज भी न्यायालय की शरण में हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि परियोजना निर्माण में उन्हें विश्वास

में नहीं लिया गया और पर्यावरणीय पहलुओं की अनदेखी हुई। वर्ष 2009 में भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया शुरू होने पर स्थानीय लोगों ने विरोध किया। उनकी आपत्तियों को महत्व नहीं दिया गया। वर्ष 2011 में हाट गांव के करीब 140 परिवारों को विस्थापित किया गया। विस्थापन और भूमि अधिग्रहण के विरोध में ग्रामीणों ने कई आंदोलन किए। हाट गांव के ग्रामीणों ने 2012, 2014 और 2019 में भी आंदोलन किए। कंपनी प्रबंधन ने आंदोलनों के बाद ग्रामीणों के खिलाफ मुकदमे दर्ज कराए। प्रभावित परिवारों को इन मामलों में न्यायालय से राहत मिली। हाट गांव के पूर्व ग्राम प्रधान राजेंद्र हटवाल और पूर्व ज्येष्ठ उपप्रमुख पंकज हटवाल ने सुरक्षा पर सवाल उठाए।

कल्याणपुरी में सफाईकर्मी के बाद एक और युवक की हत्या चरमराई कानून व्यवस्था का नतीजा: कुलदीप कुमार

● मैं मृतक युवक के परिवार से मिला, उनका भी शव का जबरदस्ती पोस्टमार्टम कराने का आरोप है- कुलदीप कुमार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने कल्याणपुरी में सफाई कर्मचारी की हत्या के दो दिन बाद ही एक और युवक की चाकू मारकर हत्या होने पर दिल्ली की बदहाल कानून व्यवस्था को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि कल्याणपुरी के ब्लॉक 11 में एक और युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। जब से भाजपा सत्ता में आई है, दिल्ली अपराध की राजधानी बन गई है। दिल्ली पुलिस अपराध रोकने के लिए कुछ नहीं कर रही है, लेकिन अगर हमारे विधायक आवाज उठाते हैं, तो पुलिस तुरंत सादे कपड़ों में उनका अपहरण कर लेती है। उधर, कोंडली से विधायक कुलदीप कुमार ने मृतक युवक जय सिंह के परिवार से मुलाकात कर उनका दुख साझा किया और पुलिस से खुलेआम बिक रहे अवैध नशे पर लगाम लगाने की मांग की। गुरुवार को आप मुख्यालय पर प्रेस वार्ता कर कुलदीप कुमार ने कहा कि अब देश की राजधानी को अपराध की राजधानी कहा जाने लगा है। दिल्ली में दिनदहाड़े हत्या और अपहरण अब आम बात हो गई है। सुबह खबर पढ़ने पर पता चलता है कि एक ही दिन में तीन, चार या पांच हत्याएं हो गई हैं। स्वतंत्रता दिवस के अगले दिन 16 अगस्त को जब कानून व्यवस्था बहुत चाक-चौबंद होती है, तब कल्याणपुरी में एक सफाई कर्मचारी अनिल की हत्या कर दी गई। अभी उस सफाई कर्मचारी की चिता की आग भी ठंडी नहीं हुई थी कि उसी कल्याणपुरी में एक 22 साल के युवक जय सिंह की रात को चाकू मारकर हत्या कर दी गई। देश की राजधानी में यह सब क्या हो रहा है और क्या दिल्ली अब रहने के लिए सुरक्षित नहीं बची है? कुलदीप कुमार ने बताया कि जब हम सफाई कर्मचारी अनिल के लिए धरने पर बैठे थे, तब भी मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से यह मांग की थी कि अगर दिल्ली में अपराध रोकना है, तो सबसे पहले अवैध नशे पर लगाम लगानी होगी। आज दिल्ली की कॉलोनियों और झुग्गियों में ड्रग्स, गांजा और इंजेक्शन जैसे नशे खुलेआम बिक रहे हैं। अगर इस अवैध नशे पर लगाम नहीं लगी, तो दिल्ली में ऐसे ही युवकों, बच्चों और महिलाओं की हत्याएं होती रहेंगी। दिल्ली पुलिस ने अब यह ट्रेंड बना लिया है कि शव का पोस्टमार्टम कब होगा और उसे कब जलाया जाएगा, यह पुलिस तय करेगी, जबकि यह अधिकार परिवार का होना चाहिए। जय सिंह के परिवार का भी यही आरोप है कि पुलिस ने जबरदस्ती उनके बच्चे का पोस्टमार्टम कराया। कुलदीप कुमार ने कहा कि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की सरकार को 20 महीने हो गए हैं और उनके पास चार इंजन की सरकार है। वह जब चाहें दिल्ली के पुलिस कमिश्नर, एसएचओ और डीसीपी को बदल सकती हैं। लेकिन अगर सोनम वांगचुक को उठवाना होता है या बच्चों पर लाठियां चलवानी होती हैं, तो उसके लिए पुलिस कमिश्नर का ट्रांसफर कर देते हैं, जबकि दिल्ली में खुलेआम हत्याएं और बलात्कार होने पर पुलिस कमिश्नर को गुलदस्ते दिए जाते हैं। जैसे यह एक टैगलाइन बन गई है कि जो जितना बड़ा अपराधी, भ्रष्टाचारी या उन्माद फैलाने वाला होगा, उसका भाजपा में स्वागत होगा।

गन्ने से इथेनॉल बनाने से 17 दिनों में चीनी 20 रुपए महंगी: केजरीवाल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने देश भर में चीनी की कीमतों में भारी वृद्धि के लिए मोदी सरकार के गलत फैसले को जिम्मेदार बताया है। उन्होंने कहा कि गन्ने से इथेनॉल बनाने से चीनी का उत्पादन गिर गया और 17 दिनों में चीनी 20 रुपए प्रति किलो महंगी हो गई। ये लोग इथेनॉल को पेट्रोल में मिलाकर तेल आयात पर खर्च होने वाली विदेशी मुद्रा बचाने की बात कर रहे थे। हालात ऐसे हो गए हैं कि अब वही विदेशी मुद्रा फूंक कर चीनी आयात करने की नौबत आ गई है। ये सरकार है या मजाक? पूरी की पूरी अनपढ़ों की सरकार है। किसी को कुछ नहीं ही पता कि क्या करने से क्या होगा? गुरुवार को एक वीडियो जारी कर ‘आप’ के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि ऐसा लगता है जैसे मोदी सरकार बिल्कुल अनपढ़ लोगों की सरकार है। उन्हें यही नहीं पता कि वे क्या निर्णय ले रहे हैं और उसका क्या असर होगा। इन्होंने गन्ने की खेती को इथेनॉल बनाने के लिए डाइवर्ट किया और इथेनॉल को पेट्रोल में मिलाना चालू कर दिया। कहा गया कि इससे पेट्रोल बचेगा और विदेशी मुद्रा की बचत होगी, जिसे हम विदेशों से तेल आयात करने के लिए खर्च करते हैं। गन्ने की खेती को इथेनॉल बनाने के लिए डाइवर्ट करने से देश में गन्ने और चीनी की भारी कमी हो गई। चीनी की किल्लत के कारण पिछले 17 दिनों में इसके दाम 20 रुपए प्रति किलो बढ़ गए हैं। 17 दिन पहले जो चीनी 46 रुपए किलो थी, वह अब 65 रुपए किलो हो गई है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हमारा देश चीनी एक्सपोर्ट करता था, लेकिन अब इंपोर्ट करने की प्लानिंग कर रहा है। तेल पर खर्च होने वाली विदेशी मुद्रा बचाने के लिए इथेनॉल बनाया गया और अब उसी विदेशी मुद्रा को हम चीनी इंपोर्ट करने पर खर्च करेंगे। एक तरफ इथेनॉल वाले पेट्रोल से लोगों की गाड़ियां खराब हो रही हैं और माइलेज गिर रही है, वहीं दूसरी तरफ लोगों को अब महंगी चीनी खरीदनी पड़ रही है। सरकार डिसीजन लेती है, लेकिन इन्हें यही नहीं पता कि इसका क्या असर होने वाला है। जब गन्ने को इथेनॉल के लिए डाइवर्ट किया गया, तो इन्हें सोचना चाहिए था कि इतना गन्ना इथेनॉल में जाएगा तो चीनी कहां से आएगी? समझ नहीं आता कि मोदी सरकार में ऊपर से नीचे तक सारे अनपढ़ हैं क्या? अरविंद केजरीवाल ने कहा कि इन्होंने अभी तक जितने भी डिसीजन लिए हैं, उनका कोई फायदा नहीं हुआ।

संक्षिप्त खबरें

रक्षाबंधन पर कोटा-निजामुद्दीन के बीच चलेंगी विशेष ट्रेनें

नई दिल्ली। रक्षाबंधन के दौरान यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे ने कोटा और हजरत निजामुद्दीन के बीच विशेष ट्रेन चलाने का फैसला लिया है। उत्तर रेलवे के अनुसार, 09803/09804 कोटा-हजरत निजामुद्दीन-कोटा रक्षाबंधन विशेष ट्रेन तीन-तीन फेरे लगाएगी। इस ट्रेन के संचालन से राजस्थान और दिल्ली के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों को अतिरिक्त विकल्प मिलेगा। कोटा से यह विशेष ट्रेन 22, 24 और 26 अगस्त को चलेगी। वहीं, हजरत निजामुद्दीन से कोटा के लिए वापसी यात्रा 23, 25 और 27 अगस्त को होगी। ट्रेन में वातानुकूलित, स्लीपर और सामान्य श्रेणी के कोच लगाए जाएंगे। ट्रेन संख्या 09803 कोटा से रात 10:15 बजे रवाना होगी। रास्ते में यह इंदरगढ़, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, श्री महावीरजी, हिंडौन सिटी, बयाना जंक्शन, भरतपुर जंक्शन और मथुरा जंक्शन पर रुकेगी। ट्रेन अगले दिन सुबह सात बजे हजरत निजामुद्दीन स्टेशन पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 09804 हजरत निजामुद्दीन से सुबह नौ बजे रवाना होगी और निर्धारित स्टेशनों पर ठहराव के बाद शाम 7:35 बजे कोटा जंक्शन पहुंचेगी।

दयालपुर में गला रेतकर युवक की हत्या, मृतक पर दर्ज थे कई मामले

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी जिले के दयालपुर इलाके में बृहस्पतिवार सुबह अज्ञात हमलावरों ने एक युवक की गला रेतकर हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से भाग गए। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए जीटीबी अस्पताल की मोर्चरी भेज दिया है। पहचान करावल नगर निवासी आकाश के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक बृहस्पतिवार सुबह करीब साढ़े छह बजे दयालपुर थाना पुलिस को खबर मिली कि शेरपुर चौक के पास एक युवक खून से लथपथ हालत में पड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और घायल को इलाज के लिए जीटीबी अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जांच में सामने आया है कि आकाश की गर्दन पर किसी धारदार हथियार से हमला किया गया था। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि मृतक आकाश पर पहले से भी चोरी और झपटमारी जैसे कई आपराधिक मामले दर्ज थे।

केवीएस-एनवीएस भर्ती परीक्षा के टियर-2 परिणाम जारी

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने केन्द्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस), नवोदय विद्यालय समिति (एनवीएस) और एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस) भर्ती परीक्षा के टियर-2 के परिणाम जारी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। बुधवार को पीजीटी अर्थशास्त्र, पीजीटी इतिहास और टीजीटी वर्क एक्सपीरियंस पदों के परिणाम घोषित किए गए हैं। अभ्यर्थी अपने आवेदन पोर्टल पर लॉग इन कर व्यक्तिगत परिणाम और पद के अनुसार शॉर्टलिस्ट होने की स्थिति देख सकते हैं। जिन पदों पर साक्षात्कार चयन प्रक्रिया का हिस्सा है, उनके लिए जारी परिणाम साक्षात्कार के लिए शॉर्टलिस्ट होने की स्थिति बताएगा। ऐसे अभ्यर्थियों की अंकतालिका अंतिम परिणाम जारी होने के 15 दिन के भीतर उपलब्ध कराई जाएगी। जिन पदों में साक्षात्कार नहीं है, उनके टियर-2 अंक परिणाम के साथ अभ्यर्थी के लॉगिन में उपलब्ध कराए जा रहे हैं। जिन पदों के लिए अभ्यर्थियों को वरीयता भरनी है, वे निर्धारित समय में आवेदन पोर्टल के माध्यम से अपनी पसंद दर्ज कर सकते हैं। साक्षात्कार या कौशल परीक्षा वाले पदों की तिथि और कॉल लेटर कार्यक्रम तय होने के बाद संबंधित लॉगिन में उपलब्ध होंगे।

हंसराज कॉलेज में साइबर अपराध और नशे से बचाव को लेकर छात्रों को किया जागरूक

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। डीयू के हंसराज कॉलेज में गुरुवार को साइबर अपराध, नशे के दुरुपयोग, नागरिक जिम्मेदारी और सिविल सेवाओं को लेकर जागरूकता एवं संवाद सत्र आयोजित किया गया। दिल्ली पुलिस के विशेष आयुक्त देवेश चंद्र श्रीवास्तव ने छात्रों को साइबर ठगी और नशे के बढ़ते खतरे से सावधान रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि लालच, अति-आत्मविश्वास और सोशल इंजीनियरिंग का फायदा उठाकर साइबर अपराधी लोगों को निशाना बनाते हैं। छात्रों को संदिग्ध लिंक, एपीके फाइल, स्क्रीन शेयरिंग, फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट, निवेश और टास्क आधारित ठगी से बचने की सलाह दी गई। उन्होंने कहा कि ओटीपी, पिन और पासवर्ड किसी से साझा नहीं करना चाहिए। साइबर अपराध होने पर तुरंत 1930 या राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत करनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि डिजिटल अरेस्ट जैसी कोई कानूनी प्रक्रिया नहीं है। नशे को लेकर उन्होंने कहा कि एमडीएमए समेत सिंथेटिक ड्रग्स युवाओं के लिए गंभीर चुनौती हैं। नशे की समस्या से जूझ रहे व्यक्ति को कलंकित करने के बजाय सहायता और उपचार दिया जाना चाहिए। कार्यक्रम में प्रो. रमा ने दिल्ली पुलिस को ‘दिल की पुलिस’ बताते हुए कहा कि पुलिस नागरिकों और छात्रों के साथ खड़ी रहती है। उन्होंने शिक्षा, मूल्यों और ज्ञान के जरिए नालंदा और तक्षशिला जैसी ज्ञान परंपरा को आगे बढ़ाने की जरूरत बताई। कार्यक्रम में छात्रों ने विशेष आयुक्त से सवाल भी किए।

ड्रग्स तस्करी में राष्ट्रीय स्तर का पहलवान गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा और झारखंड पुलिस ने संयुक्त अभियान में राष्ट्रीय स्तर के पहलवान अमित श्योराण को ड्रग्स तस्करी में गिरफ्तार किया है। वह झारखंड के धुर्वा (तुपुदाना) थाने के एनडीपीए के मामले में वांछित था। आरोपी को 6 दिसंबर 2023 को अपराधी घोषित किया गया था। हरियाणा के रोहतक जिले के रहने वाले अमित श्योराण (31) को मंगलवार रात उत्तर-पश्चिम दिल्ली में मधुबन चौक मेट्रो स्टेशन के पास गिरफ्तार किया गया। दिल्ली पुलिस के विशेष पुलिस आयुक्त (अपराध) एचजीएस धालीवाल ने बताया कि पूछताछ में सप्लायर राजेश नाग ने बताया कि वह अफीम की खेती करता था और खास तौर पर उत्तर भारत में पहलवानों को इसकी सप्लाई करता था। उसने श्योराण और एक अन्य आरोपी रंजीत का नाम ड्रग्स लेने वालों के तौर पर लिया। इन दोनों को पहले दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने एनडीपीएस मामले में गिरफ्तार किया था, जिसके बाद झारखंड में एक अलग मामला दर्ज किया गया। 6 दिसंबर 2023 को एक न्यायिक अदालत ने श्योराण को घोषित अपराधी करार दिया था। क्राइम ब्रांच की एक टीम ने उसकी तलाश शुरू की और रानीबाग-पीतमपुरा इलाके में उसकी गतिविधियों का पता लगाया। विशेष पुलिस आयुक्त ने बताया कि मंगलवार को टीम को पता चला कि श्योराण एक रिश्तेदार से मिलने मधुबन चौक मेट्रो स्टेशन के पास आएगा। टीम ने जाल बिछाया और मामले की जांच कर रहे झारखंड पुलिस के अधिकारियों की मदद से उसे पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान श्योराण ने पुलिस को बताया कि वह रंजीत के संपर्क में आया, जिसने उसे रांची में अफीम सप्लायरों से मिलवाया। पुलिस के अनुसार, इसके बाद श्योराण रांची गया, अफीम खरीदी और हरियाणा व दिल्ली में पहलवानों को सप्लाई की। पुलिस ने बताया कि श्योराण छह आपराधिक मामलों में शामिल है, जिनमें हत्या, हत्या की कोशिश, धोखाधड़ी और कई एनडीपीएस मामले शामिल हैं।

शाहदरा में पुलिस का शिकंजा, वाहन चोर से हथियार बरामद; बावरिया गिरोह का चेन स्नैचर गिरफ्तार, पांच वारदातों का खुलासा

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

शाहदरा। शाहदरा जिला पुलिस ने वाहन चोरी, चेन झपटमारी और चोरी की वारदातों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एएटीएस शाहदरा ने वाहन चोरी में शामिल आरोपी को अवैध पिस्तौल, जिंदा कारतूस और चोरी की स्कूटी के साथ पकड़ा, जबकि आनंद विहार थाना पुलिस और एंटी स्नैचिंग एंड बर्गलरी टीम ने बावरिया गिरोह के कुख्यात चेन स्नैचर को दबोचकर पांच झपटमारी की वारदातों का खुलासा किया। विवेक विहार थाना पुलिस ने भी निमार्णाधीन परिसर से तांबे के पाइप चोरी करने वाले आरोपी को वारदात के कुछ ही समय बाद गिरफ्तार कर लिया। डीसीपी शाहदरा राजेंद्र प्रसाद मीणा ने पुलिस टीमों की कार्रवाई की जानकारी दी। वाहन चोर से पिस्तौल और चोरी की स्कूटी बरामद: एएटीएस शाहदरा की टीम ने 33 वर्षीय जोगेंद्र कुमार निवासी लोनी, गाजियाबाद को श्यामलाल कॉलेज के सामने सीएनजी पंप के पास घेराबंदी कर गिरफ्तार किया। तलाशी में उसके कब्जे से देशी पिस्तौल और आठ एमएम का जिंदा कारतूस बरामद हुआ। उसके पास से काले रंग की हीरो मेस्ट्रो स्कूटी भी मिली, जो प्रीत विहार इलाके से चोरी की गई थी। पूछताछ में आरोपी ने अवैध हथियार मेरठ के अहमदपुर बढ़ला निवासी ताहिर से लेने की बात बताई है। पुलिस कथित हथियार सप्लायर की तलाश के साथ आरोपी की अन्य वाहन चोरी की वारदातों में भूमिका की जांच कर रही है। 250 से अधिक कैमरों की फुटेज खंगालकर बावरिया गिरोह का चेन स्नैचर पकड़ा: आनंद विहार थाना पुलिस की क्रैक टीम और शाहदरा की एंटी स्नैचिंग एंड बर्गलरी टीम ने शामली के झिंझाना निवासी 30 वर्षीय जीवन को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार वह बावरिया गिरोह से जुड़ा है और उसके खिलाफ छह से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। 30 जुलाई को सविता विहार मार्केट के पास करीब 30 ग्राम सोने की चेन झपटने की वारदात के बाद पुलिस ने जांच शुरू की। टीम ने अलग-अलग रास्तों पर लगे 250 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और तकनीकी विश्लेषण के जरिए आरोपी की पहचान की। पुलिस ने उसके कब्जे से वारदात में इस्तेमाल पल्सर एन250 मोटरसाइकिल, देशी कट्टा और जिंदा कारतूस बरामद किया। पूछताछ में आनंद विहार थाना क्षेत्र में चेन झपटमारी के पांच मामलों का खुलासा हुआ है। उसका साथी शंकर उर्फ रिंकू फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है। निमार्णाधीन परिसर से तांबे के पाइप चोरी करते पकड़ा: विवेक विहार थाना पुलिस ने सूरजमल विहार स्थित निमार्णाधीन परिसर से तांबे के पाइप चोरी करने के आरोप में 25 वर्षीय शिव नारायण निवासी संभल को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार 18 अगस्त को चौकीदार भारत नायक ने आरोपी को परिसर में घुसकर बाहर रखे तांबे के पाइप उठाते देखा। शोर मचाने पर पुलिस की मदद से आरोपी को मौके पर ही पकड़ लिया गया। उसके कब्जे से करीब एक-एक फुट लंबे तांबे के छह टुकड़े और करीब 12 फुट लंबा एक पतला तांबे का पाइप बरामद हुआ। डीसीपी राजेंद्र प्रसाद मीणा के निर्देशन में पुलिस टीम आरोपी की अन्य चोरी की वारदातों में संलिप्तता की जांच कर रही है।

वयस्कों का सहमति संबंध विवाह के समान, परिवार या मित्र हस्तक्षेप नहीं कर सकते : हाईकोर्ट

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण आदेश में कहा कि सहमति से रहने वाले दो वयस्क व्यक्तियों का सहमति संबंध विवाह के समान है। ऐसे जोड़े के जीवनसाथी चुनने और साथ रहने के अधिकार में न तो माता-पिता और न ही मित्र हस्तक्षेप कर सकते हैं और न ही उनकी जान को खतरा पहुंचा सकते हैं। न्यायमूर्ति सौरभ बनर्जी ने 13 अगस्त को एक सहमति संबंध कपल की याचिका पर यह आदेश पारित किया। अदालत ने लड़की के परिवार की तरफ से धमकियों का सामना कर रहे जोड़े को पुलिस सुरक्षा प्रदान करने का निर्देश दिया। अदालत ने स्पष्ट किया कि सहमति से रहने वाले वयस्क जोड़े को अपनी पसंद के साथी के साथ रहने और जीवन जीने का पूरा अधिकार है। इसमें किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप स्वीकार्य नहीं है। न्यायमूर्ति बनर्जी ने अपने आदेश में कहा कि सहमति से विवाह करने वाले वयस्कों के लिए जाति, पंथ, रंग, धर्म या आस्था कोई बाधा नहीं बन सकती। संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकारों को सामाजिक नैतिकता और पूर्वाग्रहों के आधार पर सीमित करना व्यक्ति की व्यक्तिगत पहचान को छीनने के समान है। अदालत ने जोर दिया कि वयस्क होने के नाते जोड़े को अपनी पसंद का जीवनसाथी चुनने और उसके साथ रहने का अधिकार है। परिवार या समाज के दबाव में इस अधिकार का हनन नहीं किया जा सकता। अदालत ने स्पष्ट संकेत दिया है कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता और पसंद के अधिकार को सामाजिक रुढ़ियों से ऊपर रखा जाना चाहिए।

लाल किले में दिल्ली को कूड़े से आजादी अभियान के तहत विशेष स्वच्छता अभियान

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) दिल्ली को कूड़े से आजादी अभियान के क्रम में पुरानी दिल्ली जोन की जोनल टीम द्वारा लाल किले परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में विशेष पोस्ट-इवेंट स्वच्छता एवं सफाई अभियान चलाया गया। यह अभियान जोन अध्यक्ष उषा शर्मा एवं क्षेत्रीय पार्षद, सुमन गुप्ता की उपस्थिति में संचालित किया गया। इस मौके पर उपायुक्त कनिका भी मौजूद थीं। स्वतंत्रता दिवस समारोह के सफल आयोजन के उपरांत लाल किले और इसके आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए निगम की टीम द्वारा विशेष रूप से सफाई कार्य किए जा रहे हैं। अभियान के तहत कार्यक्रम स्थल पर एकत्रित कचरे को हटाने, सड़कों एवं आसपास के क्षेत्रों की सफाई तथा सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाए रखने पर विशेष ध्यान दिया गया। एमसीडी की स्वच्छता टीम द्वारा आयोजन स्थल एवं इसके आसपास के क्षेत्रों में निरंतर निगरानी रखते हुए आवश्यकतानुसार सफाई कार्य सुनिश्चित किए जा रहे हैं, ताकि समारोह के बाद भी क्षेत्र की स्वच्छता एवं सौंदर्य व्यवस्था बनी रहे। एमसीडी ने नागरिकों से भी अपील की गई है की कि वे सार्वजनिक स्थलों पर कूड़ा न फैलाएं, निर्धारित स्थानों पर ही कचरा डालें तथा दिल्ली को स्वच्छ एवं कूड़ा-मुक्त बनाने के अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

बेटे के जन्म पर नेग लेने पहुंचे किन्नरों से विवाद, नवजात के पिता की चाकू घोंपकर हत्या

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। कल्याणपुरी इलाके में बुधवार देर रात बेटे का जन्म होने पर चल रही पार्टी के दौरान नेग लेने पहुंचे किन्नरों व उनके साथ आए युवक ने मासूम के पिता के सीने में चाकू घोंपकर हत्या कर दी। मृतक की शिनाख्त जय सिंह (22) के रूप में हुई है। हमले के दौरान जय सिंह के ससुर बिट्टू सिंह (45) और चचेरे ससुर गुड्डू सिंह (41) भी चाकू लगने से जख्मी हो गए। दरअसल पैसे मांग रहे किन्नरों से पीड़ित परिवार की हाथापाई हो गई। इसी बात पर किन्नरों के साथ आए उनके चालक सोनू ने चाकू निकालकर अचानक जय सिंह पर हमला कर दिया। बीच-बचाव कराने आए बिट्टू सिंह और गुड्डू सिंह भी जख्मी हो गए। हत्या के बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई। भीड़ ने आरोपी सोनू को पकड़कर उसकी जमकर खबर ली। खबर मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने सोनू को छुड़ाने का प्रयास किया तो गुस्साई भीड़ ने हमला कर पुलिस की कई बाइक व एक गाड़ी तोड़ दी। हालात को देखते हुए मौके पर कई थानों की पुलिस के अलावा अतिरिक्त पुलिस बल बुलानी पड़ी। फिलहाल एरिया में तनाव का माहौल है। पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए एलबीएस अस्पताल में भर्ती कराया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनको छुट्टी दे दी गई। भीड़ की पिटाई से घायल सोनू का पुलिस हिरासत में जीटीबी अस्पताल में इलाज जारी है। कल्याणपुरी थाना पुलिस ने हत्या समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर एक किन्नर व सोनू को हिरासत में लिया है। बाकी की तलाश जारी है। पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त राजीव कुमार ने बताया कि जय सिंह अपने परिवार के साथ 11 ब्लॉक में रहता था। इसके परिवार में मां गीता कौर, दो बहनें, एक छोटा भाई अजय सिंह (17) और पत्नी गुरप्रीत कौर व अन्य सदस्य हैं। जय सिंह गुरुग्राम में सरिया बांधने का काम करता था। घर से चंद कदमों की दूरी पर जय सिंह की ससुराल है। 13 दिन पहले जय सिंह और गुरप्रीत कौर के यहां एक बेटे का जन्म हुआ था। बुधवार रात को जय सिंह के ससुर बिट्टू सिंह ने अपने घर पर एक पार्टी रखी थी। देर रात को पार्टी का जश्न चल रहा था। जय सिंह अपने रिश्तेदारों व ससुर के साथ गली में मौजूद था। आरोप है कि इस बीच चार-पांच किन्नर वहां बेटे के जन्म पर नेग लेने पहुंचे थे।

जनता की भाषा होते हैं फोक थिएटर : अनूप लाठर

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नलिज्म (डीएसजे) में फोक थिएटर एज ए मीडियम ऑफ कम्युनिकेशन विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जाने-माने रंगकर्मी एवं फिल्म कलाकार, दिल्ली विश्वविद्यालय कल्चर काउंसिल के अध्यक्ष और जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) अनूप लाठर ने लोक रंगमंच की बारीकियों और संचार के क्षेत्र में इसकी भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। अनूप लाठर ने कहा कि सभी फोक थिएटर जनता की भाषा होते हैं। उन्होंने पत्रकारिता के विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर लोक विधाओं के दस्तावेजीकरण, संरक्षण और प्रचार-प्रसार पर शोध करें। इससे यह समझने में मदद मिलेगी कि लोक रंगमंच किस प्रकार समाज तक महत्वपूर्ण संदेश पहुंचाता है। उन्होंने कहा कि फोक थिएटर प्रत्येक संस्कृति का केंद्र होता है और इसमें संस्कृति के विभिन्न तत्व समाहित रहते हैं। दुनिया में बहुत कम सभ्यताओं के पास रंगमंच की इतनी समृद्ध परंपरा है। भारत में फोक थिएटर के रूप में संचार का आधार सदियों पुरानी और विश्वसनीय कहानी कहने की परंपरा से जुड़ा रहा है। यह भारतीय सांस्कृतिक विरासत की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। व्याख्यान के दौरान अनूप लाठर ने देश के विभिन्न प्रदेशों की लोक रंगमंच परंपराओं के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जनसंचार के विद्यार्थियों को फोक थिएटर की परंपरा को आज के नजरिए से समझना चाहिए, ताकि वे अपनी सांस्कृतिक विरासत से जुड़े रहते हुए वर्तमान दौर के जीवन-मूल्यों और सामाजिक संदेशों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ा सकें। इस अवसर पर दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नलिज्म के ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी (ओएसडी) डॉ. संजय वर्मा ने व्याख्यान श्रृंखला की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को ऐसा व्यावहारिक अनुभव उपलब्ध कराना है, जिससे कक्षा में प्राप्त सैद्धांतिक ज्ञान को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिल सके। व्याख्यान को विद्यार्थियों ने काफी सराहा। र्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने अनूप लाठर से विषय से जुड़े विभिन्न सवाल पूछे।

सूचना

मैं बिजेन्ती देवी, पत्नी भूषण सिंह, निवासी C-354, C ब्लॉक, अमन विहार, किरारी सुलेमान नगर, सुल्तानपुरी, उत्तर-पश्चिम दिल्ली 110086, यह बताना चाहती हूँ कि किसी गलती के कारण मेरे आधार कार्ड पर मेरा नाम बिजेन्ती देवी के बजाय विजेंती देवी छप गया था, और भविष्य में सभी कार्यों के लिए मेरा नाम बिजेन्ती देवी ही माना जाए।

PUBLIC NOTICE

I, Urwashi Singh is legally spouse of No.15499813W LD Lalit Kumar Singh is presently residing at Dighi Purbi, Dighi Ward No 6, Distt Madhepura, Bihar- 852122, do hereby solemnly affirm and state on oath as follows: That I have changed my name from Urbashi Singh to Urwashi Singh and D.O.B from 05-05-1986 to 01-01-1987 due to wrong mention in Army record of my husband No.15499813W LD Lalit Kumar Singh. That my correct name and D.O B is Urwashi Singh, 01-01-1987. Vide Affidavit No. IN-LA11854043450535Y

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई–निविदा सूचनाः

NER-LJN-2026-231

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/पूर्वोत्तर रेलवे/लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्यो हेतु आनलाईन ‘खुली’ ई–निविदायें आमंत्रित की जाती है जिसका विवरण नीचे निम्नवत हैः–

क्रम सं.-01, ई-निविदा संख्याः NER-LJN-2026-231, कार्य का नामः पूर्वोत्तर रेलवे ल.ज. मंडलः–गोण्डा–बुढ़वल (अप एवं डाउन)–वरिष्ठ मंडल अभियंता-III, लखनऊ के अधिकार क्षेत्र में 58.00 ट्रैक किमी टीबीआर का कार्य। अनुमानित लागत (₹): ₹ 3,66,08,131.20, अग्रिम धन(₹): ₹ 7,32,200/-, समापन अवधिः 12 माह।

नोट:- (1) उपरोक्त ई–निविदा संख्या NER-LJN-2026-231 के लिये ई-निविदा दिनांक 09-09-2026 को 15:00 बजे तक अपलोड की जा सकती है तथा उसी दिन समय 15:00 बजे के बाद ई-निविदा खोली जायेंगी। (2) उपरोक्त ई-निविदा से सम्बन्धित सभी सूचना, निम्नतम अर्हता, नियम एवं शर्तो का पूर्ण विवरण पूर्वोत्तर रेलवे के वेबसाइट *www.ireps.gov.in* पर उपलब्ध है। निविदाकार ई-निविदा प्रपत्र को अपलोड करने से पूर्व इस ई-निविदा सूचना से सम्बन्धित वेबसाइट पर उपलब्ध शुद्धि पत्र (यदि, कोई हो तो) को भी संज्ञान में लेना सुनिश्चित करें।

मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग, लखनऊ

मुजाधि/डब्लू-294

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com

नई दिल्ली, शुक्रवार, 21 अगस्त, 2026

संक्षिप्त खबरें

कभी कांग्रेस का बड़ा चेहरा थे सज्जन कुमार, 1984 के दंगों से कैसे जुड़ा नाम

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद सज्जन कुमार का गुरुवार को निधन हो गया। उन्हें दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल लाया गया था, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। उनके निधन के कारणों की तत्काल जानकारी सामने नहीं आई है। सज्जन कुमार का राजनीतिक जीवन 1984 के सिख विरोधी दंगों से जुड़े आरोपों के कारण लंबे समय तक विवादों में रहा। दिल्ली के सुल्तानपुरी और दिल्ली कैंट क्षेत्रों में हुई हिंसा के दौरान उन पर भीड़ को उकसाने के आरोप लगे थे। दंगा पीड़ितों और तथ्य खोजी दलों की रिपोर्ट में भी सज्जन कुमार की भूमिका का उल्लेख किया गया था। दिल्ली कैंट के राजनगर इलाके में पांच सिखों की हत्या के मामले में भी उनका नाम सामने आया। इन घटनाओं के बाद उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग लगातार उठती रही। 1984 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद दिल्ली समेत देश के कई हिस्सों में सिख विरोधी हिंसा भड़क उठी थी। इस हिंसा में बड़ी संख्या में लोगों की जान गई और संपत्तियों को नुकसान पहुंचा। सिख विरोधी दंगों से जुड़े मामलों में कांग्रेस के अन्य नेताओं के नाम भी सामने आए थे। सज्जन कुमार के अलावा जगदीश टाइटलर और एचकेएल भगत जैसे नेताओं पर भी आरोप लगे। सज्जन कुमार के राजनीतिक जीवन का बड़ा हिस्सा इन आरोपों और उनसे जुड़े अदालती मामलों की छाया में रहा। उनके निधन के साथ 1984 के दंगों से जुड़े एक प्रमुख राजनीतिक व्यक्ति का जीवन अध्याय समाप्त हो गया, हालांकि उन घटनाओं से जुड़े सवाल और पीड़ित परिवारों की न्याय की मांग लंबे समय तक सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा रही है।

डीयू के 12 कॉलेजों में शिक्षकों के नियमितीकरण की मांग

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (डूटा) ने दिल्ली के उपराज्यपाल को ऑनलाइन याचिका भेजकर दिल्ली सरकार से पूरी तरह वित्त पोषित डीयू के 12 कॉलेजों में लंबे समय से कार्यरत तदर्थ और अस्थायी शिक्षकों के नियमितीकरण और समायोजन की मांग की है। डूटा ने उपराज्यपाल से इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप कर समयबद्ध समाधान के लिए उचित निर्देश देने की अपील की है। डूटा अध्यक्ष प्रो.वीएस नेगी का कहना है कि इसके लिए ऑनलाइन याचिका भी शुरू की गई है। विश्वविद्यालय के कॉलेजों और विभागों में शिक्षक व कर्मचारी संगठनों से इस ऑनलाइन याचिका पर हस्ताक्षर कर इसे व्यापक रूप से प्रसारित करने की अपील की है। डूटा के अनुसार इन कॉलेजों में बड़ी संख्या में शिक्षक पांच से 20 साल या उससे अधिक समय से स्थायी शिक्षण जरूरतों के तहत काम कर रहे हैं। इसके बावजूद उन्हें बार-बार 120 दिन की नियुक्ति, एक दिन का नाममात्र का सेवा अंतराल और कई सेवा लाभों से वंचित रहना पड़ रहा है। डूटा का दावा है कि बड़ी संख्या में शिक्षक अब भी तदर्थ या अतिथि शिक्षक के आधार पर कार्यरत हैं। संगठन ने कहा कि लंबे समय तक अस्थायी शिक्षकों पर निर्भरता से शैक्षणिक निरंतरता और शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया प्रभावित होती है। डूटा ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत प्रतिबद्ध शिक्षकों और प्रेरित शिक्षक वर्ग की जरूरत का भी हवाला दिया। उसने नियमितीकरण में 200 सूत्री रोस्टर और कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) के आरक्षण संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने की मांग की है।

आईजीआई एयरपोर्ट पर तीन अलग-अलग मामलों में गांजा, डॉलर और सोना बरामद

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) एयरपोर्ट पर सीमा शुल्क विभाग ने 17 अगस्त को अलग-अलग कार्रवाई में संदिग्ध हाइड्रोपोनिक गांजा, विदेशी मुद्रा और सोना बरामद किया। तीनों मामलों में आगे की जांच की जा रही है। पहले मामले में खुफिया सूचना और यात्रियों की प्रोफाइलिंग के आधार पर एयर इंटेलिजेंस यूनिट (एआईयू) के अधिकारियों ने फ्लाइट 6ई-1064 की गहन तलाशी ली। इस दौरान विमान में छुपा हुआ एक पैकेट मिला, जिसमें 498 ग्राम संदिग्ध हाइड्रोपोनिक वीड (गांजा) था। बरामद पदार्थ को एनडीपीएस अधिनियम, 1985 के तहत आगे की कार्रवाई के लिए सौंप दिया गया। दूसरे मामले में डीआरआई से मिली विशेष सूचना के आधार पर दुबई जाने वाली फ्लाइट एआई-4309 के एक यात्री को रोका गया। उसके चेक-इन बैगेज की जांच में 15,500 अमेरिकी डॉलर मिले। विदेशी मुद्रा को बैग के नकली निचले हिस्से और कैसरोल के ढक्कन में छिपाया

सुप्रीम कोर्ट ने जांच में तेजी लाने का निर्देश दिया है, फिर भी मुख्य आरोपियों को क्लीन चिट दी जा रही है: संजय सिंह

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के सांसद और उत्तर प्रदेश प्रभारी संजय सिंह ने राम मंदिर में हुए चढ़ावा चोरी और जमीन खरीद घोटाला मामले में चम्पत राय और अनिल मिश्रा को क्लीन चिट दिए जाने पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि ये तो मुख्य आरोपी हैं, इन्हें क्लीन चिट क्यों? सुप्रीम कोर्ट ने जांच में तेजी लाने और स्टेटस रिपोर्ट देने का निर्देश दिया है, फिर भी मुख्य आरोपियों को क्लीन चिट दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एसआईटी की पहली रिपोर्ट के पेज 6 पर साफ लिखा है कि चढ़ावा चोरी के मुख्य सूत्रधार अनिल मिश्रा और चंपत राय थे। इन्हें बचाने के लिए आनन-फानन में एसआईटी की रिपोर्ट का पेज 6 गायब किया गया। शायद एसआईटी के पूर्व अध्यक्ष विजय विश्वास पंत को इसीलिए हटा दिया गया, क्योंकि उन्होंने रिपोर्ट से पेज 6 बदलने से इनकार किया। उन्होंने कहा कि नई एसआईटी के अध्यक्ष मिलने का समय दें, ताकि जमीन खरीद घोटाले से जुड़े कुछ और दस्तावेज सौंप सकूं। लखनऊ में प्रेसवार्ता कर संजय सिंह ने कहा कि 17 अगस्त को एक खबर प्रकाशित हुई जिसमें माननीय सुप्रीम कोर्ट ने अपनी नाराजगी जताते हुए एसआईटी को स्टेटस रिपोर्ट देने और जांच में तेजी लाने का निर्देश दिया है। इसी दिन एक और खबर छपी कि चंपत राय और अनिल मिश्रा को क्लीन चिट मिल गई है, जिन पर सबसे ज्यादा आरोप लगे थे। जब सुप्रीम कोर्ट खुद एसआईटी की निगरानी कर रहा है और जांच का स्टेटस मांग रहा है, तो ऐसे समय में यह खबरें प्रकाशित कराई जा रही हैं कि चंपत राय और अनिल मिश्रा को क्लीन चिट मिल गई है। इसका मतलब है कि चढ़ावा चोरी और चंदा चोरी के मुख्य आरोपियों को पूरी तरह से क्लीन चिट मिल गई। संजय सिंह ने कहा कि पूर्व में एक एसआईटी बनी थी जिसके अध्यक्ष विजय विश्वास पंत थे। उस एसआईटी की एक रिपोर्ट लीक हुई थी, जिसकी कॉपी मेरे पास है। मीडिया को जो रिपोर्ट दी गई थी, उसमें से पन्ना नंबर छह गायब कर दिया गया था, जो अब मिल गया है। यह रिपोर्ट राम जन्मभूमि ट्रस्ट की 6 जुलाई की मीटिंग से पहले की कर दी गई थी। कोषाध्यक्ष गोविंद गिरी ने जो मीटिंग बुलाई थी, उसका पहला एजेंडा चंपत राय और अनिल मिश्रा के इस्तीफे पर चर्चा करना था और दूसरा एजेंडा एसआईटी रिपोर्ट पर चर्चा करना था कि किस पर आरोप लगे हैं और किस पर नहीं। आनन-फानन में पेज नंबर छह गायब करके रिपोर्ट जारी कर दी गई ताकि यह दिखाया जा सके कि चंपत राय और अनिल मिश्रा दोषी नहीं हैं। उन्हें भरोसा था कि ट्रस्ट की मीटिंग में उनका इस्तीफा अस्वीकार कर दिया जाएगा और वे दोबारा आ जाएंगे। हालांकि, एक सीनियर वकील सदस्य के विरोध के कारण उनका इस्तीफा वापस नहीं हो पाया। संजय सिंह ने बताया कि एसआईटी रिपोर्ट का पेज नंबर चार बताता है कि किस तरह से 40 दिन में 70 बार चोरी हुई। इसमें उन आरोपियों के नाम भी अंकित हैं जो प्रथम दृष्टया दोषी पाए गए, जिनमें अविनाश शुक्ला, अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा, मनीष कुमार यादव, करुणेश पांडे और रमाशंकर मिश्रा शामिल हैं।

उपराज्यपाल ने की ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की तैयारियों की समीक्षा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन-2026 के आयोजन को लेकर दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने तैयारियों की समीक्षा की गई। बैठक में सम्मेलन के दौरान विभिन्न विभागों और एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय और सभी तैयारियों को तय समयसीमा में पूरा करने पर जोर दिया गया। उन्होंने संबंधित एजेंसियों को प्रमुख स्थानों एवं आवागमन मार्गों पर सुचारू यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्था, बेहतर नागरिक सुविधाएं और आपात चिकित्सा सेवाओं की तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। संधू ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि सितंबर में शिखर सम्मेलन में शामिल होने वाले सभी प्रतिनिधियों के स्वागत के लिए दिल्ली पूरी तरह तैयार है और उन्हें व्यवस्थित, सुरक्षित तथा गर्मजोशी भरा माहौल उपलब्ध कराया जाएगा। उपराज्यपाल ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर सम्मेलन की तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने सभी संबंधित विभागों और एजेंसियों को प्रमुख आयोजन स्थलों और प्रतिनिधियों के आवागमन वाले मार्गों पर यातायात प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था, नागरिक सुविधाओं के रखरखाव और आपात चिकित्सा तैयारियों को मजबूत करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी मोर्चों पर विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल और समयबद्ध तरीके से काम पूरा करने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए दिल्ली को चुना जाना महत्वपूर्ण है। संधू ने एक्स पर लिखा कि हमारी पुरातन परंपरा अतिथि देवो भवः से प्रेरित होकर दिल्ली सभी प्रतिनिधियों के स्वागत के लिए पूरी तरह तैयार है और उन्हें व्यवस्थित, सुरक्षित एवं गर्मजोशी भरा अनुभव प्रदान करेगी।

बारिश के पानी को बचाने के मामले में एनजीटी ने डीजेबी को दिया चार सप्ताह का समय

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली में बारिश के पानी को जमीन के अंदर पहुंचाने और भूजल स्तर सुधारने से जुड़े निर्देशों के पालन को लेकर राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) से जवाब मांगा है। एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव और विशेषज्ञ सदस्य डॉ. अफरोज अहमद की पीठ ने डीजेबी को आगे की अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करने के लिए चार सप्ताह का समय दिया। यह मामला वर्षा जल संचयन प्रणाली और जमीन के नीचे पानी का स्तर बढ़ाने से जुड़ा है। सुनवाई के दौरान एनजीटी ने आवेदक की ओर से रखे गए उन बिंदुओं पर विचार किया, जिनमें पहले दिए गए निर्देशों का पूरी तरह पालन नहीं होने का आरोप लगाया गया था। आवेदक के मुताबिक, बारिश का पानी जमीन में पहुंचाने के लिए बनाई जाने वाली रेन वाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली नालों के पास नहीं होनी चाहिए। नालों के पास ऐसी व्यवस्था होने से गंदा पानी जमीन के अंदर जाकर भूजल को प्रदूषित कर सकता है। आरोप है कि डीजेबी समेत कुछ अन्य विभागों ने इस निर्देश का पूरी तरह पालन नहीं किया है। मामले में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के पास पीजोमीटर लगाने की जरूरत भी बताई गई है। इससे भूजल के स्तर और जमीन के अंदर पहुंचाए जा रहे पानी की गुणवत्ता पर नजर रखी जा सकेगी। इसके अलावा भूजल में पानी पहुंचाने से पहले उसमें मौजूद गंदगी और प्रदूषकों को अलग करने के लिए जरूरी व्यवस्था करने का मुद्दा भी उठाया गया। आवेदक ने कुछ रीचार्ज बोरवेल की गहराई को लेकर भी सवाल उठाए। उनका आरोप है कि कई जगह बोरवेल तय मानकों से ज्यादा गहरे बनाए गए हैं। कुछ खराब रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को बंद या ठीक नहीं किए जाने का मुद्दा भी अधिकरण के सामने रखा गया। सुनवाई के दौरान डीजेबी के वकील ने इन आरोपों पर जानकारी लेने और विस्तृत अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करने के लिए चार सप्ताह का समय मांगा। एनजीटी ने समय देते हुए मामले की अगली सुनवाई 27 अक्तूबर 2026 को तय की है।

स्कोडा ऑटो इंडिया ने नई स्लाविया के साथ अपनी सेडान विरासत का अगला अध्याय शुरू किया

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नोएडा। स्कोडा ऑटो इंडिया ने नई स्लाविया का अनावरण किया है, जो आधुनिक तकनीक, सुरक्षा और ड्राइविंग आनंद के साथ सेडान की शाश्वत अपील की सराहना करने वाले ग्राहकों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। भारत के सबसे लोकप्रिय सेडान प्लेटफार्मों में से एक की सफलता पर आधारित, नई स्लाविया यूरोपीय इंजीनियरिंग प्रदान करने की ब्रांड की परंपरा को जारी रखती है जो ड्राइव करने में आकर्षक, स्वामित्व में व्यावहारिक और भारत के चुनिंदा ग्राहकों के लिए निर्मित है। यह अनावरण स्कोडा की वैश्विक सेडान विरासत के उत्सव का भी प्रतीक था, जिसमें नई स्लाविया ने दो प्रतिष्ठित नेमप्लेट्स - ऑक्टेविया आरएस और ऑल-न्यू सुपर्ब - के साथ भारत में अपनी वापसी का केंद्र स्थान लिया। क्लॉस जेलमर, सीईओ, स्कोडा ऑटो, कहते हैं: भारत हमारे सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक विकास बाजारों में से एक बना हुआ है और यह इस बात का एक बेहतरीन उदाहरण है कि जब हम अपने ग्राहकों की बात ध्यान से सुनते हैं तो स्कोडा ऑटो क्या हासिल कर सकता है। नई स्लाविया इसी दृष्टिकोण पर आगे बढ़ती है। यह एक ऐसे मॉडल को और मजबूत करती है जो वास्तविक सफलता की कहानी बन गया है, जिसने ग्राहकों का विश्वास अर्जित किया है और अपने सेगमेंट में सबसे अधिक बिकने वाली सेडान में से एक के रूप में खुद को स्थापित किया है। यह सफलता हमारी टीमों, हमारे डीलर भागीदारों और सबसे बढ़कर हमारे ग्राहकों की है। साथ मिलकर, हमने मजबूत गति बनाई है। एक स्पष्ट रणनीति और मजबूत स्थानीय उपस्थिति के साथ, मुझे विश्वास है कि हम भारत में अपनी विकास कहानी का अगला अध्याय लिख रहे हैं। सेडान की विरासत130 से अधिक वर्षों से, स्कोडा ऑटो ने ऐसे वाहन बनाने की प्रतिष्ठा अर्जित की है जो इंजीनियरिंग उत्कृष्टता, शाश्वत डिजाइन और पुरस्कृत ड्राइविंग डायनामिक्स का संयोजन करते हैं। इस यात्रा में सेडान ने एक निर्णायक भूमिका निभाई है, जिसमें सुपर्ब नेमप्लेट 1934 तक जाती है, जिससे स्कोडा की सेडान विरासत 90 वर्ष से अधिक पुरानी है। ऑक्टेविया और सुपर्ब वैश्विक बाजारों में ब्रांड की प्रतिष्ठा को आकार देते रहे हैं। स्लाविया गर्व से इस विरासत को भारत में आगे बढ़ाती है। टदइ-अड-क्ढ प्लेटफॉर्म पर विकसित, जिसे विशेष रूप से भारतीय परिस्थितियों के लिए इंजीनियर किया गया है और विश्व के लिए तैयार है, स्लाविया ने खुद को देश की सबसे सफल सेडान में से एक के रूप में स्थापित किया है। नई स्लाविया उन्नत स्टाइलिंग, नई तकनीकों, सेगमेंट-फर्स्ट सुविधाओं और अधिक आराम के साथ इस प्रस्ताव को और मजबूत करती है, जबकि आकर्षक ड्राइविंग अनुभव, व्यावहारिकता और सुरक्षा को बरकरार रखती है जिसे ग्राहक ब्रांड के साथ जोड़ते हैं।

लिव-इन संबंध में वयस्कों की पसंद सर्वोपरि, हाईकोर्ट ने दी सुरक्षा

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने लिव-इन संबंध में रह रहे वयस्क दंपती के अधिकारों को लेकर महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा है कि सहमति से साथ रह रहे वयस्कों की पसंद में उनके माता-पिता, रिश्तेदार या मित्र हस्तक्षेप नहीं कर सकते। अदालत ने स्पष्ट किया कि किसी भी व्यक्ति को उनकी जान या स्वतंत्रता के लिए खतरा पैदा करने अथवा उन्हें धमकाने का अधिकार नहीं है। परिवार की ओर से धमकी का सामना कर रहे एक दंपती को अदालत ने पुलिस सुरक्षा भी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति सौरभ बनर्जी ने 13 अगस्त को 30 वर्ष से अधिक आयु के दंपती की याचिका पर यह आदेश पारित किया। याचिकाकताओं ने अदालत को बताया कि वे कुछ समय से साथ रह रहे हैं और भविष्य में एक-दूसरे से विवाह करने का भी इरादा रखते हैं। परिवार की ओर से मिल रही थी धमकी याचिका के अनुसार, महिला के पिता और भाई दोनों के संबंध से सहमत नहीं थे। आरोप था कि परिवार की ओर से लगातार दोनों को हिंसा की धमकी दी जा रही थी। दंपती ने इस संबंध में स्थानीय थाना प्रभारी को शिकायत भी दी थी, लेकिन उनकी शिकायत पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने के बाद उन्होंने हाईकोर्ट का रुख किया। अदालत ने मामले की सुनवाई के दौरान दोनों की आयु, सहमति और अपनी इच्छा से साथ रहने के निर्णय को महत्वपूर्ण माना। हाईकोर्ट ने कहा कि जब दो वयस्क अपनी इच्छा और सहमति से साथ रहने का निर्णय लेते हैं तो किसी तीसरे व्यक्ति को उनकी पसंद में बाधा डालने का अधिकार नहीं है। माता-पिता और रिश्तेदार भी नहीं कर सकते हस्तक्षेप अदालत ने कहा कि याचिकाकताओं ने अपनी इच्छा, सहमति और पूरी जिम्मेदारी के साथ एक-दूसरे के साथ रहने का निर्णय लिया है। ऐसे में माता-पिता, रिश्तेदार या मित्र उनकी पसंद में बाधा नहीं डाल सकते। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि किसी व्यक्ति को उनकी जान या स्वतंत्रता के लिए धमकी देने का अधिकार बिल्कुल नहीं है। हाईकोर्ट ने कहा कि दोनों कानूनी रूप से एक-दूसरे से विवाहित नहीं हैं, लेकिन वे सहमति से साथ रहने वाले वयस्क हैं। अदालत ने ऐसे संबंध को विवाह के समान संरक्षण के दायरे में देखते हुए उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। सामाजिक पूर्वाग्रहों के आधार पर अधिकार सीमित नहीं किए जा सकते न्यायमूर्ति सौरभ बनर्जी ने कहा कि वयस्क व्यक्ति की व्यक्तिगत पसंद और मौलिक अधिकारों को सामाजिक नैतिकता या पूर्वाग्रहों के आधार पर सीमित नहीं किया जा सकता।

प्रयाग अस्पताल नोएडा में की गई 69 वर्षीय महिला की यूजीआई एंडोस्कोपी चिकित्सा क्षेत्र में एक बड़ी कामयाबी है

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नोएडा। प्रयाग हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर प्राइवेट लिमिटेड के डॉक्टरों ने 69 साल की मरीज सुश्री महारानी की यूजीआई (अपर गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल) एंडोस्कोपी सफलतापूर्वक की। यह एक बड़ी कामयाबी है जिसे अस्पताल की एडवांस्ड डायग्नोस्टिक और सर्जिकल सर्विस के दम पर लोकल एनेस्थीसिया देकर अस्पताल के जनरल सर्जन डॉ. राजीव राही ने अंजाम दिया। यह यूजीआई एंडोस्कोपी 23 जुलाई, 2026 को की गई। सुश्री महारानी के अपर गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल ट्रैक्ट की क्लिनिकल जांच के बाद यह प्रोसीजर किया गया। यूजीआई एंडोस्कोपी एक ऐसा डायग्नोस्टिक प्रोसीजर है जिसमें बहुत कम चीरा लगाया जाता है। डॉक्टर एक विशेष फ्लेक्सिबल एंडोस्कोप से इसोफेगस, पेट और छोटी आंत के ऊपरी हिस्से की जांच करते हैं। इस प्रोसीजर में डॉक्टर के लिए सीधे अपर डाइजेस्टिव ट्रैक्ट देखना मुमकिन होता है और वे उन समस्याओं को देख पाते हैं जिनका सामान्य क्लिनिकल जांच से पता नहीं चलता है। इससे गैस्ट्राइटिस, गैस्ट्रिक अल्सर, एसिड रिफ्लक्स या जीईआरडी, अपर गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल ब्लीडिंग, निगलने में दिक्कत और पाचन से जुड़ी अन्य समस्याओं के निदान और उपचार में बहुत मदद मिलती है। यह एंडोस्कोपी मरीज को लोकल एनेस्थीसिया देकर की गई और प्रोसीजर के दौरान कुशल डॉक्टरों की निगरानी बनी रही। प्रयाग अस्पताल मिनिमली इनवेसिव डायग्नोस्टिक इंटरवेंशन पर जोर देता है क्योंकि यह अधिक सुरक्षित भी है। अस्पताल मरीज के आराम और सुरक्षा को सबसे अधिक महत्व देता है। प्रयाग हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर प्राइवेट लिमिटेड के जनरल सर्जन डॉ. राजीव राही ने कहा, ह्लयूजीआई एंडोस्कोपी एक बहुत कारगर डायग्नोस्टिक टूल है जो सीधे अपर गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल ट्रैक्ट की हालत देखने-समझने और शुरूआती स्टेज में ही गड़बड़ी का पता लगाने की सुविधा देता है। इस प्रोसीजर को अधिक सुरक्षित बनाने के तमाम उपाय किए जाते हैं जैसे प्रोसीजर से पहले मरीज की स्थिति को अच्छी तरह समझना, सही तैयारी करना और बारीकी से मॉनिटरिंग करना। हम ने हमेशा यह ध्यान रखा है कि मरीजों के डायग्नोस्टिक का जो भी प्रोसीजर हो सुरक्षित, नियंत्रित और अधिक से अधिक आरामदायक जरूर हो।ह्व आज यूजीआई एंडोस्कोपी की जरूरत बढ़ गई है क्योंकि लोगों में पाचन की समस्या के सिम्पटम बने रहते हैं या इस समस्या के स्पष्ट कारणों का पता नहीं चलता है।

सुकेश का दावा, केजरीवाल और सत्येंद्र जैन को पत्र लिखकर 3 और घोटाले खोलने की चेतावनी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। कथित ठगी के मामलों में जेल में बंद सुकेश चंद्रशेखर ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन को पत्र लिखकर 3 और कथित बड़े घोटालों का पदार्फाश करने की चेतावनी दी है। सुकेश ने अपने पत्र में दावा किया है कि वर्ष 2021-22 में उसके द्वारा किए गए खुलासे बाद में सही साबित हुए हैं। उसने कहा कि अब वह तीन अन्य प्रमुख विभागों से जुड़े कथित भ्रष्टाचार और घोटालों को सामने लाएगा। सुकेश ने पत्र में शराब नीति मामले के बाद दिल्ली जल बोर्ड से जुड़े कथित घोटालों का भी उल्लेख किया है। उसने दावा किया कि आने वाले समय में तीन अन्य प्रमुख विभागों में कथित भ्रष्टाचार और अनियमितताओं से संबंधित जानकारी सार्वजनिक करेगा। हालांकि, पत्र में किए गए इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। आम आदमी पार्टी पर लगाए आरोप सुकेश ने अपने पत्र में आम आदमी पार्टी पर भी निशाना साधा। उसने पार्टी को कथित घोटालों से जोड़ते हुए आरोप लगाए और कहा कि उसकी राजनीतिक प्रतिष्ठा कथित घोटालों की वास्तविकता के सामने ही तय होगी। उसने दावा किया कि वर्ष 2021-22 में उसके द्वारा लगाए गए आरोपों को उस समय गंभीरता से नहीं लिया गया था, लेकिन बाद की घटनाओं ने उसके दावों को सही साबित किया। सुकेश ने अपने पत्र में शराब नीति और जल बोर्ड से जुड़े मामलों का संदर्भ देते हुए आगे भी कई खुलासे करने की बात कही। पंजाब को लेकर भी किया दावा सुकेश ने पंजाब की राजनीति को लेकर भी अपने पत्र में कई दावे किए हैं। उसने कहा कि पंजाब के लोगों को दोबारा कथित रूप से गुमराह करने की कोशिश सफल नहीं होगी। उसने दावा किया कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी को जिस तरह राजनीतिक चुनौती का सामना करना पड़ा, पंजाब में भी उससे बड़ा राजनीतिक झटका लग सकता है। पत्र में उसने अरविंद केजरीवाल पर देश की युवा पीढ़ी को कथित रूप से प्रभावित करने का आरोप लगाया और कहा कि वह सबसे पहले पूर्व मुख्यमंत्री का पदार्फाश करेगा। हालांकि, ये सभी आरोप सुकेश के दावे हैं और इनकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। वर्ष 2015 और 2016 के संबंधों का भी जिक्र सुकेश ने पत्र में वर्ष 2015 और 2016 के दौरान आम आदमी पार्टी के कथित संस्थापकों के साथ अपने संपर्क का भी संकेत दिया है। उसने दावा किया कि वह जल्द ही इस संबंध में ऐसे खुलासे करेगा, जो लोगों को चौंका सकते हैं। उसने कहा कि वह देश के भविष्य और युवा पीढ़ी को कथित राजनीतिक भ्रम से बचाने के लिए अपने दावों को सामने लाएगा।

जेल में बंद कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार का निधन, 1984 दंगों में मिली थी उम्रकैद

नई दिल्ली। पूर्व सांसद और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सज्जन कुमार का निधन हो गया है। उन्हें दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल लाया गया था, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। अस्पताल के सूत्रों ने यह जानकारी दी है। फिलहाल, सज्जन कुमार के निधन के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। इस संबंध में विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है। सज्जन कुमार एक अनुभवी राजनेता थे और उन्होंने लोकसभा में सांसद के रूप में कार्य किया। वे 1984 के सिख विरोधी दंगों के मामले में दोषी पाए गए थे। हालांकि, हाल ही में दिल्ली उच्च न्यायालय ने दो मामलों में उन्हें बरी कर दिया था। सूत्रों का कहना है कि अस्पताल पहुंचने से पूर्व ही उनका निधन हो गया था, लेकिन इस पर अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। सज्जन कुमार के निधन से राजनीतिक गलियारों में शोक की लहर है। उनके निधन के कारणों का पता चलने के बाद ही आगे की जानकारी सामने आ पाएगी। सिख दंगों में क्या रही थी भूमिका? सज्जन कुमार का नाम दिल्ली में सिखों के खिलाफ दंगों को भड़काने में आता है। खासकर दिल्ली के सुल्तानपुरी, कैंट और पालम कॉलोनी जैसे इलाकों में। दंगों के पीड़ितों के मुताबिक, 1 नवंबर 1984 को दिल्ली में भीड़ को संबोधित करते हुए सज्जन कुमार को कहते सुना गया था- हमारी मां मार दी, सरदारों को मार दो। सज्जन सिंह के खिलाफ दायर मामलों में कई गवाहों ने अपने बयान में कहा कि सज्जन सिंह ने निजी तौर पर सिखों के घरों की पहचान करवाकर भीड़ को हमले के लिए उकसाया था। आरोप ये भी थे कि सज्जन सिंह के समर्थकों ने दिल्ली में वोटर लिस्ट के जरिए सिखों के घर और बिजनेस की पहचान की और उनमें तोड़फोड़ की या आग लगा दी। कई सिखों को उनके घरों से निकालकर मारा गया। किन खास घटनाओं से जुड़ा सज्जन कुमार का नाम? सज्जन कुमार का नाम 31 अक्तूबर 1984 को हुए दंगे में आता है। इस दौरान उन्होंने दिल्ली कैंट क्षेत्र में भीड़ को उकसाया था। इस भीड़ ने कई घरों में आगजनी की घटना को अंजाम दिया। सज्जन कुमार के उकसावे के बाद दिल्ली कैंट के राजनगर इलाके में भीड़ ने पांच सिखों- केहर सिंह, गुरप्रीत सिंह, रघुवेंद्र सिंह, नरेंद्र पाल सिंह और कुलदीप सिंह की हत्या कर दी थी। पीपल्स यूनियन फॉर डेमोक्रेटिक राइट्स (पीयूडीआर) और पीपल्स यूनियन फॉर सिविल लिबर्टीज की तथ्य खोजने वाली टीमों ने अपनी रिपोर्ट में बताया था कि दिल्ली के सुल्तानपुरी इलाके में जो दंगे हुए थे, उनमें अधिकतर सिख पीड़ितों ने कांग्रेस सांसद पर भीड़ को भड़काने का आरोप लगाया था।

फेस्टिवल ने अपनी ओपनिंग और क्लोजिंग फिल्मों की घोषणा की

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली । रजनीगंधा प्रेजेंट्स जागरण फिल्म फेस्टिवल, दुनिया के सबसे बड़े ट्रैवलिंग फिल्म फेस्टिवल का 14वां संस्करण, 20 से 23 अगस्त 2026 तक डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित होने के लिए पूरी तरह तैयार है। देशभर के प्रशंसित फिल्मकारों, कलाकारों, क्रिएटर्स और सिनेमा प्रेमियों को एक साथ लाते हुए, यह फेस्टिवल चार दिनों तक बेहतरीन कहानियों, विचारोत्तेजक संवादों और भारत तथा दुनियाभर की बेहतरीन सिनेमाई आवाजों का उत्सव पेश करेगा। देशभर में अपनी यात्रा के एक और पड़ाव की शुरूआत करते हुए, दिल्ली चैप्टर इस वर्ष के फेस्टिवल के लिए एक रोमांचक शुरूआत का मंच तैयार करेगा। एक महत्वपूर्ण सिनेमाई उपलब्धि के रूप में, फेस्टिवल की शुरूआत शिकायतें के वर्ल्ड प्रीमियर के साथ होगी, जो इस फिल्म की पहली सार्वजनिक स्क्रीनिंग होगी। प्रशंसित अभिनेता जावेद जाफरी और सयानी गुप्ता अभिनीत यह भावनात्मक ड्रामा रिश्तों की जटिलताओं, अधूरी भावनाओं और उन अनकहे बोझों को सामने लाता है, जिन्हें लोग जीवनभर अपने साथ लेकर चलते हैं। दमदार अभिनय और दिल को छू लेने वाली कहानी से सजी शिकायतें इस वर्ष के फेस्टिवल की एक यादगार शुरूआत करने का वादा करती है। दिल्ली चैप्टर का समापन लॉस्ट एंड फाउंड कुंभ के साथ होगा, जो कुंभ मेले की पृष्ठभूमि पर आधारित एक भावुक फिल्म है। आस्था, उम्मीद और मानवीय जुड़ाव जैसे विषयों को समेटे यह फिल्म उन ज़िंदगियों की कहानी दिखाती है, जो दुनिया के सबसे बड़े आयोजनों में से एक के बीच अप्रत्याशित रूप से एक-दूसरे से जुड़ जाती हैं। भावनाओं और सांस्कृतिक गहराई से भरपूर यह फिल्म ऐसे फेस्टिवल के लिए एक उपयुक्त समापन प्रस्तुत करती है, जो ऐसी कहानियों का जश्न मनाता है, जो दर्शकों के दिलों पर लंबे समय तक अपनी छाप छोड़ती हैं। जागरण फिल्म फेस्टिवल में शिकायतें के वर्ल्ड प्रीमियर को लेकर जावेद जाफरी ने कहा, ह्लएक फिल्म अपने दर्शकों तक पहुंचने से पहले कई पड़ावों से गुजरती है, इसलिए जागरण फिल्म फेस्टिवल में शिकायतें का वर्ल्ड प्रीमियर होना मेरे लिए बेहद खास है। यह पूरी टीम के लिए वर्षों की मेहनत को बड़े पर्दे पर जीवंत होते देखने का एक शानदार अवसर है। खत्रÞ्रने उन लोगों को एक साथ लाने की अपनी पहचान बनाई है, जो वास्तव में अच्छे सिनेमा की सराहना करते हैं, और मैं इस खास मौके का हिस्सा बनने, सभी के साथ इस उपलब्धि का जश्न मनाने और दर्शकों को पहली बार फिल्म का अनुभव करते हुए देखने के लिए उत्सुक हूं।ह्व स्क्रीनिंग्स, मास्टरक्लासेस, पैनल चचाओं और विशेष कार्यक्रमों की शानदार श्रृंखला के साथ, खत्रÞ्र2026 एक बार फिर सिनेमा की दुनिया के बेहतरीन कलाकारों और कहानियों को एक मंच पर लाने का वादा करता है। दिल्ली चैप्टर इस एक और यादगार यात्रा की शुरूआत करेगा, क्योंकि फेस्टिवल देशभर में अपनी यात्रा जारी रखते हुए दर्शकों को ऐसी कहानियों से जोड़ेगा, जो उनका मनोरंजन करने के साथ-साथ उन्हें प्रेरित करेंगी और लंबे समय तक याद रहेंगी। जागरण फिल्म फेस्टिवल के बारे में: जागरण फिल्म फेस्टिवल दुनिया का सबसे बड़ा ट्रैवलिंग फिल्म फेस्टिवल और भारत के प्रमुख सिनेमाई समारोहों में से एक है। देशभर में स्क्रीनिंग्स, वर्कशॉप्स, मास्टरक्लासेस और संवादों के माध्यम से, यह फेस्टिवल सार्थक कहानी कहने की कला को बढ़ावा देने के साथ-साथ भारत और दुनियाभर के स्थापित और उभरते फिल्मकारों एवं कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रस्तुत करने का मंच प्रदान करता है।

लक्ष्मी योजना में आवेदन पर मंजूरी एवं सुनवाई करेगी समिति

नई दिल्ली। सरकार द्वारा शुरू की गई दिल्ली लक्ष्मी योजना में आवेदनों की मंजूरी को लेकर प्रत्येक जिले में एक समिति का गठन किया गया है। दिल्ली सरकार द्वारा बनाई गई इस समिति में अध्यक्ष डीएम होंगे जबकि सदस्य विधायक, निगम पार्षद एवं नागरिक समाज के सदस्य को रखा गया है। वहीं समिति में सचिव महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी होंगे। यह समिति न केवल आवेदनों का सत्यापन कर उसे मंजूरी देगी बल्कि नामंजूर किए गए आवेदनों पर शिकायत सुनने का अधिकार भी इनके पास होगा। जानकारी के अनुसार अगस्त माह की शुरूआत में दिल्ली सरकार द्वारा दिल्ली लक्ष्मी योजना का शुभारंभ किया गया है। इसमें पोर्टल के माध्यम से आवदेन लिए जा रहे हैं। इस योजना में अभी तक लगभग 9 लाख पंजीकरण हो चुके हैं जबकि पांच लाख से ज्यादा महिलाओं के फॉर्म भी जमा हो गए हैं। आगामी 26 अगस्त को तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में महिलाओं को मुख्यमंत्री द्वारा इस योजना को लेकर प्रमाण-पत्र दिए जाएंगे और 1 सितंबर से महिलाओं के खातों में प्रत्येक माह रुपये आएंगे। इस प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए दिल्ली सरकार द्वारा सभी 13 जिलों में समिति का गठन किया गया है। प्रत्येक जिले की समिति में एक विधायक और एक निगम पार्षद को सदस्य बनाया गया है। मुख्य रूप से यह समिति आवेदकों के दस्तावेज की जांच करेगी ताकि पात्र महिलाओं को ही इस योजना का लाभ मिले। इसमें महिलाओं के दस्तावेजों में मुख्य रूप से उनकी उम्र, आधार कार्ड, वोटर कार्ड, बिजली का बिल (2400 यूनिट वार्षिक खपत) आदि का सत्यापन किया जाएगा। इस समिति की मंजूरी के साथ ही आवेदक के मोबाइल पर योजना की मंजूरी का संदेश चला जाएगा। अगर किसी का आवेदन नामंजूर होता है और उसे आपत्ति है तो वह डीएम कार्यालय में शिकायत कर सकते हैं। डीएम द्वारा दोबारा उनके दस्तावेजों की जांच कराई जाएगी और अगर खामी नहीं हुई तो उनके आवेदन को मंजूर किया जाएगा। वहीं खामी मिली तो उसे अस्वीकार कर दिया जाएगा। इस योजना में किसी भी स्तर पर अगर दस्तावेजों में गलत जानकारी मिली तो योजना का लाभ आवेदक के लिए बंद किया जाएगा और उन्हें जारी की गई राशि वापस वसूली जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

फरीदाबाद में कचरे के ढेर की पहरेदारी कर रहे कर्मचारी

फरीदाबाद । में हड़ताल पर गए सफाई कर्मचारी अब कूड़े के ढेर की पहरेदारी भी करने लगे हैं। रात में जागकर सफाई कर्मचारी सड़कों और मार्केट में लगे कूड़े के ढेर के पास पहरा दे रहे हैं। जिस कूड़े को उठाना सफाई कर्मचारियों की जिम्मेदारी है, अब उसी कूड़े को उठने से रोकने के लिए कर्मचारी रातभर निगरानी कर रहे हैं। कर्मचारी बाइक पर सवार होकर अलग-अलग इलाकों में घूमते हैं और देखते हैं कि कहीं नगर निगम के ठेकेदार या कोई अन्य व्यक्ति कूड़ा उठाने तो नहीं पहुंचा। नगर निगम के सफाई कर्मचारियों की हड़ताल का असर अब पूरे शहर में दिखाई देने लगा है। कर्मचारी 6 अगस्त से अपनी मांगों को लेकर हड़ताल पर हैं और करीब 15 दिन से सफाई व्यवस्था प्रभावित है। हड़ताल के कारण बाजारों, सड़कों और रिहायशी इलाकों में जगह-जगह कूड़े के ढेर लग गए हैं। कई बाजारों में दुकानों के बाहर भी कूड़ा जमा होने से दुकानदारों और लोगों को परेशानी हो रही है। नाइट स्वीपिंग करने वालले कर्मचारी भी नहीं कर रहे सफाई बल्लभगढ़ जोन के सफाई कर्मचारी प्रधान नरेश भगवान ने बताया कि बल्लभगढ़ की मुख्य मार्केट और आसपास के बाजारों में रात के समय नाइट स्वीपिंग करने वाले कर्मचारी भी अब सफाई का काम नहीं कर रहे हैं। वे रात में सड़कों पर सफाई करने के बजाय कूड़े के ढेरों की पहरेदारी कर रहे हैं। कर्मचारियों की बाइक रातभर उन स्थानों पर घूमती रहती है, जहां कूड़ा जमा है। कर्मचारियों को डर, ठेकेदार दूसरे कर्मचारियों से न उठवा दे कूड़ा नरेश भगवान का कहना है कि सफाई कर्मचारियों को डर है कि उनकी हड़ताल के दौरान नगर निगम के ठेकेदार दूसरे कर्मचारियों के जरिए कूड़ा उठवा सकते हैं। इसलिए कर्मचारी खुद कूड़े के ढेरों पर नजर रख रहे हैं। उनका साफ कहना है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक कूड़ा उठाने नहीं दिया जाएगा।

युवती के प्राइवेट पार्ट्स पर खौलता पानी डाला, 50% जली

फरीदाबाद । में 23 वर्षीय युवती पर सोते समय खौलता पानी डालकर जला दिया गया। युवती का दावा है कि उसके सौतेले माता-पिता उसकी शादी एक बुजुर्ग से करवा रहे थे, जिसका विरोध करने पर उसे जलाया गया। युवती ने दावा किया कि उसका 3 लाख रुपए में सौदा किया गया था। जब उसने बार-बार मना किया तो उसके प्राइवेट पार्ट्स पर खौलता पानी डाल दिया। जिससे वो 50 फीसदी जल गई। सीना और हाथ बुरी तरह झुलस गए। इतना ही नहीं, आरोपी माता-पिता ने इसके बाद उसे इलाज के लिए बाहर तक नहीं जाने दिया और कमरे में ताला लगाकर रखा। मोबाइल भी अपने पास रख लिया। इसकी भनक जब पड़ोस की एक युवती को हुई तो उसने पीड़िता के मौसा को बताया और वो पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे। युवती का पहले इङ अस्पताल में इलाज कराया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस फिलहाल युवती के बयान और पूरे मामले की जांच कर रही है। शादी के 2 साल बाद तलाक हुआ युवती की पहचान प्रीति के रूप में हुई। जो बिहार के टिक्का टोला शहापुर की रहने वाली है। उसके मौसा पंकज के मुताबिक, करीब दो साल पहले उसकी शादी फरीदाबाद के कुरेशीपुर निवासी रोहित से हुई थी। रोहित निजी कंपनी में काम करता है। प्रीति का रोहित से किसी न किसी बात पर झगड़ा होता रहता था। करीब दो महीने पहले वो पति से अलग हो गई। इसके बाद पड़ोस में रहने वाले धर्मेंद्र और ललिता के संपर्क में आई। दोनों प्रीति के घर आते-जाते थे और उसके साथ भी उनका मेलजोल था। बेटी की तरह रखने का भरोसा देकर अपने साथ ले गए प्रीति के मौसा का आरोप है कि धर्मेंद्र (45) और ललिता (42) ने उसे भरोसा दिया कि वे उसे बेटी की तरह रखेंगे और बाद में अपने घर से शादी करके विदा करेंगे।

गुरुग्राम में वेंडर्स के लिए बनेगा स्मार्ट सिस्टम

अवैध मंडियां और खोखे हटेंगे, 37 वेंडिंग जोन तय; निगम चलाएगा अभियान

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम । जिले का मानेसर नगर निगम आज से अवैध सब्जी मंडियों और निर्धारित वेंडिंग जोन से बाहर लगने वाली रेहड़ियों व खोखों के खिलाफ सघन अभियान शुरू कर रहा है। संयुक्त आयुक्त पुनीत कुमार ने प्रवर्तन शाखा के अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि निजी भूमि पर लगने वाली साप्ताहिक और दैनिक सब्जी मंडियों को भी हटाया जाएगा। यह कार्रवाई तब तक जारी रहेगी जब तक अवैध रेहड़ियों और मंडियों को पूरी तरह से हटा नहीं दिया जाता। निगम क्षेत्र में अब वेंडर्स केवल चिन्हित वेंडिंग जोन में ही व्यापार कर सकेंगे। वेंडर्स के लिए स्मार्ट वेंडिंग सॉल्यूशन तैयार संयुक्त आयुक्त लोकेश यादव ने बताया कि निगम वेंडर्स के लिए एक स्मार्ट वेंडिंग सॉल्यूशन तैयार कर रहा है। इस व्यवस्था के तहत, प्रत्येक वेंडर को निगम की ओर से पहचान पत्र और एक यूनिक कोड प्रदान किया जाएगा। बैंकों के सहयोग से एक मोबाइल एप भी विकसित किया जाएगा, जिसके माध्यम से वेंडर अपनी मासिक फीस स्वयं जमा कर सकेंगे। इस एप में सभी वेंडिंग जोन की जीपीएस लोकेशन दर्ज होगी और निर्धारित स्थान पर पहुंचने के बाद ही फीस जमा करने का विकल्प उपलब्ध होगा। निगम क्षेत्र में 37 वेंडिंग जोन चिन्हित निगम क्षेत्र में कुल 37 वेंडिंग जोन चिन्हित किए गए हैं। इनमें मानेसर सामुदायिक भवन के पास 100, नखड़ौला में 150, भांगरौला में 100, सेक्टर-89 में 20, हरसरू में 30, सेक्टर-83 में 30, नौरंगपुर में 50 और क्रिकेट स्टेडियम के पास 20 तथा कासन में 40 वेंडर्स के लिए स्थान शामिल हैं। क्षमता के अनुसार वेंडर्स को स्थान देंगे एचएसआईआईडीसी क्षेत्र में भी विभिन्न स्थानों पर वेंडिंग जोन बनाए गए हैं। इनमें सेक्टर-1 मार्केट के पीछे 40, आईएमटी चौक पर 50, सेक्टर-2 नाहरपुर कासन में 300, नाहरपुर कासन प्रवेश मार्ग पर 30, आईएमटी सेक्टर-3 में 30, सेक्टर-7 में शंकर की ढाणी के पास 400 सहित अन्य स्थानों पर भी वेंडर्स के लिए जगह निर्धारित की गई है। निगम के अनुसार, इन स्थानों के अलावा चिन्हित अन्य वेंडिंग जोन में भी निर्धारित क्षमता के अनुसार वेंडर्स को स्थान दिया जाएगा।

फरीदाबाद के युवक की गुरुग्राम हादसे में मौत

परिजनों ने कंपनी के गेट पर रखा शव; पुलिस ने कराया शांत

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद। जिले की पर्वतीय कॉलोनी की 60 फीट रोड पर रहने वाले 20 वर्षीय युवक कृष की गुरुग्राम में सड़क हादसे में मौत हो गई। कृष की मौत के बाद बुधवार शाम परिजन उसका शव लेकर उस कंपनी के गेट पर पहुंच गए, जहां वह हेल्पर के तौर पर काम करता था। परिजनों ने शव को कंपनी के गेट के बाहर रखकर नारेबाजी की और कंपनी प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। हंगामे की सूचना मिलने पर संजय कॉलोनी चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों को समझाकर शांत कराया। कंपनी ने माल उतरवाने भेजा था गुरुग्राम जानकारी के अनुसार कृष सुरूरपुर स्थित प्रेसवेल टूल एंड कंपोनेंट कंपनी में हेल्पर के तौर पर काम करता था। मंगलवार को कंपनी की ओर से उसे एक कंटेनर ट्रक में लदे माल को गुरुग्राम के सेक्टर-10 में उतरवाने के लिए ट्रक ड्राइवर के साथ भेजा गया था। अस्पताल में इलाज के दौरान तोड़ा दम मंगलवार को गुरुग्राम सेक्टर-10 में माल उतरवाने के बाद कंटेनर ट्रक वापस आ रहा था। इसी दौरान रास्ते में कंटेनर ट्रक एक बड़े वाहन से टकरा गया। हादसे में ट्रक चालक और ड्राइवर साइड बैठे कृष गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद राहगीरों ने दोनों को किसी तरह वाहन से बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में इलाज के दौरान मंगलवार देर रात दोनों की मौत हो गई। गुरुग्राम पुलिस ने दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया। कंपनी सुपरवाइजर को किया था मना बुधवार शाम कृष का शव फरीदाबाद पहुंचा। इसके बाद परिजन शव को लेकर सीधे कंपनी के गेट पर पहुंच गए और उसे गेट के बाहर रखकर कंपनी प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। कृष के पिता निरंजन ने आरोप लगाया कि मंगलवार को उनके बेटे ने कंपनी के सुपरवाइजर से गुरुग्राम जाने से मना किया था।

फर्रुखनगर तहसील में 3 महीने से इंतकाल अटके

जमीन के रिकॉर्ड नहीं अपडेट, लोगों की बढ़ी परेशानी; प्रदर्शन की चेतावनी

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम । जिले की फर्रुखनगर तहसील में पिछले तीन महीनों से इंतकाल दर्ज नहीं होने के कारण जमीन संबंधी कार्यों में लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जमीन की खरीद-फरोख्त के बाद राजस्व रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराने के लिए लोग लगातार तहसील के चक्कर लगा रहे हैं। इसी समस्या को लेकर राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के गुरुग्राम जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र मांकडोला के नेतृत्व में अधिवक्ताओं, किसानों और आमजन ने तहसीलदार सज्जन सिंह के माध्यम से प्रदेश के राजस्व विभाग के वित्त सचिव को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में लंबित इंतकालों का जल्द निपटारा करने और पोर्टल की तकनीकी खामियों को दूर करने की मांग की गई। जमीन से जुड़े महत्वपूर्ण कार्य अटके धर्मेंद्र मांकडोला ने कहा कि पिछले तीन महीने से लोग इंतकाल दर्ज कराने के लिए परेशान हैं, जिससे जमीन से जुड़े महत्वपूर्ण कार्य अटके हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार और प्रशासन इस समस्या के समाधान के लिए गंभीर नहीं हैं। पटवारियों की दो दिवसीय सांकेतिक हड़ताल उन्होंने कहा कि पटवारियों की दो दिवसीय सांकेतिक हड़ताल और उनकी मांगों का समर्थन करेगी। मांकडोला ने प्रशासन से सभी लंबित इंतकालों का जल्द निपटारा करने की मांग करते हुए चेतावनी दी कि यदि 15 दिन में समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो तहसील परिसर में धरना-प्रदर्शन शुरू किया जाएगा।

गुरुग्राम में शॉर्ट-सर्किट से 2 ट्रकों में लगी आग

एक ड्राइवर ने कूदकर बचाई जान; लाखों को सामान जला

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। में दो अलग-अलग व्यस्त इलाकों में दो ट्रकों में भीषण आग लगने की घटनाएं सामने आई हैं। इन दोनों हादसों ने हाईवे और प्रमुख सड़कों पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ा दी है। राहत की बात यह रही कि दोनों ही घटनाओं में किसी भी तरह की जनहानि नहीं हुई और चालकों ने समय रहते अपनी जान बचा ली। हालांकि, लाखों रुपए का सामान जलकर खाक हो गया। आग लगने की पहली घटना एनएच-48 पर पंचगांव के नजदीक हुई। यहां एक बड़ा कंटेनर ट्रक ई-कॉमर्स कंपनी का कीमती सामान लेकर दिल्ली की ओर जा रहा था। जैसे ही ट्रक पंचगांव के पास पहुंचा, अचानक उसके केबिन और इंजन वाले हिस्से से तेज धुआं निकलने लगा। हाईवे पर रफ्तार भर रहे ट्रक के ड्रआने जैसे ही धुआं और चिंगारियां उठती देखीं, तो तुरंत सूझबूझ दिखाई। ड्राइवर ने बिना देर किए ट्रक को सड़क किनारे रोकने का प्रयास किया और गाड़ी से किसी तरह कूदकर अपनी जान बचाई। ड्राइवर के कूदने के महज कुछ ही सेकंड के भीतर पूरी गाड़ी आग के बड़े गोले में तब्दील हो गई। देखते ही देखते आग ने पूरे कंटेनर को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे ट्रक में रखा लाखों का सामान जल गया। इस हादसे के कारण एनएच-48 पर वाहनों की लाइन लग गई। खड़े ट्रक में लगी अचानक आग वहीं, आग लगने का दूसरा मामला मानेसर इलाके में सामने आया है। यहां सड़क किनारे पार्क किए गए एक ट्रक में अचानक आग लग गई। यह ट्रक माल की लोडिंग के लिए किनारे खड़ा था, तभी उसमें आग लग गई। आग लगते ही आस-पास के लोगों में हड़कंप मच गया। ट्रक का ड्राइवर घटना के समय गाड़ी से बाहर था, जिसके चलते वह पूरी तरह सुरक्षित है। स्थानीय लोगों ने तुरंत इसकी सूचना दमकल विभाग को दी। आग इतनी तेजी से फैली कि दमकल कर्मियों के पहुंचने से पहले ही ट्रक का अगला हिस्सा पूरी तरह जल चुका था।

मोबाइल बचाने बदमाश से भिड़ी युवती ऑटो से गिरकर घायल

युवती के हाथ और जबड़े में चोट आई, बाइक सवार बदमाश मोबाइल लेकर फरार

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद के सराय ख्वाजा इलाके में मोबाइल झपटमारी की कोशिश के दौरान 20 वर्षीय युवती घायल हो गई। मोटरसाइकिल सवार बदमाशों ने ऑटो में बैठी युवती से मोबाइल छीनने का प्रयास किया। युवती ने हिम्मत दिखाते हुए बदमाश का विरोध किया और मोबाइल नहीं छोड़ा। इसी दौरान उसका संतुलन बिगड़ गया और वह चलते ऑटो से नीचे गिर गई। बहन के साथ दिल्ली से लौट रही थी युवती दुर्गा एंक्लेव निवासी योगिता मावडी 16 अगस्त की रात अपनी बहन हेमा के साथ दिल्ली के सरोजनी नगर से खरीदारी कर फरीदाबाद लौट रही थी। दोनों बाईपास बॉर्डर से ऑटो में सवार हुई थीं। दुर्गा माता मंदिर के पास पहुंचते ही बाइक पर सवार दो युवक ऑटो के नजदीक आए। बाइक पर पीछे बैठे युवक ने ऑटो में बैठी योगिता के हाथ से मोबाइल छीनने की कोशिश की। योगिता ने बदमाश का मुकाबला करते हुए फोन पकड़ लिया। इसी दौरान छीना-झपटी में उसका संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क पर गिरकर घायल हो गई। वारदात के बाद दोनों बदमाश मोबाइल लेकर बाइक से फरार हो गए। हाथ और जबड़े में लगी चोट सड़क पर गिरने से योगिता के हाथ और जबड़े में चोट आई। उसकी बहन उसे इलाज के लिए सेक्टर-19 स्थित निजी अस्पताल लेकर पहुंची। प्राथमिक उपचार के बाद परिवार उसे सफदरजंग अस्पताल ले गया वहां जांच के बाद डॉक्टरों ने उसे घर भेज दिया। पुलिस ने दर्ज किया झपटमारी का मामला सराय ख्वाजा पुलिस ने घटना की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने युवती के बयान और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज किया। पुलिस अब आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के जरिए बाइक सवार आरोपियों की पहचान करने में जुटी है।

गुरुग्राम में थार से खतरनाक स्टंट का वीडियो वायरल

3 युवक गिरफ्तार, कार जब्त; हुडा मार्केट पार्किंग में वारदात

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम । शहर के सेक्टर-56 स्थित हुडा मार्केट पार्किंग में महिंद्रा थार कार से खतरनाक स्टंट करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। मामले में गुरुग्राम पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने 19 अगस्त को थाना सेक्टर-56 में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था। पुलिस के अनुसार, वायरल वीडियो में कुछ युवक महिंद्रा थार कार से खतरनाक स्टंट करते हुए दिखाई दे रहे थे। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने आरोपियों की पहचान शुरू की। 20 अगस्त को तीनों आरोपियों को गुरुग्राम से पकड़ा गया। गिरफ्तार आरोपियों की हुई पहचान गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान सक्षम (19), निवासी गांव सरहौल, सेक्टर-17/18 गुरुग्राम; सचिन (21), निवासी गांव संपका, पटौदी; और अंकित शर्मा (21), निवासी गांव लकड़ीताल भुयाडी, जिला ईस्ट सिंहभूम, झारखंड के रूप में हुई है। कार स्टंट का वीडियो वायरल पुलिस पूछताछ में सामने आया कि सक्षम थार कार को लापरवाही से चलाकर स्टंट कर रहा था। सचिन कार पर लटककर स्टंट कर रहा था, जबकि अंकित शर्मा इस पूरी घटना का वीडियो बना रहा था। यह वीडियो बाद में सोशल मीडिया पर वायरल किया गया। इस्तेमाल की गई थार बरामद पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से स्टंट में इस्तेमाल की गई महिंद्रा थार कार भी बरामद कर ली है।

फरीदाबाद में पिता को चाकू मारने वाला बेटा अरेस्ट नौकरी करने के लिए कहा था, बहस और गाली-गलौज की, कोर्ट ने भेजा जेल

फरीदाबाद । ओल्ड फरीदाबाद की भीम बस्ती में नौकरी करने की बात कहने पर अपने पिता को चाकू मारकर घायल करने वाले आरोपी बेटे को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया हैघायल पिता का इलाज दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया जहां से उसको जेल भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार, भीम बस्ती निवासी बालकिशन 16 अगस्त की शाम अपनी पत्नी और दोनों बेटों के साथ घर पर मौजूद थे। इसी दौरान उन्होंने अपने बड़े बेटे विकास उर्फ विक्की से जीवन-यापन के लिए नौकरी या कोई काम करने के लिए कहा। नौकरी करने की बात पर विकास अपने पिता से बहस करने लगा। आरोप है कि कहासुनी बढ़ने पर उसने पिता के साथ गाली-गलौज की। इसके बाद घर में रखा सब्जी काटने वाला चाकू उठाकर पिता पर हमला कर दिया। चाकू लगने से बालकिशन घायल हो गए। परिजनों ने उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से उन्हें दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल रेफर किया गया। पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार पिता की शिकायत पर ओल्ड फरीदाबाद थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी विकास उर्फ विक्की की तलाश शुरू की। पुलिस ने 19 अगस्त को उसे सैनी चौक, ओल्ड फरीदाबाद से गिरफ्तार कर लिया। पहले भी दर्ज हैं चार आपराधिक मामले पुलिस प्रवक्ता यशपाल ने बताया कि पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी विकास का पहले भी आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। उसके खिलाफ फरीदाबाद और पलवल में चार मामले दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

फरीदाबाद में एक्सप्रेस-वे पर पलटा ऑटो, ड्राइवर की मौत

परिजनों ने दोस्तों पर जड़ा हत्या का आरोप, पोस्टमार्टम रिपोर्ट से खुलेगा राज

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद। जिले की पर्वतीय कॉलोनी के 27 वर्षीय ऑटो ड्राइवर जीतू की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने उसके तीन दोस्तों कुलदीप, दीपक और राजन पर हत्या का आरोप लगाया है। सेंट्रल थाना पुलिस ने परिजनों की शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार, 18 अगस्त की रात करीब 9 बजे जीतू अपने दोस्तों कुलदीप, दीपक और राजन के साथ ऑटो में सवार होकर सरूरपुर चौक से सेक्टर-24 स्थित सीएनजी स्टेशन गया था। सीएनजी भरवाने के बाद चारों बीपीटीपी की तरफ घूमने के लिए चले गए। इसी दौरान दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर ऑटो पलट गया, जिसमें चारों को चोटें आईं। हादसे के बाद जीतू ने दीपक और राजन को चाचा चौक स्थित उनके घर छोड़ दिया। इसके बाद जीतू और कुलदीप बल्लभगढ़ की ओर चले गए। परिजनों का आरोप है कि दोनों ने नशे का सेवन किया था। इसके बाद ऑटो दोबारा पलट गया, जिससे दोनों घायल हो गए। कुलदीप घायल जीतू को सोहना रोड स्थित एक निजी अस्पताल लेकर गया। जीतू ने खुद को ठीक बताते हुए घर जाने की बात कही। इसके बाद करीब ढाई बजे कुलदीप उसे घर छोड़कर चला गया। सुबह परिजनों ने जीतू को उसके कमरे में मृत पाया। तीन दोस्तों पर हत्या का आरोप जीतू की मौत की सूचना मिलते ही परिवार में हड़कंप मच गया। परिजनों ने उसके तीन दोस्तों पर मिलकर हत्या करने का आरोप लगाया। हालांकि, मौत की असली वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। मामले की जांच में जुटी पुलिस पुलिस प्रवक्ता यशपाल ने बताया कि परिजनों की शिकायत के आधार पर मामले की जांच की जा रही है।

ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से प्रतिबंधित जहरीला पदार्थ मिलने का आरोप

ई-कॉमर्स कंपनी और विक्रेता फर्म पर केस; गुरुग्राम में नाबालिग ने किया था सुसाइड

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम । में ऑनलाइन शॉपिंग कंपनी मीशो से प्रतिबंधित सल्फास मंगाकर खाने से 12वीं पास छात्र की मौत हो गई। मृतक के मोबाइल से मिले ऑर्डर के आधार पर नाबालिग छात्र की मां ने थाने में शिकायत दी, जिसके बाद बादशाहपुर थाना पुलिस ने घटना के चार महीने बाद मीशो कंपनी और गुजरात के एक विक्रेता के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस को दी शिकायत में गुरुग्राम के गांव टीकली निवासी अनुराधा मेहरा ने बताया कि उनका सबसे बड़ा बेटा यूवी 17 वर्ष 4 महीने का था। उसने 12वीं की परीक्षा दी थी। इसी वर्ष 28 अप्रैल को उसने जहरीला पदार्थ निगल लिया था। इससे उसकी मौत हो गई थी। बेटे की मौत के बाद जब अनुराधा ने यूवी का मोबाइल चेक किया तो पता चला कि उसने 11 अप्रैल को अपने मोबाइल से मीशो ऑनलाइन एप से सल्फास का ऑर्डर किया था। सूरत की कंपनी पर सल्फास भेजने का आरोप शिकायत के अनुसार, यह सल्फास सूरत की परमार पंकज भारत भाई-एवरग्रीन एग्रो एंड गार्डनिंग मॉल के बिल पर भेजा गया था। आरोप है कि कंपनी ने बिना किसी जांच-पड़ताल के प्रतिबंधित सल्फास एक नाबालिग को बेच दिया था। अनुराधा ने कहा कि मीशो और फर्म की लापरवाही और कानून तोड़ने के कारण उनके बेटे को यह जहरीला पदार्थ मिला। उन्होंने कंपनी और विक्रेता के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के साथ सल्फास के बिल की कॉपी भी पुलिस को दी गई है। मीशो और फर्म प्रतिनिधियों से होगी पूछता बादशाहपुर थाना के एसएचओ ने बताया कि 28 अप्रैल को परिजनों की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया गया है। किशोर की मां ने अदालत में अर्जी दी है। अदालत के आदेश पर जांच में बिल और मोबाइल का ब्योरा मिलने पर अब लापरवाही के तहत मामला दर्ज किया गया है। मीशो और फर्म प्रतिनिधियों से पूछताछ की जाएगी।

फरीदाबाद मे पेयजल और सीवर जाम को लेकर प्रदर्शन लोगों ने रोड जाम किया, बोले-बच्चे हो रहे बीमार: स्थायी समाधान की मांग

फरीदाबाद । के सेक्टर-56 स्थित आशियाना फ्लैट्स के निवासियों ने सीवर जाम और गंदे पानी की समस्या को लेकर सड़क पर प्रदर्शन करते हुए जाम लगा दिया। लोगों का आरोप है कि पिछले कई वर्षों से वे सीवर की समस्या से परेशान हैं, लेकिन बार-बार शिकायत करने के बावजूद इसका स्थायी समाधान नहीं किया जा रहा है। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने बताया कि सीवर का गंदा पानी लगातार घरों के बाहर और आसपास की सड़कों पर बह रहा है। इससे इलाके में गंदगी और दुर्गंध का माहौल बना हुआ है। लोगों को आने-जाने में भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि दूषित पानी और गंदगी के कारण बच्चों के स्वास्थ्य पर असर पड़ रहा है। कई बच्चों के लगातार बीमार होने की बात कहते हुए लोगों ने प्रशासन से जल्द समस्या का समाधान कराने की मांग की। निगम अधिकारियों पर अनदेखी का आरोप लोगों ने बताया कि सीवर की समस्या को लेकर वे कई बार नगर निगम कार्यालय के चक्कर लगा चुके हैं। अधिकारियों को शिकायत देने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया। लोगों का आरोप है कि उनकी शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। चुनाव के बाद नेता नहीं लेते सुध प्रदर्शनकारियों ने जनप्रतिनिधियों के प्रति भी नाराजगी जताई। उनका कहना था कि नेता चुनाव के समय वोट मांगने के लिए इलाके में आते हैं, लेकिन चुनाव खत्म होने के बाद लोगों की समस्याओं को भुला दिया जाता है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर खुलवाया जाम सड़क पर प्रदर्शन और जाम की सूचना मिलते ही सेक्टर-58 थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने लोगों को समझाकर सड़क से हटाया। थाना प्रभारी केवल सिंह ने बताया कि लोग सड़क पर एकत्रित हो गए थे। अधिकारियों से समाधान का आश्वासन थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस ने मौके पर पहुंचकर ल्वउ्रा के अधिकारियों को बुलाया। अधिकारियों ने लोगों की सीवर संबंधी समस्या का समाधान कराने का आश्वासन दिया।

सोहना तहसीलदार, नायब तहसीलदार की गाड़ियां कुक

कोर्ट के आदेश की अवहेलना की, शामलात पट्टी जमीन की रजिस्ट्री नहीं की, पीड़ित को सौंपी

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम । जिले में सोहना की अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश की कोर्ट ने शामलात पट्टी की जमीन की रजिस्ट्री से जुड़े एक मामले में जिला सेशन कोर्ट के आदेश की अवहेलना पर सख्त कार्रवाई की है। कोर्ट ने तहसीलदार और नायब तहसीलदार की दोनों सरकारी गाड़ियों को कुर्क कर पीड़ित को सौंप दिया। कोर्ट की इस कार्रवाई के बाद राजस्व विभाग के अधिकारियों में हड़कंप मच गया है। मामला जमीन की रजिस्ट्री से जुड़ा है। पीड़ित महेश कुमार व अन्य का कहना है कि वह वर्ष 2014 से अपनी जमीन की रजिस्ट्री करवाने के लिए सोहना तहसील कार्यालय के चक्कर काट रहा है। लंबे समय से प्रयास करने के बावजूद उसकी करीब साढ़े तीन एकड़ जमीन की रजिस्ट्री नहीं की गई। पीड़ित के अनुसार, कोर्ट के आदेश के बावजूद संबंधित अधिकारियों ने जमीन की रजिस्ट्री करने की कार्रवाई नहीं की। कुछ जमीन की रजिस्ट्री हुई, बाकी हिस्से पर रोक महेश ने बताया कि उसकी करीब साढ़े तीन एकड़ जमीन सोहना के समीप स्थित है और यह शामलात पट्टी की जमीन है। उसके अनुसार, एक समय तत्कालीन तहसीलदार ने इस जमीन के कुछ हिस्से की रजिस्ट्री कर दी थी, लेकिन शेष हिस्से की रजिस्ट्री करने से इनकार कर दिया गया। पीड़ित का कहना है कि जब समान परिस्थितियों में जमीन के एक हिस्से की रजिस्ट्री की जा चुकी थी तो बाकी जमीन की रजिस्ट्री रोकने का कारण उसे समझ नहीं आया। जबकि इस तरह की जमीन की सैकड़ो रजिस्ट्री सोहना तहसील में की गई है वउसके बाद भी की गई है। कार्रवाई न होने पर खटखटाया कोर्ट का दरवाजा इसी मामले को लेकर महेश व अन्य ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। कोर्ट ने संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगा कि जिस समय शामलात पट्टी की जमीन की रजिस्ट्री की गई थी, उस समय ऐसा करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कोई कार्रवाई हुई थी या नहीं। साथ ही कोर्ट ने यह भी जानना चाहा कि यदि जमीन के एक हिस्से की रजिस्ट्री की गई थी तो दूसरे हिस्से को किस आधार पर रजिस्ट्री से वंचित रखा गया। अदालत के आदेश के बाद भी नहीं हुई रजिस्ट्री मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके बावजूद पीड़ित की जमीन की रजिस्ट्री नहीं हो सकी। इसके बाद अदालत ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तहसीलदार और नायब तहसीलदार की सरकारी गाड़ियों को अटैच करने के आदेश दिए। आदेश के तहत दोनों सरकारी वाहनों को पीड़ित महेश कुमार व अन्य को सौंप दिया पोर्टल में प्रावधान नहीं होने का दिया हवाला वहीं, राजस्व विभाग के अधिकारियों का कहना है कि वर्तमान समय में रजिस्ट्री के लिए इस्तेमाल किए जा रहे पोर्टल में इस प्रकार की जमीन की रजिस्ट्री के लिए आवश्यक प्रावधान उपलब्ध नहीं है। अधिकारियों के अनुसार, इसी तकनीकी व्यवस्था के कारण रजिस्ट्री की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पा रही है। उनका यह भी कहना है कि मैनुअल रजिस्टर की व्यवस्था फिलहाल पूरी तरह बंद है, जिसके कारण पोर्टल के माध्यम से ही रजिस्ट्री की प्रक्रिया पूरी करनी होती है। हालांकि, पीड़ित पक्ष का आरोप है कि वर्ष 2014 से लगातार तहसील कार्यालय के चक्कर लगाने के बावजूद उसे अपनी जमीन की रजिस्ट्री नहीं मिल पाई। अब कोर्ट द्वारा दोनों अधिकारियों की सरकारी गाड़ियों को कब्जे में लिए जाने के बाद मामले ने गंभीर रूप ले लिया है।

सरकारी अस्पताल में सांप काटने का झाड़ा

पलवल । हरियाणा के पलवल जिले में सरकारी अस्पताल से हैरान करने वाला वीडियो सामने आया है। इसमें सांप के काटने के बाद एक मरीज को जमीन पर बैठाकर झाड़ा लगाया जा रहा है। सांप काटने के बाद युवती नीम-बेहोशी की हालत में फर्श पर बैठी दिख रही है जबकि सामने एक व्यक्ति नीम के पत्तों से झाड़ा लगा रहा है। बीच-बीच में युवती का हाथ पकड़कर अंगुलियां दबा रहा है और नीम की पत्तियां खाने को दे रहा है। सरकारी अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में झाड़ा लगाने का यह वीडियो सामने आने के बाद हेल्थ विभाग बचाव की मुद्रा में आ गया है। एसएमओ ने कहा- पलवल के सिविल अस्पताल का यह वीडियो 18 अगस्त का है। युवती को अस्पताल से छुट्टी मिल चुकी है। परिजनों के मुताबिक उसकी हालत ठीक है। उनके लिए अपने मरीज को बचाना सबसे जरूरी था, चाहे जैसे भी ठीक हुआ।

उत्तर रेलवे

ई–खुली निविदा सूचना

मंडल अभियंता/सम्पदा, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली द्वारा निम्न कार्यों के लिए खुली निविदा दिनांक **11.09.2026** को **15:00 बजे** तक आमंत्रित की जाती है। जो उसी दिन तत्काल खोली जाएगी।

क्रम सं	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	धरोहर राशि	समापन अवधि
ए	वरिष्ठ मंडल अभियंता/संपदा के कार्य में घनी आबादी वाले क्षेत्रों में अतिक्रमण रोकने के लिए चार दीवारी का निर्माण कार्य हेतु।	रुपये 4,69,73,093.58	रुपये 9,39,500.00	12 महीने

1. निविदा दिनांकः **11.09.2026** को **15:00 बजे** तक जमा की जा सकती है एवं तत्काल खोली जाएगी।

पत्र संख्याः–128–डब्लयू/269/खुली निविदा सूचना/टेंडर नं. 13/26–27/डब्लयू–ई दिनांकः 18.08.2026 2891/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातःकिरण

विचार मंथन

@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, शुक्रवार, 21 अगस्त, 2026

सम्पादकीय

जहाँ बुजुर्ग सम्मानित होते हैं वहीं संस्कार जीवित रहते हैं

सुरेश सिंह बैस शाश्वत

मातृदेवो भवः, पितृदेवो भवः—भारतीय संस्कृति का यह अमर संदेश केवल धार्मिक उपदेश नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन का आधार है। हमारे यहाँ माता-पिता और बुजुर्गों को परिवार का मुखिया, मार्गदर्शक और अनुभव का भंडार माना गया है। उनके चरणों में केवल आयु का सम्मान नहीं, बल्कि जीवन भर के संघर्ष, त्याग, अनुभव और संस्कारों का सम्मान निहित है। यही कारण है कि भारतीय सभ्यता में बुजुर्गों को परिवार की जड़ और समाज की आत्मा कहा गया है। प्रतिवर्ष 21 अगस्त को विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य समाज में वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान, सुरक्षा, स्वास्थ्य, अधिकारों और गरिमामय जीवन के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। यह दिवस हमें यह भी स्मरण कराता है कि जिस समाज में बुजुर्गों का सम्मान होता है, वहीं संस्कार, संवेदनाएँ और मानवीय मूल्य जीवित रहते हैं। भारत की पारिवारिक व्यवस्था सदैव संयुक्त परिवार की परंपरा पर आधारित रही है। दादा-दादी और नाना-नानी केवल परिवार के सदस्य नहीं होते थे, बल्कि वे बच्चों के प्रथम शिक्षक, संस्कारों के संवाहक और अनुभव के जीवंत विद्यालय होते थे। रामायण, महाभारत, उपनिषद और लोककथाओं में भी गुरुजनों और वृद्धजनों के सम्मान को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। बुजुर्गों के अनुभवों ने अनेक पीढ़ियों को दिशा दी है। उन्होंने कठिन परिस्थितियों में परिवारों को संभाला, जीवन-मूल्यों का संरक्षण किया और समाज को स्थिरता प्रदान की। आधुनिक जीवनशैली, शहरीकरण और एकल परिवारों के बढ़ते चलन ने सामाजिक संरचना को बदल दिया है। आज अनेक वरिष्ठ नागरिक अकेलेपन, उपेक्षा और असुरक्षा का सामना कर रहे हैं। जिन हाथों ने बच्चों को चलना सिखाया, वही हाथ आज सहारे की प्रतीक्षा करते दिखाई देते हैं। डिजिटल युग ने पीढ़ियों के बीच संवाद की दूरी भी बढ़ाई है। मोबाइल और इंटरनेट ने लोगों को जोड़ा अवश्य है, पर कई परिवारों में आपसी संवाद कम हुआ है। ऐसे में बुजुर्गों का अकेलापन एक गंभीर सामाजिक चिंता बनकर उभरा है। एक राष्ट्र की वास्तविक शक्ति केवल उसकी युवा आबादी नहीं होती, बल्कि उसके अनुभवी नागरिक भी होते हैं। वरिष्ठ नागरिकों ने अपने जीवन में संघर्ष, सफलता, असफलता और परिवर्तन के अनेक दौर देखे हैं। उनके अनुभव प्रशासन, शिक्षा, साहित्य, कृषि, उद्योग, विज्ञान, पत्रकारिता और सामाजिक जीवन—हर क्षेत्र के लिए अमूल्य हैं। यदि समाज उनके अनुभवों का सम्मानपूर्वक उपयोग करे, तो अनेक समस्याओं का समाधान सहज रूप से मिल सकता है। बढ़ती आयु के साथ स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियाँ स्वाभाविक हैं। नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, संतुलित आहार, योग, व्यायाम और मानसिक सक्रियता वरिष्ठ नागरिकों के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। लेकिन इससे भी अधिक आवश्यक है भावनात्मक सुरक्षा। सम्मान, अपनापन, संवाद और परिवार का साथ ऐसी औषधियाँ हैं, जिन्हें कोई दवा प्रतिस्थापित नहीं कर सकती। भारत में वरिष्ठ नागरिकों के हितों की रक्षा के लिए विभिन्न कानून और योजनाएँ लागू हैं। वृद्धावस्था पेंशन, स्वास्थ्य सेवाएँ, रियायतें और माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 जैसे प्रावधान उनकी गरिमा और सुरक्षा सुनिश्चित करने का प्रयास करते हैं। किंतु कानून तभी प्रभावी बनते हैं जब समाज संवेदनशील हो। आज की युवा पीढ़ी कल की वरिष्ठ पीढ़ी होगी। इसलिए बुजुर्गों के प्रति सम्मान केवल नैतिक कर्तव्य नहीं, बल्कि भविष्य के समाज में निवेश भी है। यदि बच्चे अपने दादा-दादी और माता-पिता के साथ समय बिताएँ, उनकी बातें सुनें और उनके अनुभवों से सीखें, तो परिवारों में संस्कार और संवेदनाएँ दोनों सुदृढ़ होंगी। किसी भी राष्ट्र की पहचान उसकी ऊँची इमारतों से नहीं, बल्कि इस बात से होती है कि वह अपने बुजुर्गों के साथ कैसा व्यवहार करता है। जो समाज अपने वृद्धजनों का सम्मान करता है, वही अपनी संस्कृति, इतिहास और नैतिक मूल्यों को सुरक्षित रख पाता है। आइए, विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस पर यह संकल्प लें कि हम अपने घर के बुजुर्गों को केवल जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सौभाग्य मानेंगे। उनके अनुभवों का सम्मान करेंगे, उनके स्वास्थ्य का ध्यान रखेंगे और उन्हें यह विश्वास दिलाएँगे कि वे आज भी परिवार और समाज के लिए उतने ही महत्वपूर्ण हैं, जितने पहले थे। बुजुर्ग किसी परिवार का अतीत नहीं, बल्कि उसका जीवंत इतिहास होते हैं।

बुजुर्गों की अनदेखी नहीं, सम्मान ही सभ्य समाज की असली पहचान

कांतिलाल मांडोत

बुढ़ापा जीवन का वह पड़ाव है, जहां व्यक्ति को सबसे अधिक सहारे, सम्मान और अपनत्व की आवश्यकता होती है। जिस माता-पिता ने अपने बच्चों को पालने, पढ़ाने और उन्हें जीवन में आगे बढ़ाने के लिए अपना पूरा जीवन लगा दिया, उसी उम्र में यदि उन्हें अपने ही घर में उपेक्षा, अपमान या असुरक्षा का सामना करना पड़े तो यह केवल एक परिवार की समस्या नहीं रह जाती, बल्कि पूरे समाज के सामने एक गंभीर सवाल खड़ा करती है। इसी संवेदनशील मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणी ने देश का ध्यान बुजुर्गों की गरिमा और सुरक्षा की ओर खींचा है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा और भरण-पोषण सुनिश्चित करने के लिए बनाए गए कानून के तहत ट्रिब्यूनल जरूरत पड़ने पर बच्चों को माता-पिता की संपत्ति से बेदखल करने का आदेश दे सकता है। अदालत ने कहा कि बढ़ती उम्र का अर्थ असुरक्षा, उपेक्षा या अपमान नहीं होना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति को जीवनभर गरिमा के साथ जीने का अधिकार है। यह टिप्पणी केवल कानूनी अधिकारों की व्याख्या नहीं है, बल्कि परिवार और समाज के लिए एक महत्वपूर्ण सामाजिक संदेश भी है। बुजुर्ग परिवार की जिम्मेदारी नहीं, अनुभव की विरासत हैं आज के बदलते पारिवारिक ढांचे में बुजुर्गों को कई बार केवल देखभाल की जरूरत रखने वाले व्यक्ति के रूप में देखा जाने लगता है। यह सोच बेहद संकीर्ण है। बुजुर्ग परिवार के अनुभव, परंपराओं, संस्कारों और सामूहिक स्मृतियों के वाहक होते हैं। उन्होंने अपने जीवन के उतार-चढ़ाव से जो अनुभव हासिल किए हैं, वह किसी किताब में आसानी से नहीं मिल सकता। एक समय था जब संयुक्त परिवारों में दादा-दादी और नाना-नानी बच्चों के जीवन का अभिन्न हिस्सा होते थे। घर के निर्णयों में उनकी राय को महत्व दिया जाता था। आज परिवार छोटे हो गए हैं, कामकाज का दबाव बढ़ा है और पीढ़ियों के बीच संवाद कम हुआ है। इसका असर बुजुर्गों पर भी पड़ा है। कई वरिष्ठ नागरिक आर्थिक रूप से सक्षम होने के बावजूद भावनात्मक अकेलेपन का सामना करते हैं और कई ऐसे भी हैं जिन्हें अपने ही घर में सम्मान के लिए संघर्ष करना पड़ता है। सुप्रीम कोर्ट के सामने आया मामला लखनऊ के विकास नगर निवासी रवि कांत गुप्ता की अपील से जुड़ा था। गुप्ता ने अपने बेटे को मकान से बाहर करने के लिए जिला मजिस्ट्रेट के समक्ष आवेदन किया था। यह मकान उनकी स्वयं की खरीदी हुई संपत्ति थी। मामले की संवेदनशीलता इस तथ्य से भी सामने आती है कि उनकी 81 वर्षीय मां को घर छोड़कर वृद्धाश्रम में रहने के लिए मजबूर होना पड़ा। एसडीएम ने नवंबर 2022 में बेटे की बेदखली का आदेश दिया था। इसके बाद जिला मजिस्ट्रेट ने भी उस आदेश को बरकरार रखते हुए बेटे और बहू को मकान खाली करने का निर्देश दिया। हालांकि, बेटे और बहू ने इन आदेशों को इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी। हाईकोर्ट ने बेदखली का आदेश रद्द करते हुए माना था कि 2007 का कानून बुजुर्गों को अपनी संपत्ति से बच्चों को बेदखल करने का अधिकार नहीं देता सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के इस दृष्टिकोण को स्वीकार नहीं किया और स्पष्ट किया कि बुजुर्गों की सुरक्षा और भरण-पोषण के लिए आवश्यक होने पर ट्रिब्यूनल बेदखली का आदेश दे सकता है। अदालत ने कानून के उद्देश्य को व्यापक रूप से देखते हुए कहा कि वरिष्ठ नागरिकों की गरिमा और सुरक्षा सुनिश्चित करना इस कानून की मूल भावना है। माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 का उद्देश्य केवल बुजुर्गों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना नहीं है। इसका व्यापक उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों को सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन प्रदान करना है। कानून के तहत माता-पिता और वरिष्ठ नागरिक अपने भरण-पोषण के लिए संतान से सहायता मांग सकते हैं।

पेपर लीक से पटना राजभवन तक, छात्रों के गुस्से में छिपी राजनीति का सच

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनता दल ने पटना में जेपी गोलंबर से राजभवन तक मार्च निकाला। करीब पांच किलोमीटर के इस मार्च में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक शामिल हुए। रास्ते में बैरिकेडिंग तोड़ने की कोशिश हुई, पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया और बाद में तेजस्वी यादव तथा मीसा भारती को हिरासत में लिया गया। करीब एक घंटे बाद तेजस्वी को छोड़ दिया गया। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की तथा कुछ कार्यकर्ताओं द्वारा पुलिस की ओर पानी की बोतलें फेंके जाने की घटनाएं भी सामने आईं। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम को केवल एक राजनीतिक मार्च के रूप में देखना अधूरा होगा। इसके पीछे बिहार के छात्रों का असंतोष, प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता पर उठते सवाल, रोजगार की चिंता और उससे कहीं बड़ी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा छिपी हुई है। असली सवाल यही है कि आखिर पेपर लीक और परीक्षा में कथित अनियमितताओं का मुद्दा हर राजनीतिक दल इतनी ताकत से क्यों उठा रहा है? क्या यह केवल छात्रों के भविष्य की चिंता है या इसके पीछे चुनावी राजनीति का भी बड़ा गणित काम कर रहा है?

कांतिलाल मांडोत
लेखक

बिहार की राजनीति में छात्रों, परीक्षा और रोजगार का मुद्दा एक बार फिर सड़क पर है। बुधवार को नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनता दल ने पटना में जेपी गोलंबर से राजभवन तक मार्च निकाला। करीब पांच किलोमीटर के इस मार्च में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक शामिल हुए। रास्ते में बैरिकेडिंग तोड़ने की कोशिश हुई, पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया और बाद में तेजस्वी यादव तथा मीसा भारती को हिरासत में लिया गया। करीब एक घंटे बाद तेजस्वी को छोड़ दिया गया। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की तथा कुछ कार्यकर्ताओं द्वारा पुलिस की ओर पानी की बोतलें फेंके जाने की घटनाएं भी सामने आईं। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम को केवल एक राजनीतिक मार्च के रूप में देखना अधूरा होगा। इसके पीछे बिहार के छात्रों का असंतोष, प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता पर उठते सवाल, रोजगार की चिंता और उससे कहीं बड़ी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा छिपी हुई है। असली सवाल यही है कि आखिर पेपर लीक और परीक्षा में कथित अनियमितताओं का मुद्दा हर राजनीतिक दल इतनी ताकत से क्यों उठा रहा है? क्या यह केवल छात्रों के भविष्य की चिंता है या इसके पीछे चुनावी राजनीति का भी बड़ा गणित काम कर रहा है? सीवान में छात्र प्रदर्शन के दौरान पुलिस की ओर से एके-47 से फायरिंग का मामला इस बहस को और गंभीर बना चुका है। उपलब्ध घटनाक्रम के अनुसार 25 जुलाई को प्रदर्शन के दौरान एक पुलिसकर्मी ने एके-47 से गोलियां चलाईं। एक अन्य जवान के सर्विस रिवॉल्वर से फायरिंग करने की बात भी सामने आई। इसके बाद मामला राजनीतिक विवाद का विषय बन गया। राजद सांसद मनोज झा ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की। संबंधित पुलिसकर्मी को निलंबित किया गया और बाद में प्रशासनिक स्तर पर भी बदलाव हुए। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामे में एके-47 से चार राउंड हवाई फायरिंग होने की बात स्वीकार की, लेकिन यह भी कहा कि छात्रों को एके-47 की गोली नहीं लगी। यहीं से मामले का सबसे बड़ा सस्पेंस सामने आता है। एक तरफ पुलिस फायरिंग की घटना स्वीकार की जाती है, दूसरी तरफ सरकार का कहना है कि छात्रों को गोली नहीं लगी। राजनीतिक दल इसे छात्रों पर गोली चलाने की घटना के रूप में पेश कर रहे हैं, जबकि सरकार फायरिंग को अलग संदर्भ में रख रही है। इसी अंतर ने मामले को केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं रहने दिया, बल्कि इसे सरकार और विपक्ष के बीच राजनीतिक संघर्ष का मुद्दा बना दिया है। तेजस्वी यादव का राजभवन मार्च इसी राजनीतिक माहौल का विस्तार है। उन्होंने छात्रों के समर्थन में संघर्ष जारी रखने और युवाओं को रोजगार मिलने तक सरकार के खिलाफ आवाज उठाने की बात कही। उनका यह कहना कि वे जेल से डरने वाले नहीं हैं और सत्ता में आया व्यक्ति एक दिन सत्ता से बाहर जाता है, बताता है कि आंदोलन को राजद केवल छात्र मुद्दे तक सीमित नहीं रखना चाहता। पार्टी इसे सरकार की कार्यशैली, रोजगार और शिक्षा व्यवस्था के खिलाफ व्यापक राजनीतिक अभियान में बदलना चाहती है। दूसरी ओर, सत्ता पक्ष के लिए यह मुद्दा कम चुनौतीपूर्ण नहीं है। बिहार में युवाओं की बड़ी आबादी प्रतियोगी परीक्षाओं और सरकारी नौकरियों पर निर्भर रहती है। परीक्षा की तारीखों में बदलाव, कथित पेपर लीक, नकल, भर्ती प्रक्रिया में देरी या परीक्षा की निष्पक्षता पर सवाल सीधे युवा मतदाता की चिंता से जुड़ते हैं। इसलिए किसी भी राजनीतिक दल के लिए इस वर्ग की नाराजगी को नजरअंदाज करना आसान नहीं है। यही वह जगह है जहां पेपर लीक का मुद्दा राजनीतिक रूप से बेहद ताकतवर बन जाता है। छात्र जब परीक्षा में बैठता है तो उसके सामने केवल एक प्रश्नपत्र नहीं होता, बल्कि वर्षों की मेहनत, परिवार की उम्मीद और नौकरी पाने का सपना होता है। यदि उसे लगता है कि परीक्षा की व्यवस्था निष्पक्ष नहीं है, तो उसकी नाराजगी स्वाभाविक रूप से सरकार की ओर जाती है। विपक्ष इसी नाराजगी को राजनीतिक आवाज देता है। लेकिन कहानी का दूसरा पहलू भी उतना ही महत्वपूर्ण है। विपक्ष के लिए पेपर लीक और रोजगार का मुद्दा सरकार को घेरने का सबसे प्रभावी हथियार है, क्योंकि इसमें जाति, क्षेत्र या पार्टी की विचारधारा से ज्यादा युवा का भविष्य केंद्र में दिखाई देता है। सरकार के लिए यही मुद्दा सबसे संवेदनशील इसलिए है क्योंकि प्रशासनिक व्यवस्था की किसी भी कमी का राजनीतिक नुकसान सीधे युवाओं के बीच हो सकता है। यही कारण है कि पेपर लीक का मुद्दा एक परीक्षा केंद्र से निकलकर विधानसभा, संसद, सड़क और अब राजभवन तक पहुंच जाता है। इस राजनीति में छात्रों की वास्तविक परेशानी और राजनीतिक दलों का हित एक-दूसरे से अलग नहीं हैं। छात्र न्याय और पारदर्शिता चाहते हैं, जबकि राजनीतिक दल उसी मांग को अपने पक्ष में जनसमर्थन जुटाने के लिए इस्तेमाल करते हैं। समस्या तब पैदा होती है जब राजनीतिक बयानबाजी असली समाधान से बड़ी हो जाती है। यदि किसी परीक्षा में गड़बड़ी हुई है तो उसकी निष्पक्ष जांच, दोषियों की पहचान, समयबद्ध कार्रवाई और प्रभावित अभ्यर्थियों के भविष्य की स्पष्ट व्यवस्था होनी चाहिए। केवल आरोप-प्रत्यारोप से छात्रों की समस्या हल नहीं होगी। पटना के मार्च ने यह भी दिखाया कि राजनीतिक प्रदर्शन का असर आम जनता पर पड़ता है। मार्च के कारण शहर के कई प्रमुख रास्तों पर यातायात बाधित हुआ और जाम में एंबुलेंस के फंसने की तस्वीरें सामने आईं। लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन अधिकार है, लेकिन उस अधिकार के साथ सार्वजनिक व्यवस्था की जिम्मेदारी भी जुड़ी होती है। सरकार को भी यह सुनिश्चित करना चाहिए कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन के अधिकार का सम्मान हो और पुलिस कार्रवाई आवश्यकता से अधिक कठोर न हो। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे महत्वपूर्ण सवाल किसी एक पार्टी की जीत या हार का नहीं है।

नैतिक चेतना का होता क्षरण

लेकिन इन सबसे ऊपर कुछ ऐसा है, जिसके बिना बड़ी से बड़ी उपलब्धि भी अधूरी रह जाती है, वह है निर्मल नीयत, कठोर इच्छाशक्ति और जीवित नैतिक चेतना। मनुष्य की वास्तविक पहचान उसके पास मौजूद धन-संपत्ति से नहीं होती है, बल्कि इस बात से होती है कि अवसर मिलने पर उसने उसका उपयोग कैसे किया। अधिकार मिलने पर उसका व्यवहार कैसा रहा, शक्ति मिलने पर उसने कमजोरों के साथ कैसा व्यवहार किया और कठिन परिस्थितियों में उसने सही और गलत के बीच कौन-सा रास्ता चुना। जीवन में परिस्थितियां हमेशा अनुकूल नहीं होती है। कई बार ईमानदारी कठिन लगती है, सत्य बोलना नुकसानदेह दिखाई देता है और गलत रास्ता तत्काल लाभ का रास्ता नजर आता है। ऐसे समय में व्यक्ति को बाहरी दुनिया नहीं, बल्कि उसकी अंतरात्मा दिशा देती है। यही अंतरात्मा जब जागरूक और सक्रिय रहती है तो नैतिक चेतना का निर्माण करती है। आज की दुनिया में सफलता को अक्सर उसके परिणामों से मापा जाता है। कितना पैसा कमाया, कितनी बड़ी नौकरी मिली, कितनी संपति बनाई, कितनी प्रतिष्ठा हासिल की, इन सवालों ने सफलता की परिभाषा को सीमित कर दिया है। लेकिन असली प्रश्न यह होना चाहिए कि इन उपलब्धियों तक पहुंचने के लिए हमने क्या खोया और क्या बचाए रखा?

जितेन्द्र कुमार सिन्हा
(लेखक)

जीवन में सफलता, पद, प्रतिष्ठा और पैसा निश्चित रूप से महत्वपूर्ण हैं। ये जीवन को सुविधाजनक बनाते हैं, सामाजिक पहचान देते हैं और व्यक्ति के सपनों को पूरा करने में सहायक होते हैं। लेकिन इन सबसे ऊपर कुछ ऐसा है, जिसके बिना बड़ी से बड़ी उपलब्धि भी अधूरी रह जाती है, वह है निर्मल नीयत, कठोर इच्छाशक्ति और जीवित नैतिक चेतना। मनुष्य की वास्तविक पहचान उसके पास मौजूद धन-संपत्ति से नहीं होती है, बल्कि इस बात से होती है कि अवसर मिलने पर उसने उसका उपयोग कैसे किया। अधिकार मिलने पर उसका व्यवहार कैसा रहा, शक्ति मिलने पर उसने कमजोरों के साथ कैसा व्यवहार किया और कठिन परिस्थितियों में उसने सही और गलत के बीच कौन-सा रास्ता चुना। जीवन में परिस्थितियां हमेशा अनुकूल नहीं होती है। कई बार ईमानदारी कठिन लगती है, सत्य बोलना नुकसानदेह दिखाई देता है और गलत रास्ता तत्काल लाभ का रास्ता नजर आता है। ऐसे समय में व्यक्ति को बाहरी दुनिया नहीं, बल्कि उसकी अंतरात्मा दिशा देती है। यही अंतरात्मा जब जागरूक और सक्रिय रहती है तो नैतिक चेतना का निर्माण करती है। आज की दुनिया में सफलता को अक्सर उसके परिणामों से मापा जाता है। कितना पैसा कमाया, कितनी बड़ी नौकरी मिली, कितनी संपत्ति बनाई, कितनी प्रतिष्ठा हासिल की, इन सवालों ने सफलता की परिभाषा को सीमित कर दिया है। लेकिन असली प्रश्न यह होना चाहिए कि इन उपलब्धियों तक पहुंचने के लिए हमने क्या खोया और क्या बचाए रखा? यदि किसी व्यक्ति ने अपार धन अर्जित किया, लेकिन उसके लिए उसे अपने सिद्धांत बेचने पड़े, संबंधों को कुचलना पड़ा, दूसरों का अधिकार छीनना पड़ा और अपनी अंतरात्मा को दबाना पड़ा, तो उसकी सफलता बाहर से भले ही चमकदार दिखाई दे, भीतर से वह खोखली है। इसके विपरीत कोई व्यक्ति सीमित साधनों में रहते हुए भी ईमानदारी, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ जीवन जीता है तो उसकी उपलब्धियां भले ही कम दिखाई दें, लेकिन उसका जीवन अधिक सार्थक होता है। वास्तविक विजय केवल मंजिल हासिल करना नहीं है, बल्कि मंजिल तक पहुंचते हुए अपने चरित्र को सुरक्षित रखना है। पद व्यक्ति को अधिकार देता है, लेकिन चरित्र उसे सम्मान दिलाता है। पैसा सुविधाएं खरीद सकता है, लेकिन विश्वास नहीं। सत्ता आदेश मनवा सकती है, लेकिन आत्मीयता पैदा नहीं कर सकती। किसी व्यक्ति के पास कितना है, इससे ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि वह कैसा है। चरित्र का निर्माण किसी एक दिन में नहीं होता है। यह छोटे-छोटे निर्णयों से बनता है। कोई देख नहीं रहा हो, तब भी सही काम करना, अपने लाभ के लिए किसी दूसरे के अधिकार का हनन न करना, गलती होने पर उसे स्वीकार करना, कमजोर व्यक्ति के साथ भी सम्मानजनक व्यवहार करना और कठिन परिस्थितियों में भी सिद्धांतों से समझौता न करना, यही चरित्र की वास्तविक परीक्षा है। व्यक्ति के शब्द उसके व्यक्तित्व का परिचय दे सकते हैं, लेकिन उसके कर्म उसकी वास्तविक पहचान बताते हैं। इसलिए जीवन में शब्दों से अधिक कर्मों की सच्चाई महत्वपूर्ण है। दुनिया में कानून हैं, अदालतें हैं, संस्थाएं हैं और सामाजिक नियम हैं। ये सभी मनुष्य के व्यवहार को नियंत्रित करने की कोशिश करते हैं। लेकिन इनके बाहर भी एक ऐसी अदालत है, जहां व्यक्ति स्वयं अपना न्यायाधीश होता है। यह अदालत है ह्लअंतरात्मा की अदालतह्व। कई बार व्यक्ति कानून से बच जाता है, समाज की नजरों से भी बच जाता है, लेकिन अपनी अंतरात्मा से नहीं बच पाता है। रात की शांति में जब वह अपने निर्णयों के बारे में सोचता है, तब उसके भीतर से उठने वाली आवाज ही बताती है कि उसने सही किया या गलत। यही आवाज नैतिक चेतना की आधारशिला है। यदि व्यक्ति लगातार इस आवाज को दबाता रहे तो धीरे-धीरे उसकी संवेदनशीलता कम होने लगती है। गलत काम सामान्य लगने लगता है और सही काम कठिन। यही नैतिक पतन की शुरूआत है। नैतिक चेतना का क्षरण अचानक नहीं होता है। इसकी शुरूआत अक्सर छोटे समझौतों से होती है। पहले व्यक्ति छोटी गलती को यह कहकर नजरअंदाज करता है कि इससे किसी का क्या नुकसान होगा। फिर वही गलती बड़ी होती है। धीरे-धीरे व्यक्ति गलत काम के लिए तर्क खोजने लगता है। अंततः वह गलत को गलत मानना ही बंद कर देता है। यहीं सबसे बड़ा खतरा पैदा होता है। जब मनुष्य अपने गलत निर्णयों को सही ठहराने के लिए तर्कों का सहारा लेने लगे, तब समस्या केवल उसके व्यवहार में नहीं रहती है, बल्कि उसकी सोच में प्रवेश कर जाती है। नैतिक पतन की सबसे भयावह स्थिति वह है जब अंतरात्मा गलत को देखकर भी मौन हो जाए। आज विज्ञान और तकनीक ने मानव जीवन को अभूतपूर्व सुविधाएं दी हैं। संचार की गति बढ़ी है, सूचनाएं हमारी मुट्ठी में हैं और दुनिया पहले की तुलना में कहीं अधिक जुड़ी हुई है। लेकिन इसी दौर में एक सवाल लगातार बड़ा होता जा रहा है कि क्या हमारी तकनीकी प्रगति के साथ हमारी नैतिक प्रगति भी हुई है? कई क्षेत्रों में इसका उत्तर संतोषजनक नहीं दिखाई देता है। भ्रष्टाचार, धोखाधड़ी, हिंसा, स्वार्थ, झूठ, सामाजिक असहिष्णुता, पर्यावरण की उपेक्षा, डिजिटल माध्यमों का दुरुपयोग और सार्वजनिक जीवन में जिम्मेदारी की कमी जैसी समस्याएं केवल कानून की कमजोरी का परिणाम नहीं हैं। इनके पीछे नैतिक चेतना का कमजोर होना भी एक बड़ा कारण है। जब व्यक्ति केवल यह सोचता है कि मुझे क्या मिलेगा, तब समाज पीछे छूट जाता है।

स्कूलों में छात्राओं से छेड़खानी

डॉ. प्रियंका सौरभ

स्कूल केवल पढ़ाई की जगह नहीं होते। वे बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण, संस्कार, अनुशासन और सुरक्षित भविष्य की नींव रखते हैं। माता-पिता जब अपने बच्चों को विद्यालय भेजते हैं तो उनके मन में यह विश्वास होता है कि शिक्षक उनके बच्चे को ज्ञान देने के साथ-साथ उसकी सुरक्षा और गरिमा का भी ध्यान रखेंगे। लेकिन जब इसी भरोसे की आड़ में किसी शिक्षक द्वारा छात्रा के साथ छेड़खानी, अनुचित व्यवहार या यौन उत्पीड़न की घटना सामने आती है, तो चोट केवल एक बच्ची को नहीं लगती; पूरा शैक्षणिक तंत्र कटघरे में खड़ा हो जाता है। विद्यालयों में छात्राओं के साथ शिक्षकों द्वारा अनुचित व्यवहार की खबरें समय-समय पर सामने आती रही हैं। हर घटना की प्रकृति और तथ्य अलग हो सकते हैं, इसलिए किसी व्यक्ति को केवल आरोप के आधार पर दोषी ठहराना उचित नहीं है। लेकिन शिकायत सामने आने के बाद उसे दबा देना, बच्ची को चुप कराने की कोशिश करना या संस्थान की प्रतिष्ठा बचाने के लिए मामले को टालना उससे भी अधिक गंभीर समस्या है। किसी भी विद्यालय की प्रतिष्ठा बच्चों की सुरक्षा से बड़ी नहीं हो सकती। शिक्षक और विद्यार्थी का रिश्ता मूलतः विश्वास पर आधारित होता है। एक शिक्षक के पास ज्ञान के साथ-साथ अधिकार भी होता है। छात्र शिक्षक की बात को स्वाभाविक रूप से महत्व देता है और कई बार उसे अपने माता-पिता के बाद सबसे विश्वसनीय वयस्क मानता है। यही कारण है कि यदि कोई शिक्षक इस विश्वास और अधिकार का दुरुपयोग करता है तो बच्ची के लिए विरोध करना आसान नहीं होता। किशोरावस्था में बच्चे कई बार यह समझ ही नहीं पाते कि किसी वयस्क का व्यवहार सामान्य है या अनुचित। डर, शर्म, सामाजिक दबाव, परीक्षा और भविष्य को लेकर चिंता तथा यह भय कि उनकी बात पर विश्वास किया जाएगा या नहीं—उन्हें शिकायत करने से रोक सकते हैं। इसलिए केवल यह पूछना कि ह्लबच्ची ने पहले शिकायत क्यों नहीं की?ह्व पर्याप्त नहीं है। असली सवाल यह होना चाहिए कि क्या विद्यालय ने ऐसा सुरक्षित वातावरण बनाया है जिसमें बच्ची बिना डर अपनी बात कह सके? ऐसे मामलों में सबसे खतरनाक तत्व अक्सर चुप्पी होती है। कई परिवार सामाजिक बदनामी के डर से शिकायत नहीं करना चाहते। कुछ लोग यह सोचकर मामले को दबा देते हैं कि बच्ची की पढ़ाई प्रभावित होगी। विद्यालय प्रशासन भी कभी-कभी संस्थान की छवि खराब होने की चिंता में शिकायत को आंतरिक स्तर पर समाप्त करने की कोशिश कर सकता है। लेकिन ऐसी चुप्पी गलत व्यवहार को बढ़ावा दे सकती है। यदि किसी बच्ची की शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया जाता तो उसे यह संदेश मिल सकता है कि उसकी सुरक्षा से अधिक महत्वपूर्ण संस्थान की प्रतिष्ठा है। यह संदेश किसी भी सभ्य समाज के लिए बेहद चिंताजनक है। इसलिए अभिभावकों, शिक्षकों और विद्यालय प्रबंधन को यह समझना होगा कि शिकायत करना बदनामी नहीं, बल्कि सुरक्षा की दिशा में उठाया गया कदम है। आरोप की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोष सिद्ध होने पर कानून तथा संस्थागत नियमों के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। विद्यालय प्रशासन की भूमिका केवल घटना होने के बाद कार्रवाई करने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। सुरक्षा की व्यवस्था पहले से मजबूत होनी चाहिए। शिक्षकों और कर्मचारियों की नियुक्ति के दौरान उचित सत्यापन, स्पष्ट आचार-संहिता, विद्यार्थियों के साथ व्यवहार के नियम तथा शिकायत की सुरक्षित व्यवस्था आवश्यक है। विद्यालयों में बच्चों को यह बताया जाना चाहिए कि अच्छा और अनुचित स्पर्श क्या होता है, असहज व्यवहार की पहचान कैसे करें और किसी विश्वसनीय वयस्क को इसकी जानकारी कैसे दें। यह शिक्षा केवल छात्राओं के लिए नहीं, बल्कि सभी बच्चों के लिए होनी चाहिए। उन्हें यह भी समझाया जाना चाहिए कि किसी भी अनुचित व्यवहार के लिए वे स्वयं जिम्मेदार नहीं हैं। स्कूलों में ऐसी शिकायत व्यवस्था होनी चाहिए जहां बच्चा बिना भय के अपनी बात रख सके। महिला शिक्षक, प्रशिक्षित काउंसलर या अन्य विश्वसनीय वयस्क की उपलब्धता इस दिशा में महत्वपूर्ण हो सकती है।भारत में बच्चों को यौन अपराधों से संरक्षण देने के लिए ढडउरड अू३, 2012 मौजूद है। 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों के साथ यौन अपराधों के मामलों में यह कानून महत्वपूर्ण सुरक्षा प्रदान करता है। विद्यालयों और उनके कर्मचारियों को इस कानून की मूलभूत जानकारी होना आवश्यक है।

संक्षिप्त खबरें

यूपी में संस्थागत प्रसव बढ़ने से मातृ मृत्युदर में आई गिरावट

लखनऊ। प्रसव के दौरान मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य को सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश में शुरू की गई जननी सुरक्षा योजना (जेएसवाई) लगातार असरदार साबित हो रही है। वर्तमान वित्तीय वर्ष में एक अप्रैल से 16 अगस्त तक सात लाख से अधिक संस्थागत प्रसव इसका उदाहरण हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश से लेकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश तक कई जिलों में योजना के बेहतर क्रियान्वयन का असर दिखाई दे रहा है। सरकार के इन प्रयासों से मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) को कम करने में सफलता मिल रही है। जननी सुरक्षा योजना के तहत गर्भवती महिलाओं को दी जाती है आर्थिक सहायता सचिव स्वास्थ्य एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन निदेशक डॉ. पिंकी जोवल ने बताया कि योगी सरकार की ओर से सुरक्षित प्रसव पर जननी सुरक्षा योजना के तहत सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में गर्भवती महिलाओं को प्रसव पर आर्थिक सहायता (ग्रामीण क्षेत्र में 1,400 रुपये और शहरी क्षेत्र में 1,000 रुपये) दी जाती है। इसका उद्देश्य गर्भवती महिलाओं को घर पर प्रसव के बजाय अस्पताल या स्वास्थ्य केंद्र में प्रसव कराने के लिए प्रोत्साहित करना है। योजना से मिलने वाली धनराशि प्रसव से जुड़े खर्चों में मदद करती है और महिलाओं को सुरक्षित प्रसव सेवाओं तक पहुंचने के लिए प्रेरित करती है। प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में योजना के बेहतर प्रदर्शन से स्पष्ट है कि संस्थागत प्रसव को लेकर जागरूकता बढ़ रही है।

औरैया : तालाब में डूबने से युवक की मौत, परिवार में मचा कोहराम

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में बिधूना कोतवाली क्षेत्र के गांव बंथरा में गुरुवार सुबह एक बेहद दुखद घटना सामने आई। गांव निवासी 35 वर्षीय महावीर पुत्र बलवान बंथरा की तालाब के गहरे पानी में डूबने से मौत हो गई। इस हादसे के बाद मृतक के परिवार में कोहराम मच गया है। बीते दिवस एक युवक की फांसी पर लटक कर हुई मौत को लोग भुला भी नहीं पाये थे कि गुरुवार को एक युवक की तालाब डूबकर हुई मौत ने लोगों गमजदा कर दिया। महावीर के पेट में दर्द की समस्या रहती थी। गुरुवार सुबह करीब 8 बजे महावीर खेतों की ओर जाने के लिए निकला था। तालाब के पास से गुजरते समय अचानक उसका पैर फिसल गया, जिससे वह अनियंत्रित होकर तालाब के गहरे पानी में जा गिरा और डूब गया। आनन फानन में लोगों ने पुलिस को सूचना दी और पुलिस फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंच कर ग्रामीणों की मदद से महावीर को तालाब के पानी से निकाल कर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने देखते ही उसे महावीर की असमय मौत से उसके परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। मृतक अपने पीछे पत्नी रुबी, चार बेटियां–वर्षा (10 वर्ष), प्रांशी (9 वर्ष), राधा (7 वर्ष), वैन्सी (1 माह) और 2 साल के मासूम बेटे आशीष को छोड़ गया है। एक माह की मासूम बच्ची और छोटे-छोटे बच्चों के सिर से पिता का साया उठ जाने से पूरे गांव में शोक की लहर है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विनेश कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। परिजनों की तरफ से मिलने वाली तहरीर के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। उपजिलाधिकारी कमल कुमार सिंह ने कहा कि मृतक के परिवार को शासनादेश के अनुसार आर्थिक सहायता दिलाई जायेगी।

देवरिया : जिलाधिकारी ने चार अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया

देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले में आईजीआरएस प्रकरणों के निस्तारण में लापरवाही और त्रुटिपूर्ण रिपोर्ट पाए जाने पर जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने चार अधिकारियों को गुरुवार को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से स्पष्टीकरण तलब किया है। जिलाधिकारी के निर्देश पर आईजीआरएस के माध्यम से प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा की गई। जांच में भूमिगत नाली निर्माण से संबंधित प्रकरण में सहायक विकास अधिकारी (पंचायत), बरहज के स्तर पर लापरवाही पाई गई। इसी तरह प्रधानमंत्री आवास योजना से जुड़े प्रकरण में खंड विकास अधिकारी, भटनी से स्पष्टीकरण मांगा गया है। ग्राम पंचायत में साफ-सफाई से संबंधित दो प्रकरणों के त्रुटिपूर्ण निस्तारण पर सहायक विकास अधिकारी (पंचायत), भटनी को नोटिस जारी किया गया है। वहीं नाली निर्माण की मांग से संबंधित प्रकरण में सहायक विकास अधिकारी (पंचायत), भागलपुर से भी स्पष्टीकरण तलब किया गया है। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि आईजीआरएस से प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। संबंधित अधिकारी शिकायतकर्ता की समस्या का वास्तविक समाधान कराते हुए स्पष्ट और संतोषजनक रिपोर्ट प्रस्तुत करें। जिलाधिकारी ने चेतावनी दी कि यदि नोटिस का संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं मिला तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

आईटीआई को उद्योगों से जोड़कर युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाएं : मुख्यमंत्री योगी

-मुख्यमंत्री के निर्देश, गोरखपुर, मुजफ्फरनगर और बरेली में सीआईआईआईटी केंद्रों का संचालन शीघ्र शुरू करें

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग की कार्ययोजना की समीक्षा करते हुए कहा कि आईटीआई को अधिक से अधिक उद्योगों से जोड़ा जाए। उद्योगों की आवश्यकता के अनुसार पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण विकसित करने के साथ ही अप्रेंटिसशिप तथा ऑन-जॉब प्रशिक्षण को बढ़ावा दिया जाए, ताकि प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि कौशल विकास को रोजगार के साथ वैश्विक अवसरों से भी जोड़ा जाए। आईटीआई और उद्योगों के बीच निरंतर संवाद की व्यवस्था होनी चाहिए और प्रत्येक मंडल मुख्यालय पर नियमित रोजगार मेलों का आयोजन किया जाए। मुख्यमंत्री ने सेंटर फॉर इनोवेशन, इन्वेंशन, इन्क्यूबेशन एंड ट्रेनिंग (सीआईआईआईटी) केंद्रों की प्रगति की समीक्षा करते हुए गोरखपुर, मुजफ्फरनगर और बरेली केंद्रों का संचालन शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन केंद्रों को आधुनिक तकनीक और उद्योग आधारित प्रशिक्षण के उत्कृष्ट केंद्र के रूप में विकसित किया जाए। बैठक में बताया गया कि टाटा टेक्नोलॉजीज के सहयोग से 150 राजकीय आईटीआई के उन्नयन का कार्य किया जा रहा है, जबकि 62 अन्य आईटीआई के उन्नयन की प्रक्रिया भी आगे बढ़ रही है। उद्योगों के सहयोग से 37 राजकीय आईटीआई में एडवांस स्किल लैब स्थापित की गई हैं। मुख्यमंत्री ने अनुदेशकों की उपलब्धता को प्रशिक्षण की गुणवत्ता के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए चयन प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चयनित अनुदेशकों को नियमित नियुक्ति की प्रक्रिया में उनके अनुभव और योग्यता के आधार पर वेटेज देने का प्रावधान किया जाए। बैठक में बताया गया कि 2,406 अनुदेशक पदों पर चयन किया गया है और 2,200 से अधिक चयनित अनुदेशक कार्यभार ग्रहण कर चुके हैं। बैठक में बताया गया कि प्रशिक्षणार्थियों के लिए कार्यस्थल पर हिंदी की आधिकारिक शब्दावली और प्रयोग से संबंधित प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है तथा प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी के लिए अंग्रेजी भाषा का प्रशिक्षण अनिवार्य किया गया है। जापान और जर्मनी जैसे देशों में कुशल जनशक्ति की मांग को देखते हुए विदेशी भाषाओं का डिजिटल प्रशिक्षण शुरू करने के लिए कंपनियों के चयन की प्रक्रिया चल रही है। मुख्यमंत्री ने जीरो पॉवर्टी अभियान से जुड़े परिवारों के बच्चों और युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देकर रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि ऐसे परिवारों के 14 से 35 वर्ष आयु वर्ग के 9.52 लाख युवाओं का सत्यापन पूरा हो चुका है, जिनमें 1.44 लाख पात्र चिन्हित हुए हैं। इनमें 8,746 युवाओं का प्रशिक्षण के लिए पंजीकरण हो चुका है। बैठक में बताया गया कि पिछले पांच वर्षों में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के माध्यम से 21.13 लाख युवाओं को प्रशिक्षण और 12.94 लाख युवाओं को सेवायोजन मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब कौशल प्रशिक्षण की सफलता का आकलन प्रशिक्षण की संख्या से अधिक रोजगार और स्वरोजगार के परिणामों से किया जाए।

धूपचंडी चित्रकूट कुंड से हटेगा अतिक्रमण, दुरुस्त होगी बाउंड्री वॉल

–नगर आयुक्त ने धूपचंडी वार्ड का किया निरीक्षण, दिए पाथवे पर पर्याप्त लाइट लगाने का निर्देश

– कुंड परिसर में ओपन जिम होगा स्थापित, लेबर कॉलोनी में बनेगा सफाई चौकी का नया स्टोर

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जनपद में नगर निगम प्रशासन ने धूपचंडी चित्रकूट कुंड के आसपास अतिक्रमण को गंभीरता से लिया है । जल्द ही अभियान चलाकर वहां से अतिक्रमण हटवाने का निर्णय लिया है । साथ ही कुंड की बाउंड्री वॉल भी दुरुस्त की जाएगी । नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने गुरुवार अपरान्ह में धूपचंडी वार्ड में साफ-सफाई, पेयजल, सीवर, मार्ग मरम्मत, इंटरलॉकिंग तथा मार्ग प्रकाश व्यवस्था जैसी बुनियादी जनसुविधाओं का निरीक्षण किया। स्थलीय निरीक्षण की शुरूआत सुबह 7:30 बजे राम कटोरा चौराहा स्थित अन्नपूर्णा रेस्टोरेंट के समीप से हुई। इस दौरान नगर आयुक्त ने चित्रकूट कुंड का विस्तृत मुआयना किया। निरीक्षण के दौरान कुंड के आसपास अतिक्रमण पाया गया, जिसे तत्काल प्रभाव से हटाने के कड़े निर्देश दिए गए। साथ ही कुंड की क्षतिग्रस्त बाउंड्री वॉल की तत्काल मरम्मत कराने का आदेश जारी किया गया। क्षेत्रीय नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कुंड के चारों तरफ पाथवे पर पर्याप्त लाइट (मार्ग प्रकाश) लगाने और क्षतिग्रस्त व घिसी हुई इंटरलॉकिंग को बदलकर नया प्रस्ताव बनाकर कार्य कराने के निर्देश दिए गए। स्थानीय निवासियों के स्वास्थ्य एवं सुबह की सैर को बढ़ावा देने के लिए चित्रकूट कुंड परिसर में ओपन जिम स्थापित करने का भी फैसला लिया गया। इसके अलावा, क्षेत्र में स्वच्छता प्रबंधन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से लेबर कॉलोनी में उपयुक्त स्थान चिन्हित कर सफाई चौकी का सामग्री स्टोर रूम बनाने हेतु शीघ्र प्रस्ताव प्रस्तुत करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया गया। निरीक्षण के दौरान क्षेत्रीय सपा पार्षद प्रमोद राय, सहायक अभियंता (सिविल) सिद्धार्थ गौतम, अवर अभियंता (सिविल) सुखपाल सिंह, जलकल के सहायक अभियंता राघवेंद्र कुमार व अवर अभियंता गौरव मिश्रा, तथा सफाई निरीक्षक संजय चंद्र उपस्थित रहे।

प्रयागराज में भीषण जलभराव पर सपा का प्रदर्शन, स्मार्ट सिटी के दावों को लेकर नेताओं ने कसा

प्रात : किरण संवाददाता

प्रयागराज। शहर में भारी बारिश के बाद कई इलाकों में हुए जलभराव को लेकर समाजवादी पार्टी महानगर इकाई ने गुरुवार को जोरदार प्रदर्शन किया। महानगर अध्यक्ष सैयद इफ्तेखार हुसैन के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने पत्थर गिरजाघर स्थित धरना स्थल पर प्रदर्शन कर जलभराव की समस्या के शीघ्र समाधान की मांग की। प्रदर्शन के बाद जिलाधिकारी के नाम ज्ञापन एसीएम प्रथम ज्ञानेंद्र सिंह को सौंपा गया। सपा नेताओं ने कहा कि भारी बारिश के कारण शहर की प्रमुख सड़कों के साथ ही थानों, अस्पतालों, विद्यालयों, सरकारी कार्यालयों और कई मोहल्लों में कई दिनों से पानी भरा हुआ है। इससे आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित है। मुंडेरा, धूमनगंज, गौस नगर, करेली, साकेत नगर, मीरापट्टी, जार्ज टाउन, टैगोर टाउन, अल्लापुर, सलोरी, बघाड़ा, अशोक नगर, राजापुर, ऊंचवा गढ़ी और बेली गांव सहित कई क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि कई स्थानों पर सीवर का गंदा पानी उलटकर घरों में घुस गया है। नैनी में स्टेशन रोड स्थित शिव मंदिर से राम मंदिर तक तथा जमुना नगर बस्ती में भी जलभराव की समस्या बताई गई। इसके अलावा चीनी मिल, रामलीला मैदान, चक डोडी, महेवा, डांडी, नंदन तालाब, नैनी बाजार और शंकर ढाल सहित कई क्षेत्रों में पानी भरा होने का दावा किया गया। सपा नेताओं ने कहा कि जलभराव के कारण कई परिवारों के सामने पेयजल और खाद्यान्न का संकट खड़ा हो गया है। कई इलाकों में बिजली आपूर्ति भी प्रभावित है, जिससे लोगों को अंधेरे में रहने को मजबूर होना पड़ रहा है। घरों में गंदा पानी घुसने से संक्रामक बीमारियां फैलने की आशंका भी बढ़ गई है। महानगर अध्यक्ष सैयद इफ्तेखार हुसैन ने कहा कि शहर को स्मार्ट सिटी बनाने के दावों के बावजूद बारिश में जलभराव की समस्या गंभीर बनी हुई है।

एमएलसी साकेत मिश्रा की पहल रंग लाई, महिला अस्पताल को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने शुरू की कवायद

प्रात : किरण संवाददाता

बलरामपुर। जनपद के नगर तुलसीपुर में लंबे समय से चली आ रही महिला अस्पताल की मांग को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने कवायद शुरू कर दी है। विधान परिषद सदस्य साकेत मिश्रा द्वारा गत 6 अगस्त को विधान परिषद में नियम-115 के तहत तुलसीपुर में महिला अस्पताल की स्थापना की मांग की गई थी। इसके बाद विभागीय स्तर पर आवश्यक जानकारी जुटाने की प्रक्रिया शुरू की गई है। स्वास्थ्य विभाग की इस पहल से क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर है और महिला अस्पताल की स्थापना की उम्मीद जगी है। गुरुवार को तुलसीपुर स्वास्थ्य अधीक्षक डॉक्टर सुजीत कुमार ने बताया कि विधान परिषद सदस्य साकेत मिश्रा की मांग के क्रम में महिला अस्पताल के निर्माण को लेकर विभागीय स्तर पर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। इसके तहत देवीपाटन मंदिर से आसपास के अस्पतालों की दूरी, वर्तमान स्वास्थ्य व्यवस्था तथा क्षेत्र में महिला स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति से संबंधित जानकारी मांगी गई है। डॉ. सुजीत कुमार ने बताया कि महिला अस्पताल और क्षेत्र की स्वास्थ्य व्यवस्था से संबंधित रिपोर्ट तैयार कर उच्च अधिकारियों को भेजी जा चुकी है। क्षेत्र की आवश्यकता, वर्तमान स्वास्थ्य सुविधाओं और महिला मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी जानकारी भी भेजी गई है। विधान परिषद सदस्य साकेत मिश्रा ने 6 अगस्त को शासन के समक्ष तुलसीपुर में महिला अस्पताल की स्थापना का मुद्दा उठाते हुए बताया था कि क्षेत्र में महिला अस्पताल का अभाव होने के कारण महिलाओं को प्रसव, स्त्री रोग एवं अन्य स्वास्थ्य संबंधी उपचार के लिए जिला मुख्यालय अथवा दूर के अस्पतालों में जाना पड़ता है। इससे मरीजों और उनके परिजनों को परेशानी के साथ समय और धन की भी बबार्दी होती है। सूचना मिलने पर भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री विष्णु देव गुप्ता, मंडल अध्यक्ष विश्राम सिंह, व्यापार मंडल के अध्यक्ष रामकुमार कसौधन सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

राम मंदिर ट्रस्ट घोटाले की पुरानी एसआईटी रिपोर्ट का पन्ना नंबर छह गायब किया गया : संजय सिंह

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ। आम आदमी पार्टी (आआपा) के उत्तर प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने आज लखनऊ स्थित पार्टी मुख्यालय में एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए राम मंदिर ट्रस्ट घोटाले में बड़ा खुलासा किया। उन्होंने पूर्व में गठित स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) की रिपोर्ट का वह पन्ना नंबर छह सार्वजनिक किया, जिसे अब तक दबाया गया था। संजय सिंह ने कहा कि जहां एक ओर 17 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने जांच में देरी पर नाराजगी जताते हुए एसआईटी से स्टेटस रिपोर्ट मांगी है, वहीं उसी दिन अखबारों में आरोपियों को क्लीन चिट मिलने की खबरें प्लांट की गईं। उन्होंने इसे सुप्रीम कोर्ट की निगरानी का अपमान और दोषियों को बचाने की एक सोची-समझी साजिश करार दिया। सांसद ने वर्तमान एसआईटी अध्यक्ष किरन एस. को पत्र लिखकर 26 अहम दस्तावेज सौंपने के लिए मिलने का समय मांगा है। संजय सिंह ने एसआईटी रिपोर्ट की कॉपी दिखाते हुए कहा कि विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता वाली एसआईटी रिपोर्ट से पन्ना नंबर छह गायब कर दिया गया था, जो अब मिल गया है। इस पन्ने में साफ लिखा है कि डॉ. अनिल मिश्रा ने बैंक के साथ तय नियमों (एसओपी) को शिथिल किया, जिसके कारण मंदिर में चोरी और गबन की परिस्थितियां उत्पन्न हुईं। रिपोर्ट के मुताबिक 40 दिन में 70 बार चोरी हुई और 81 लाख रुपये की बरामदगी हुई। जब रिपोर्ट सभी पदाधिकारियों को जिम्मेदार मानती है, तो चंपत राय और अनिल मिश्रा को क्लीन चिट कैसे दी जा सकती है? भ्रष्टाचार के प्रारूप समझाते हुए संजय सिंह ने कहा कि यह घोटाला सिर्फ जमीन तक सीमित नहीं है। चंदे और चढ़ावे की चोरी के साथ-साथ भगवान के आभूषणों का गबन हुआ है। उन्होंने इंजीनियर दीनानाथ वर्मा के हवाले से आरोप लगाया कि अनिल मिश्रा निर्माण कार्यों में 40-40% कमीशन लेते थे। सांसद ने सवाल उठाया कि जो लोग प्रभु श्री राम के मंदिर के नाम पर आए पैसे में भी भ्रष्टाचार कर रहे हैं, उनके खिलाफ योगी और मोदी सरकार सख्त कार्रवाई करने के बजाय उन्हें क्लीन चिट का कवच क्यों दे रही है? सांसद ने बताया कि उन्होंने वर्तमान एसआईटी अध्यक्ष किरन एस. को ईमेल भेजकर मिलने का समय मांगा है।

लखनऊ के सरोजनी नगर व मोहनलालगंज से गुजरने वाली सई नदी को सीवेज प्रदूषण से मुक्त करने की कवायद तेज

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार में प्रदेश के अंदर से गुजरने वाली सभी नदियों में गिरने वालों नालों की सफाई पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसी क्रम में लखनऊ में सई नदी को सीवेज प्रदूषण से मुक्त करने के लिए नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत कई स्तरों पर काम किया जा रहा है। सई नदी लखनऊ के सरोजनीनगर और मोहनलालगंज जैसे ग्रामीण क्षेत्रों के पास से होकर प्रवाहित होती है। इसके प्रदूषण को रोकने के लिए नदी में जाने वाले नालों की पहचान कर उन्हें टैप करने, सीवेज को सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) तक पहुंचाने और शोधित पानी के दोबारा इस्तेमाल की योजना पर काम चल रहा है। लखनऊ के सरोजनी नगर व मोहनलालगंज से गुजरने वाली सई नदी को सीवेज प्रदूषण से मुक्त करने की कवायद तेज मौजूदा योजना के तहत सई नदी में जाने वाले एक अनटैप्ड नाले को टैप किया जा रहा है। इस नाले से करीब 59.88 एमएलडी सीवेज नदी में पहुंचता है। इसे रोकने के लिए 100 एमएलडी क्षमता वाले बिजनौर एसटीपी की परियोजना पर काम शुरू हो चुका है। सई नदी में जाता है एक अनटैप्ड नाला\ लखनऊ नगर क्षेत्र में सई नदी में जाने वाले एक अनटैप्ड नाले की पहचान हो चुकी है। इस नाले से करीब 59.88 एमएलडी सीवेज का डिस्चार्ज होता है। फिलहाल यह सीवेज नदी के प्रदूषण का एक प्रमुख स्रोत है। नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत इस नाले को टैप कर सीवेज को सीधे नदी में जाने से रोकने की योजना पर काम किया जा रहा है। इसके लिए जरूरी सीवेज ट्रीटमेंट क्षमता विकसित की जा रही है, ताकि नाले से निकलने वाले पानी को शोधित करने के बाद ही उसका निस्तारण या दोबारा इस्तेमाल किया जा सके। 100 एमएलडी बिजनौर एसटीपी का निर्माण जारी सई नदी में जाने वाले अनटैप्ड नाले को टैप करने के लिए 100 एमएलडी क्षमता वाले बिजनौर एसटीपी की परियोजना महत्वपूर्ण है। इस परियोजना का कार्यादेश 2 जून 2025 को जारी किया गया था। इसके बाद अनुबंध गठित किया जा चुका है और 23 जून 2026 से निर्माण कार्य शुरू किया गया। वर्तमान में परियोजना का निर्माण कार्य प्रगति पर है। एसटीपी के तैयार होने के बाद नाले से आने वाले सीवेज को उपचारित किया जा सकेगा और बड़ी मात्रा में बिना शोधित सीवेज के सई नदी में पहुंचने की समस्या पर रोक लगेगी। 2044 तक सीवेज शोधन की पर्याप्त क्षमता शहर में निमार्णाधीन, स्वीकृत और प्रस्तावित एसटीपी परियोजनाओं के पूरा होने के बाद लखनऊ में कुल 1263 एमएलडी सीवेज शोधन क्षमता उपलब्ध हो

विधायक डॉ. नीलकंठ ने बनारसी बोली में पूछा जनता का हालचाल

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। वाराणसी के दक्षिणी विधानसभा में 76 दिवसीय वार्ड प्रवास कार्यक्रम के 33 वें दिन प्रहलाद घाट वार्ड में विधायक डॉ. नीलकंठ तिवारी ने गुरुवार को स्वच्छता कार्य करते हुए जनसंपर्क किया। डॉ. नीलकंठ तिवारी ने बनारसी अंदाज में क्षेत्र की जनता की कुशल क्षेम पूछी और विकास कार्यों के संबंध आदेश देने की अपील करते रहे। विधायक ने जनता से कहा कि ह्यका आदेश बा, कउनो समस्या ह त बताई । कौनों काम ह त बताई। सब ठीक बा। विधायक डॉ. नीलकंठ तिवारी ने बनारसी बोली- बानी में बातचीत की तो प्रहलाद घाट के स्थानीय लोगों ने भी उसी अंदाज में उत्तर दिया। लोगों ने कुछ समस्याएं बताईं और विधायक ने तत्काल ही अधिकारियों को उसके समाधान का निर्देश दिया। एक स्थान पर मलबा देखकर विधायक भड़क गए और तत्काल उसे हटाने के लिए कहा। प्रहलाद घाट वार्ड में जनसंपर्क के दौरान महिलाओं ने पुष्प वर्षा कर विधायक डॉ. नीलकंठ तिवारी का स्वागत किया। वार्ड प्रवास कार्यक्रम में विधायक ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान के क्रम में पांच पौधे लगाये। जनसंपर्क के दौरान भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता भी हाथों में झाड़ू लिए विधायक के साथ उपस्थित रहे।

वाराणसी : तीन दिन से लापता युवती की हत्या, बंद मकान में मिला शव, जांच में जुटी

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। रोहनिया थाना क्षेत्र में तीन दिन से लापता युवती का शव एक बंद मकान में मिलने से सनसनी फैल गई। युवती 18 अगस्त को स्कूल जाने के लिए घर से निकली थी, लेकिन इसके बाद वापस नहीं लौटी। परिजनों ने उसकी तलाश करने के साथ पुलिस को भी सूचना दी थी। बुधवार को मालवीय इंटर कॉलेज के पीछे स्थित एक बंद मकान में उसका शव मिलने के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों की तहरीर के आधार पर पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर घटना की जांच शुरू कर दी है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की चार टीमें गठित की गई हैं। राजातालाब थाना क्षेत्र के मरुई गांव निवासी सुनील उपाध्याय ने बताया कि उनकी पुत्री श्रेया उपाध्याय 18 अगस्त को रोज की तरह स्कूल जाने के लिए घर से निकली थी। काफी समय बीतने के बाद भी जब वह वापस नहीं लौटी तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। कोई जानकारी नहीं मिलने पर पुलिस को घटना की सूचना दी गई थी। तीसरे दिन रोहनिया क्षेत्र में मालवीय इंटर कॉलेज के पीछे स्थित एक बंद मकान में युवती का शव मिलने की सूचना पुलिस को मिली। जानकारी मिलते ही रोहनिया पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल की जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य जुटाए और पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी। डीसीपी नीतू ने बताया कि जिस कमरे में युवती का शव मिला है, उसे विवेक चौबे नामक व्यक्ति ने किराये पर लिया था। विवेक चौबे मृतका का दूर का रिश्तेदार भी बताया जा रहा है। युवती के लापता होने और अब शव बरामद होने के बाद पुलिस विभिन्न पहलुओं से मामले की जांच कर रही है। डीसीपी नीतू ने बताया कि परिजनों की तहरीर के आधार पर हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले के खुलासे और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की चार टीमों का गठन किया गया है।

मंदिर के शिलान्यास में पहुंची भाजपा विधायक जय देवी कौशल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ की मलिहाबाद विधानसभा से भाजपा विधायक जय देवी कौशल ने काकोरी कस्बे के शीतला माता मंदिर के शिलान्यास व भूमिपूजन के दौरान जातिगत भेदभाव का आरोप लगाया है। विधायक जय देवी पूर्व केन्द्रीय राज्यमंत्री कौशल किशोर की पत्नी हैं। वह बुधवार को काकोरी के शीतला माता मंदिर के शिलान्यास कार्यक्रम में पहुंची थी। कार्यक्रम से लौटने के बाद उन्होंने वीडियो जारी कर कहा कि वो मंदिर के जीर्णोद्धार समारोह में गईं थी, जहां उन्हें पूजा नहीं करने दी गयी। उन्होंने बताया कि ये हाल तब हुआ जबकि इस मंदिर का जीर्णोद्धार का प्रस्ताव उन्होंने ही पास करवाया था।

चंदन टीका लगाने के विवाद में बीच सड़क की थी मारपीट, थाने के बाहर कान पकड़कर लगानी पड़ी उठक-बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। काशी विश्वनाथ धाम के गेट नंबर चार के पास चंदन टीका लगाने को लेकर हुई मारपीट का मामला चर्चा में आने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन पंडों को गिरफ्तार कर लिया। आरोप है कि तीनों ने बीच सड़क पर एक-दूसरे के साथ मारपीट की थी। घटना के बाद मौके पर काफी देर तक अफरा-तफरी की स्थिति बनी रही। मामला चौक थाना क्षेत्र स्थित विश्वनाथ धाम गेट नंबर चार के पास का बताया जा रहा है। चंदन टीका लगाने को लेकर शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते मारपीट में बदल गया। बीच सड़क पर तीन पंडों के बीच मारपीट का वीडियो और घटना की जानकारी सामने आने के बाद मामला चर्चा में आ गया। सूचना मिलने पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और मारपीट में शामिल तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की कार्रवाई के बाद आरोपियों ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए माफी मांगी। बताया गया कि तीनों ने कान पकड़कर माफी मांगने के साथ थाने के बाहर उठक-बैठक भी की। पुलिस ने आरोपियों को भविष्य में इस तरह की घटना नहीं दोहराने की चेतावनी दी। धार्मिक स्थल के आसपास श्रद्धालुओं और पर्यटकों की भारी आवाजाही को देखते हुए पुलिस ने विवाद और अव्यवस्था फैलाने वालों के खिलाफ सख्ती बरतने के संकेत दिए हैं।

गोरखपुर में गोड़धोइया नाला परियोजना से अब हो रहा निर्बाध जल प्रवाह, लोगों को जल भराव से मिली मुक्ति

प्रात : किरण संवाददाता

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन से साकार हुए 495 करोड़ रुपये की लागत वाले गोड़धोइया नाला परियोजना से इस वर्ष तकरीबन आधे शहर की जलभराव की समस्या दूर हो गई है। ऐसा पहली बार हुआ कि जब भी बारिश हुई, महानगर के उत्तरी हिस्से के 17 वार्डों में पानी नहीं लगा। सारा पानी गोड़धोइया नाला होते हुए आरकेबीके मोहद्दीपुर के पास रामगढ़ताल में चला गया। जब तक गोड़धोइया नाले का पुनरोद्धार नहीं हुआ था तो बारिश होने पर ये वार्ड बुरी तरह जलभराव की चपेट में आ जाते थे। गोड़धोइया नाला गोरखपुर के सबसे पुराने नालों में से एक है। यह कई दशकों तक उपेक्षा और गंदगी का पर्याय बना रहा। अतिक्रमण के कारण यह नाला एक तरह से विलुप्त होने के कगार पर पहुंच गया था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसके जीर्णोद्धार के लिए पक्का नाला निर्माण, डायवर्जन, इंटरसेप्शन और ट्रीटमेंट की परियोजना बनवाई। 495 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना में पक्का नाला निर्माण सहित कई कार्य पूरे हो चुके हैं, सिर्फ सीवर लाइन बिछाने का काम कुछ हद तक बचा है। पक्का नाला बन जाने से अब बारिश में भी शहर के उत्तर दिशा में जल भराव नहीं हो रहा है, इस नाले से सारा पानी निकल जा रहा है। कार्यदायी संस्था जल निगम (शहरी) के अधिशासी अभियंता पकंज कुमार के अनुसार गोड़धोइया नाला 9.50 किलोमीटर लंबाई और 10 मीटर चौड़ाई में, पक्का बना है। गोड़धोइया नाला परियोजना में 36 एमएलडी की एसटीपी का काम भी पूरा हो गया है। नाले पर 14 ब्रिज और 61 एमएलडी मास्टर पंप स्टेशन (एमपीएस) का काम भी कराया गया है। इसके साथ ही 18 किलोमीटर सीवर लाइन भी पड़ रही है। सबकुछ सामान्य रहा तो एक से दो माह में यह कार्य भी पूर्ण हो जाएगा। सीवर लाइन पूर्ण हो जाने पर नाले में सीवर नहीं गिरेगा। साढ़े तीन लाख की आबादी हो रही लाभान्वित महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव का कहना है कि गोड़धोइया नाला परियोजना से गोरखपुर उत्तर क्षेत्र की तीन लाख आबादी लाभान्वित हो रही है। नाला पुनरोद्धार होने से बिछिया जंगल तुलसीराम पश्चिमी, शिवपुर शहबाजगंज, जंगल शालिग्राम, बिछिया जंगल तुलसीराम पूर्वी, रेलवे बिछिया कॉलोनी, शाहपुर, भेड़ियागढ़, घोसीपुरवा, सेमरा, बशारतपुर, मानबेला, राप्तीनगर सहित डेढ़ दर्जन वार्डों को जलभराव दूर करने में बड़ी सहूलियत मिली है। महापौर का कहना है कि गोड़ धोइया नाला परियोजना सीएम योगी की दूरदर्शिता का मॉडल है।

ज्ञानदाता ही नहीं, विद्यार्थियों के संवेदनशील परामर्शदाता भी बनें शिक्षक : डॉ. शीला सिंह

-महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की स्मृति में भारतीय ज्ञान परंपरा और मानसिक स्वास्थ्य पर हुआ विमर्श

प्रात : किरण संवाददाता

गोरखपुर। महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़, गोरखपुर में राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की 12वीं पुण्यतिथि की स्मृति में आयोजित सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के तीसरे दिन गुरुवार को ह्यभारतीय ज्ञान परंपरा के आलोक में मनोवैज्ञानिक परामर्श : परामर्शदाता के रूप में शिक्षक की भूमिका, दायित्व एवं समकालीन प्रासंगिकताह्ल विषय पर विशिष्ट व्याख्यान आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोरखपुर के मनोविज्ञान विभाग की पूर्व अध्यक्ष डॉ. शीला सिंह ने कहा कि शिक्षकों को सिर्फ ज्ञानदाता ही नहीं बल्कि विद्यार्थियों के लिए संवेदनशील परामर्शदाता भी बनना होगा। डॉ. शीला सिंह ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान अर्जित करना नहीं, बल्कि व्यक्ति का समग्र विकास करना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 भी शिक्षा को अनुभवपरक, व्यावहारिक एवं समग्र बनाने पर बल देती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में सैद्धांतिक ज्ञान पर पर्याप्त ध्यान दिया जाता है, लेकिन विद्यार्थियों के सीखने की प्रक्रिया को अनुभवों से जोड़ना भी उतना ही आवश्यक है। अनुभवपरक शिक्षा विद्यार्थियों को जीवन की वास्तविक परिस्थितियों से जुड़कर सीखने का अवसर प्रदान करती है। उन्होंने स्व-आकलन को मानसिक स्वास्थ्य और व्यक्तित्व विकास का महत्वपूर्ण आधार बताते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को स्वयं से यह प्रश्न करना चाहिए कि वह अपनी क्षमताओं का कितना उपयोग कर पा रहा है। इसके साथ ही पारस्परिक संबंधों में उसका व्यवहार कैसा है और सामाजिक हित में उसका योगदान कितना है, इन तीनों पहलुओं का निरंतर आकलन व्यक्ति को अपने व्यक्तित्व को समझने और बेहतर बनाने में सहायता करता है। डॉ. सिंह ने मेटाकॉग्निशन (अधिचिंतन) की अवधारणा को विस्तार से समझाते हुए कहा कि व्यक्ति को अपने चिंतन के बारे में भी चिंतन करना चाहिए। अपने विचारों एवं भावनाओं को साक्षी भाव से देखने की क्षमता आत्मबोध और आत्मनियंत्रण को विकसित करती है।

संक्षिप्त खबरें

वाराणसी : एक पेड़ माँ के नाम अभियान बीएचयू में लगाए जाएंगे 5,000 पौधे

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में ह्यएक पेड़ मां के नामह्न अभियान के अंतर्गत नगर निगम के सहयोग से काशी हिन्दू विश्वविद्यालय परिसर में गुरुवार से वृहद पौधरोपण अभियान का शुभारंभ हुआ। कुलपति प्रो. अजित कुमार चतुर्वेदी, महापौर वाराणसी अशोक तिवारी तथा कुलसचिव राजन श्रीवास्तव ने मालवीय भवन परिसर में सफेद चंदन के पौधे लगाकर अभियान की शुरुआत की। इस अभियान के लिए वाराणसी नगर निगम ने विश्वविद्यालय परिसर में 5,000 पौधे एवं उनके संरक्षण के लिए स्टील ट्री गार्ड भी उपलब्ध कराए गए हैं। पौधरोपण के दौरान कुलपति प्रो. अजित कुमार चतुर्वेदी ने विश्वविद्यालय परिसर में लगाए जाने वाले पौधों के चयन और उनके महत्त्व को लेकर विशेष रुचि दिखाई। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से 5,000 पौधे लगाए जाने के उद्देश्य तथा चयनित पौधों की विभिन्न प्रजातियों के बारे में भी जानकारी ली। कुलपति ने इस हरित पहल के लिए नगर निगम की सराहना करते हुए उनके सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय को हरित एवं पर्यावरण-अनुकूल परिसर के रूप में विकसित करने में नगर निगम का यह सहयोग महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कुलपति जी के रोपे गए पौधों के संरक्षण पर भी बल दिया।

भाजपा जिला कार्यकारिणी में 33 पदाधिकारियों को सौंपी गई जिम्मेदारियां

देवरिया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के देवरिया जिला संगठन को और मजबूत बनाने के लिए गुरुवार को आगामी कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए नई जिला कार्यकारिणी में 33 पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। घोषित कार्यकारिणी में जिला उपाध्यक्ष, महामंत्री, मंत्री, कोषाध्यक्ष, कार्यालय, मीडिया, सोशल मीडिया और आईटी विभाग के पदाधिकारी शामिल हैं। नई जिम्मेदारी मिलने के बाद कार्यकर्ताओं ने सभी पदाधिकारियों को बधाई देते हुए संगठन को बूथ स्तर तक और मजबूत बनाने की उम्मीद जताई। जिला अध्यक्ष काली प्रसाद की ओर से जारी की गयी सूची के अनुसार नई कार्यकारिणी में आठ जिला उपाध्यक्ष बनाए गए हैं। इनमें अशोक कुमार पाण्डेय, अजित कुमार सिंह, जय बहादुर गौतम, अरविन्द पाण्डेय, राघवेन्द्र वीर विक्रम सिंह, बबीता चौहान, योगेश प्रजापति और नागेश पति त्रिपाठी शामिल हैं। जिला महामंत्री की जिम्मेदारी कृष्णनाथ राय, अजय कुमार दुबे और जितेन्द्र सिंह सैंथवार को दी गई है। जिला मंत्री के पद पर राम जोखन निषाद, रामजी सिंह, रंजना देवी भारती, गोविन्द चौरसिया, रवि प्रकाश कुशवाहा, माया विश्वकर्मा, डॉ. भानू प्रताप सिंह और डॉ. विनय कुमार राव को जिम्मेदारी मिली है। हरेन्द्र जायसवाल को जिला कोषाध्यक्ष और सुनील गुप्ता को जिला सह कोषाध्यक्ष बनाया गया है। मारकंडेय गिरी को जिला कार्यालय मंत्री तथा विजय बेलदार और दीपक जायसवाल को जिला कार्यालय सह मंत्री बनाया गया है।

सर्वोदय विद्यालयों के संचालन में व्यापक बदलाव की जरूरत, सुस्पष्ट नियमावली के साथ प्रभावी प्रबंधन व्यवस्था बने : मुख्यमंत्री

-पात्र वृद्धजनों को पेंशन के लिए अनावश्यक प्रतीक्षा न करनी पड़े, लंबित आवेदनों का सत्यापन कर शीघ्र लाभ दिलाएं : मुख्यमंत्री

प्रात : किरण संवाददाता

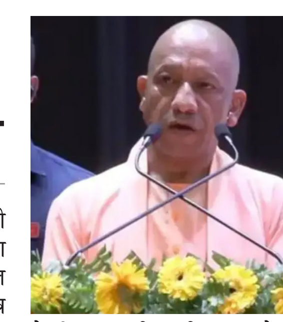

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों में सुव्यवस्थित संचालन के लिए व्यापक बदलाव की जरूरत बताई है। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि विद्यालयों से जुड़ी सुस्पष्ट नियमावली तैयार करने, शिक्षकों के रिक्त पदों पर चयन की प्रक्रिया आगे बढ़ाने तथा एक सोसाइटी के गठन की दिशा में आवश्यक कार्रवाई की जाए, ताकि इन आवासीय विद्यालयों का प्रबंधन और संचालन अधिक व्यवस्थित ढंग से हो सके। गुरुवार को समाज कल्याण विभाग के मंत्री असीम अरुण की उपस्थिति में विभाग की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने विद्यालयों में शिक्षकों और अन्य आवश्यक स्टाफ की उपलब्धता, विद्यार्थियों को मिल रही सुविधाओं तथा प्रबंधन व्यवस्था की जानकारी ली। बैठक में बताया गया कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में 93 जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय संचालित थे, जबकि वर्ष 2025-26 तक इनकी संख्या बढ़कर 103 हो गई है। इनमें 59 विद्यालय सीबीएसई तथा 44 विद्यालय यूपी बोर्ड से संबद्ध हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्यालयों में शिक्षकों के रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। साथ ही विद्यार्थियों की शैक्षणिक आवश्यकताओं के अनुरूप अन्य आवश्यक मानव संसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। बैठक में मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि वृद्धावस्था पेंशन के लिए पात्र किंतु अब तक वंचित वृद्धजनों के आवेदनों का सत्यापन कराते हुए यथाशीघ्र उन्हें पेंशन से लाभान्वित कराया जाए। उन्होंने कहा कि पात्र वृद्धजनों को अनावश्यक रूप से प्रतीक्षा न करनी पड़े और आवेदन के सत्यापन से लेकर पेंशन स्वीकृति तक की प्रक्रिया समयबद्ध हो। बैठक में बताया गया कि राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना के अंतर्गत वर्ष 2017-18 में 37.47 लाख लाभार्थियों की संख्या बढ़कर वर्ष 2025-26 में 67.50 लाख हो गई है। वर्तमान में लगभग 11.50 लाख नए आवेदन लंबित हैं। मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन उपलब्ध कराने और योजना की पहुंच तथा प्रभावशीलता को और बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करने तथा श्रेष्ठ शिक्षकों और विशेषज्ञों के अनुभव का अधिक से अधिक विद्यार्थियों को लाभ दिलाने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि योजना प्रदेश के सभी 75 जनपदों में 163 केंद्रों के माध्यम से संचालित है। इन केंद्रों पर 1,783 इम्पैनल्ड शिक्षक हैं तथा यूपीएससी, पीसीएस, नीट, जेईई, एनडीए/सीडीएस सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए 23,801 विद्यार्थी पंजीकृत हैं। योजना के अंतर्गत चार सेंटर ऑफ एक्सीलेंस भी संचालित हैं।

महोबा : छात्रों के प्रदर्शन के जिलाधिकारी ने सुनी समस्या, बोलीं – संवाद से होता समाधान

प्रात : किरण संवाददाता

महोबा। यूपी के महोबा जिले में सड़क की मांग को लेकर छात्रों के द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाम लगाने के बाद प्रशासन हरकत में आ गया है। गुरुवार को जिलाधिकारी गजल भारद्वाज ने गांव पहुंचकर स्कूली छात्र छात्राओं और ग्रामीणों से संवाद कर जल्द सड़क दुरस्त करवाने समेत अन्य मांगों को पूरा कराने का आश्वासन दिया, जिससे ग्रामीणों और जेन अल्फा के चेहरे खिल गए। गुरुवार को जिलाधिकारी गजल भारद्वाज ने जनपद के कबरई विकास खंड के गांव रैपुरा पहुंचकर स्कूली छात्र छात्राओं उनके अभिभावकों और ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना। जिलाधिकारी ने ग्रामीणों और जेन अल्फा की सड़क निर्माण की मांग के साथ ही गांव में लाइब्रेरी का निर्माण कराने का आश्वासन दिया और खेल मैदान को दुरस्त कर जेन अल्फा के लिए उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि बारिश के बीच जेन अल्फा के द्वारा सड़क जाम करने के मामले से वह आहत थे। महोबा के बच्चे दिमाग के बहुत तेज हैं। बताया कि बच्चों से संवाद किया, उन्हें बताया कि किसी भी समस्या को उठाने के लिए प्रोपर माध्यम होता है। संवाद से ही समस्या का समाधान होता है। किसी भी प्रकार की समस्या के लिए उनके कार्यालय में जाकर उन्हें अवगत कराया जा सकता है। उन्होंने कहा कि गांव की समस्या सड़क की थी। यहां पतली ग्रामीण सड़क है, जिसका निर्माण जिला पंचायत द्वारा 2021 में कराया गया था। गांव की सड़क पर 6 माह पूर्व दाल मिलों के बनने से भारी वाहनों के आवागमन से सड़क क्षतिग्रस्त हो गई है। विभागीय अधिकारियों को जल्द से जल्द सड़क दुरस्त कराने के निर्देश दिए गए हैं। संवाद कार्यक्रम में जिलाधिकारी द्वारा बच्चों की मांग जल्द पूरा करने के आश्वासन के बाद जेन अल्फा ने जोरदार ताली बजाकर जिलाधिकारी का स्वागत किया है। इस दौरान एसपी शशांक सिंह, एसडीएम शिवध्यान पाण्डेय, बीएसए राहुल मिश्रा, महंत देवीचरण दास महाराज समेत अन्य मौजूद रहें। पुलिस ने खुलवाया था जाम गौरतलब है कि जनपद से गुजरे झांसी मिजार्पुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बुधवार को रैपुरा तिगैला पर स्कूली छात्र छात्राओं ने सड़क निर्माण की मांग को लेकर प्रदर्शन कर जाम लगाया था। जहां पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जाम खुलवा यातायात बहाल कराया था।

प्लॉट विवाद में युवक की हत्या करने का आरोप, चार महिलाओं समेत अज्ञात युवक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज

प्रात : किरण संवाददाता

लोनी। अंकुर विहार थाना क्षेत्र में प्लॉट को लेकर चल रहे विवाद के बीच 35 वर्षीय युवक सोनू की धारदार हथियार व लोहे की रॉड से हमला कर हत्या किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। घटना के मामले में एक महिला, उसकी मां, मृतक की पत्नी और एक अन्य महिला समेत अज्ञात लोगों पर साजिश के तहत हत्या करने का आरोप लगाया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित पक्ष द्वारा पुलिस को दी शिकायतनुसार, सोनू का महालक्ष्मी एन्क्लेव में करीब 30 वर्ग गज का प्लॉट है। आरोप है कि उक्त प्लॉट पर कब्जा करने को लेकर सपना, उसकी मां रेखा, गुंजन और किरण से विवाद चल रहा था। शिकायतकर्ता का आरोप है कि करीब एक वर्ष से आरोपी पक्ष द्वारा प्लॉट पर कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा था। विवाद को लेकर पूर्व में भी गाली-गलौज और मारपीट की घटनाएं हो चुकी तथा सोनू के खिलाफ कथित रूप से मुकदमा दर्ज कराया गया था। शिकायत के मुताबिक, 19 अगस्त की शाम करीब आठ बजे सोनू दुकान से सामान लेने जा रहा था, कि रास्ते में सपना, उसकी मां रेखा, गुंजन और किरण ने अन्य साथियों के साथ मिलकर उसे घेर लिया। आरोपियों ने सोनू पर धारदार हथियार, लोहे की रॉड और अन्य घातक हथियारों से हमला कर दिया। हमले में सोनू गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों के अनुसार, सोनू को बचाने के लिए लोग आगे बढ़े तो आरोपी कथित तौर पर धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल सोनू को उपचार के लिए जीटीबी अस्पताल, ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस दस्तावेज के अनुसार मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच की जिम्मेदारी एसीपी अंकुर विहार को दी गई है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

हल्दौर में घायल गोवंश को गौशाला पहुंचाकर कराया उपचार

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। हल्दौर नगर पालिका क्षेत्र में घायल अवस्था में मिले गोवंश को प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए सुरक्षित नगर पालिका की गौशाला पहुंचाया, जहां पशु चिकित्सक द्वारा उसका स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक उपचार कराया गया। फिलहाल गोवंश की चिकित्सकों की निगरानी में देखभाल की जा रही है। उप जिलाधिकारी सदर स्मृति मिश्रा ने बताया कि घायल गोवंश के संबंध में सूचना मिलते ही संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए। इसके बाद गोवंश को सुरक्षित तरीके से गौशाला पहुंचाया गया। वहां पशु चिकित्सक ने उसका स्वास्थ्य परीक्षण किया और आवश्यक चिकित्सीय उपचार शुरू किया। एसडीएम ने बताया कि गोवंश के स्वास्थ्य पर लगातार नजर रखी जा रही है। गौशाला में उसके लिए उपचार और देखभाल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। स्वास्थ्य में सुधार होने तक पशु चिकित्सकों की निगरानी जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन और स्थानीय निकायों की ओर से गोवंश के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए लगातार प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। गौशालाओं में संरक्षित गोवंश के लिए चारा, पानी, आश्रय और उपचार जैसी आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

कृषि यंत्रों की ई-लॉटरी 21 अगस्त को, जिलाधिकारी की अध्यक्षता में होगा किसानों का चयन

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। वित्तीय वर्ष 2026-27 में विभिन्न कृषि यंत्रीकरण एवं फसल प्रबंधन योजनाओं के तहत अनुदान पर कृषि यंत्र प्राप्त करने के लिए बुकिंग कराने वाले किसानों के चयन की प्रक्रिया 21 अगस्त को ई-लॉटरी के माध्यम से पूरी की जाएगी। ई-लॉटरी जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय कार्यकारी समिति के समक्ष होगी। उप कृषि निदेशक बिजनौर डॉ. घनश्याम वर्मा ने बताया कि सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन, प्रमोशन ऑफ एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन फॉर इन-सीटू मैनेजमेंट ऑफ क्रॉप रेजिड्यू, त्वरित मक्का विकास कार्यक्रम, एनएफएसएनएम तथा फसल विविधीकरण कार्यक्रम (सीडीपी) के अंतर्गत 16 जुलाई से 10 अगस्त 2026 तक कृषि यंत्रों के लिए बुकिंग कराई गई थी। 21 अगस्त को सुबह 11 बजे ई-लॉटरी उन्होंने बताया कि 10 हजार रुपये से अधिक अनुदान वाले कृषि यंत्रों के लिए की गई बुकिंग के आधार पर किसानों का चयन 21 अगस्त 2026 को प्रातः 11 बजे कलेक्ट्रेट परिसर स्थित विदुर सभागार कक्ष, बिजनौर में ई-लॉटरी के जरिए किया जाएगा। प्रक्रिया जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय कार्यकारी समिति के समक्ष संपन्न होगी। चयनित किसानों को एसएमएस से मिलेगी सूचना ई-लॉटरी में चयनित किसानों को उनके पंजीकृत मोबाइल नंबर पर एसएमएस के माध्यम से चयन की जानकारी दी जाएगी। साथ ही कृषि यंत्र खरीदने के बाद बिल अपलोड करने की अंतिम तिथि की सूचना भी मोबाइल संदेश के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी। समय पर यंत्र नहीं खरीदा तो चयन निरस्त विभाग ने स्पष्ट किया है कि लक्ष्य की सीमा तक चयनित लाभार्थी किसान निर्धारित समयावधि में कृषि यंत्र की खरीद नहीं करता है तो उसका चयन स्वतः निरस्त माना जाएगा। ऐसी स्थिति में जमा की गई टोकन मनी वापस नहीं की जाएगी। वहीं, ई-लॉटरी में चयनित नहीं होने वाले किसानों की जमानत राशि विभागीय पंजीकरण के दौरान दर्ज बैंक खाते में कृषि निदेशालय स्तर से वापस की जाएगी।

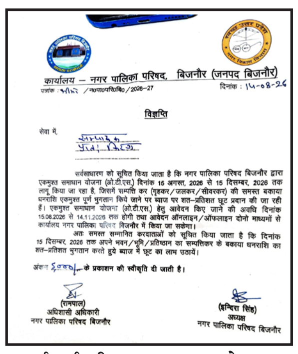

कार्यालय – नगर पालिका परिषद, बिजनौर (जनपद बिजनौर)

पत्रांक : [illegible] /न0पा0परि0बि0/2026-27 दिनांक : 14-08-26

विज्ञप्ति

सेवा में, [illegible]

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद बिजनौर द्वारा एकमुश्त समाधान योजना (ओ.टी.एस.) दिनांक 15 अगस्त, 2026 से 15 दिसम्बर, 2026 तक लागू किया जा रहा है, जिसमें सम्पत्ति कर (गृहकर/जलकर/सीवरकर) की समस्त बकाया धनराशि एकमुश्त पूर्ण भुगतान किये जाने पर ब्याज पर शत-प्रतिशत छूट प्रदान की जा रही है। एकमुश्त समाधान योजना (ओ.टी.एस.) हेतु आवेदन किए जाने की अवधि दिनांक 15.08.2026 से 14.11.2026 तक होगी तथा आवेदन ऑनलाइन/ऑफलाइन दोनों माध्यमों से कार्यालय नगर पालिका परिषद बिजनौर में किया जा सकेगा।

अतः समस्त सम्मानित करदाताओं को सूचित किया जाता है कि दिनांक 15 दिसम्बर, 2026 तक अपने भवन/भूमि/प्रतिष्ठान का सम्पत्तिकर के बकाया धनराशि का शत-प्रतिशत भुगतान करते हुये ब्याज में छूट का लाभ उठायें।

अंकन [illegible] के प्रकाशन की स्वीकृति दी जाती है।

(रामपाल) अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद बिजनौर

(इन्दिरा सिंह) अध्यक्ष नगर पालिका परिषद बिजनौर

1.26 लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने से बिजनौर में बाढ़ अलर्ट, 32 चौकियां और 35 आश्रय स्थल सक्रिय

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार हो रही भारी बारिश के बीच हरिद्वार बैराज से गंगा में 1.26 लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने के बाद बिजनौर में प्रशासन ने बाढ़ को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है। गंगा और खोह नदी के जलस्तर में वृद्धि के कारण चांदपुर और बिजनौर तहसील क्षेत्र के करीब 11 गांवों की कृषि भूमि में जलभराव की स्थिति बनी है। हालांकि आबादी वाले क्षेत्रों में फिलहाल स्थिति सामान्य है और जनजीवन प्रभावित नहीं हुआ है। जिलाधिकारी जसजीत कौर और चांदपुर के उप जिलाधिकारी प्रशांत वर्मा ने प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। डीएम ने बाढ़ चौकियों को 24 घंटे सक्रिय रखने, प्रभावित परिवारों तक तत्काल राहत पहुंचाने तथा स्वास्थ्य विभाग की टीमों को घर-घर भेजकर स्वास्थ्य जांच कराने के निर्देश दिए। बढ़ापुर में खोह नदी के कटान का खतरा भारी बारिश के कारण खोह नदी का जलस्तर बढ़ने से नगीना तहसील के बढ़ापुर क्षेत्र में कटान की आशंका को देखते हुए डीएम ने सिंचाई, वन, तहसील और पुलिस अधिकारियों के साथ मौके का निरीक्षण किया। उन्होंने कटान रोकने के लिए आवश्यक तकनीकी प्रबंध करने तथा नदी किनारे बसे परिवारों की सूची तैयार रखने के निर्देश दिए, ताकि जरूरत पड़ने पर उन्हें तत्काल बाढ़ आश्रय स्थलों में पहुंचाया जा सके। प्रशासन के अनुसार खोह नदी का जलस्तर फिलहाल धीरे-धीरे कम हो रहा है, लेकिन स्थिति पूरी तरह सामान्य होने तक अधिकारियों को फील्ड में रहकर निगरानी करने को कहा गया है। तीन गांवों के संपर्क मार्गों पर पानी, आवागमन जारी चांदपुर तहसील के जलीलपुर ब्लॉक के दतियाना, रायपुर खादर और मीरापुर सीकरी के संपर्क मार्गों पर करीब एक से डेढ़ फीट पानी पहुंच गया है। इसके बावजूद गांवों का संपर्क नहीं टूटा है। ग्रामीण ट्रैक्टरों के माध्यम से आवागमन कर रहे हैं। एहतियात के तौर पर 10 और 25 सीटर क्षमता की दो नावें तैनात की गई हैं। चार प्राथमिक विद्यालयों में बाढ़ राहत चौकियां स्थापित की गई हैं, जहां लेखपाल और राजस्व कर्मियों की चौबीसों घंटे रोस्टरवार ड्यूटी लगाई गई है। 300 राशन किट वितरित, राहत सामग्री का बफर स्टॉक तैयार प्रभावित 11 गांवों में जनप्रतिनिधियों के माध्यम से अब तक करीब 300 राशन किट वितरित की जा चुकी हैं। प्रशासन ने अतिरिक्त राहत सामग्री का बफर स्टॉक भी तैयार रखा है। सुरक्षा के लिए फ्लड पीएसी तैनात की गई है तथा एसडीआरएफ और एनडीआरएफ से समन्वय स्थापित किया गया है। स्वास्थ्य और पशुपालन विभाग की टीमें तहसील और ब्लॉक स्तर पर सक्रिय हैं। इनके माध्यम से घर-घर दवाओं का वितरण, कीटनाशक छिड़काव और पशुओं का प्राथमिकता के आधार पर टीकाकरण कराया जा रहा है। पानी उतरने के बाद होगा फसल क्षति का सर्वे गंगा का पानी खेतों में पहुंचने से खादर क्षेत्र में गन्ने समेत अन्य फसलों को नुकसान की आशंका है। आपदा प्रबंधक प्रशांत सक्सेना ने बताया कि पानी उतरने के बाद राजस्व और कृषि विभाग की संयुक्त टीमें खेतों का स्थलीय सर्वे करेंगी। यदि फसल में 33 प्रतिशत से अधिक क्षति पाई जाती है तो शासन की निर्धारित दैवीय आपदा नियमावली के तहत पात्र किसानों को समयबद्ध आर्थिक मुआवजा दिया जाएगा।

सीएम डैशबोर्ड की रैंकिंग सुधारने को डीएम ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा विदुर सभागार में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड से संबंधित प्राथमिकता वाले विकास कार्यक्रमों एवं परियोजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को शासन की मंशा के अनुरूप पूरी गंभीरता से कार्य करते हुए जिले की रैंकिंग में सुधार लाने के निर्देश दिए। साथ ही सभी विकासपरक कार्यक्रमों को दिसंबर तक पूर्ण कराने पर जोर दिया। समीक्षा के दौरान सामने आया कि जुलाई 2026 तक की प्रगति के आधार पर विकास एवं राजस्व कार्यों में बिजनौर को प्रदेश स्तर पर संयुक्त रूप से 31वीं सी रैंक प्राप्त हुई है। जिले में कुल 85 विकासपरक कार्यक्रमों एवं परियोजनाओं में 58 को ए, छह को बी, दो को सी और एक कार्यक्रम को डी श्रेणी मिली है, जबकि 18 कार्यक्रमों में श्रेणी निर्धारित नहीं की जाती है। सामूहिक विवाह योजना की खराब रैंकिंग पर जताई नाराजगी मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में डी श्रेणी प्राप्त होने पर जिलाधिकारी ने जिला समाज कल्याण अधिकारी के प्रति नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने अधिकारियों को मुख्य प्रदर्शन संकेतक (केपीआई) को ध्यान में रखते हुए योजनाओं की प्रगति सुनिश्चित करने और रैंकिंग में सुधार लाने के निर्देश दिए। डीएम ने जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय से संबंधित कार्यों की समीक्षा करते हुए परिषदीय विद्यालयों तक जाने वाले मार्गों को बेहतर बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आवश्यकता के अनुसार रास्तों पर सीसी रोड अथवा इंटरलॉकिंग का कार्य कराया जाए, ताकि विद्यार्थियों को आवागमन में परेशानी न हो। फैमिली आईडी और आईजीआरएस पर भी फोकस जिलाधिकारी ने फैमिली आईडी के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। आईजीआरएस की समीक्षा करते हुए उन्होंने अधिकारियों से शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के साथ-साथ फीडबैक में सुधार लाने को कहा। स्वास्थ्य विभाग के उपकेंद्रों के निर्माण की समीक्षा में उन्होंने निर्देशित किया कि जिन उपकेंद्रों के लिए अभी तक भूमि का चिन्हांकन नहीं हो सका है, वहां प्राथमिकता के आधार पर जमीन चिह्नित कर निर्माण कार्य जल्द शुरू कराया जाए। लंबित राजस्व वादों की भी समीक्षा बैठक में विभिन्न तहसीलों में लंबित राजस्व वादों एवं अन्य प्रकरणों की स्थिति की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों से प्रत्येक प्रकरण की प्रगति की जानकारी लेते हुए लंबित मामलों के प्रभावी निस्तारण के निर्देश दिए। इसके अलावा विभिन्न विकास कार्यक्रमों की विभागवार समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए।

बसपा प्रमुख मायावती ने यूपी के सरकारी स्कूलों की बदहाली पर जताई चिंता, कहा– सरकार उठाए ठोस कदम

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती देश भर में चल रहे ह्यस्कूल ठीक करोह्न अभियान के समर्थन में उतरी है। उन्होंने बच्चों की शिक्षा को लेकर चिंता जताते हुए उत्तर प्रदेश समेत सभी राज्यों की सरकारों नसीहत देते हुए शिक्षा व्यवस्था को सुधारने की अपील की है। बसपा प्रमुख मायावती ने गुरुवार को सोशल मीडिया के प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट करते हुए लिखा कि, जेन-अल्फा अर्थात सन 2013 के बाद जन्मे बच्चे बेहतर शिक्षा के लिए तरस रहे हैं। सरकार से अपने ह्यअच्छे दिनह्न की उम्मीद लगाए हैं। इन छात्र–छात्राओं के अलावा उनके माता–पिता भी अपने बच्चों के सुखी भविष्य के लिए अच्छी शिक्षा को लेकर हमेशा चिन्तित रहते हैं। बच्चों को बेहतर शिक्षा मुहैया कराने के लिए काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता ताकि जो वो मुसीबत उठा रहे है उनके बच्चे न उठाएं। लेकिन देश भर में, विशेषकर यूपी एवं उत्तर भारत के राज्यों के स्कूलों के बदतर हालत की कड़वी जमीनी हकीकत के कारण वे लोग अति-मुखर हो गये हैं। इसी वजह से वे लोग जेन-जी अर्थात कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के देशव्यापी स्कूल ठीक करो अभियान में काफी बढ़चढ़ कर पूरे उत्साह के साथ भाग ले रहे हैं। मायावती ने कहाकि यह बड़े दुख और चिन्ता की बात है कि जिन मासूम बच्चे-बच्चियों के हंसने-खेलने व पढ़ने-लिखने के दिन हैं, उन्हें अपनी प्रारम्भिक स्कूली शिक्षा के लिए बुनियादी सुविधाओं के लिये भी सड़कों पर संघर्ष करने को मजबूर होना पड़ रहा है।

सीडीओ ने बालिका छात्रावास का किया आकस्मिक निरीक्षण, छात्राओं से किया संवाद

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। मुख्य विकास अधिकारी अश्विनी कुमार मिश्र ने गुरुवार को समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित राजकीय बालिका छात्रावास का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने छात्रावास के विभिन्न कक्षों, परिसर और उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लेते हुए व्यवस्थाओं में सुधार के निर्देश दिए। सीडीओ ने छात्रावास परिसर और भवन में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। छात्राओं से संवाद कर उनकी पढ़ाई, रहन-सहन और सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली तथा उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल समाधान के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान छात्रावास में चल रहे निर्माण एवं मरम्मत कार्यों की भी जानकारी ली गई। उन्होंने कार्यदायी संस्था को निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण और निर्धारित समय में पूरा करने के निर्देश दिए। छात्राओं के लिए खेल सामग्री उपलब्ध कराने के साथ ही लाइब्रेरी की सुविधाओं को और बेहतर बनाने को कहा। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि छात्रावास में छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण वातावरण और सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने शासन की छात्रहितकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र छात्रा तक समयबद्ध तरीके से पहुंचाने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान जिला समाज कल्याण अधिकारी अमरदीप, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी रेखा शर्मा, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी अलका चौधरी, जिला युवा कल्याण अधिकारी, सहायक अभियंता लोक निर्माण विभाग तथा छात्रावास अधीक्षक प्रदीप सक्सेना मौजूद रहे।

नगीना में खनन पट्टों की ई-निविदा में लगी 3728 और 3828 रुपये प्रति घनमीटर की बोली

बिजनौर। नगीना तहसील क्षेत्र में उपखनिज निकासी के लिए आयोजित ई-निविदा प्रक्रिया में दो क्षेत्रों के लिए सर्वाधिक बोलियां प्राप्त हुई हैं। प्रशासन ने दोनों निविदाओं को स्वीकृति प्रदान कर संबंधित भू-स्वामियों को सात दिन के भीतर निर्धारित प्रक्रिया के तहत अपने अधिकार का इस्तेमाल करने का अवसर दिया है। उत्तर प्रदेश उपखनिज (परिहार) नियमावली-2019 यथासंशोधित के प्रावधानों के तहत ग्राम अब्दुलफजलपुर पहाड़ा और ग्राम शाहउलीपुर कोटरा में एकत्रित उपखनिजों की निकासी के लिए 17 अगस्त को संयुक्त समिति के सदस्यों की उपस्थिति में ई-निविदाएं खोली गईं। ग्राम अब्दुलफजलपुर पहाड़ा स्थित गाटा संख्या 70 की 1.265 हेक्टेयर भूमि के लिए मेसर्स प्रताप कंस्ट्रक्शन, बलिया ने 3728 रुपये प्रति घनमीटर की सर्वाधिक बोली लगाई। वहीं ग्राम शाहउलीपुर कोटरा स्थित गाटा संख्या 2/40/14 एवं 2/40/16 की कुल 1.012 हेक्टेयर भूमि के लिए मेसर्स नवभारत कंस्ट्रक्शन, गोंडा ने 3828 रुपये प्रति घनमीटर की सर्वाधिक बोली दी। दोनों क्षेत्रों का कुल रकबा 2.277 हेक्टेयर है। प्रशासन ने प्राप्त सर्वाधिक बोलियों को स्वीकार करते हुए निविदाओं को स्वीकृति प्रदान कर दी है। इसके साथ ही संबंधित भू-स्वामियों को शासनादेश में निर्धारित प्रावधानों के अनुसार चयनित सर्वोच्च निविदादाता से अधिक धनराशि की बोली प्राप्त कराने अथवा प्रथम इनकार के अधिकार का प्रयोग करने का अवसर दिया गया है। भू-स्वामियों को इसके लिए सात दिन का समय दिया गया है। निर्धारित अवधि में आवश्यक कार्रवाई नहीं किए जाने पर संबंधित क्षेत्रों को परिहार पर दिए जाने के लिए नियमानुसार अग्रेतर कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन की इस प्रक्रिया के बाद अब आगे की कार्रवाई भू-स्वामियों के निर्णय पर निर्भर करेगी।

सत्यापन के नाम पर अभियुक्तों को परेशान करने का आरोप

सीएए-एनआरसी विरोध प्रदर्शन से जुड़े मुकदमे में अधिवक्ता ने एसपी को सौंपा ज्ञापन

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। वर्ष 2019 में सीएए-एनआरसी विरोध प्रदर्शन से जुड़े मुकदमे के अभियुक्तों को पुलिस द्वारा सत्यापन के नाम पर कथित रूप से परेशान किए जाने का मामला सामने आया है। इस संबंध में मुकदमे के अभियुक्तों की ओर से अधिवक्ता मुराद आरिफ ने गुरुवार को अपने साथी अधिवक्ताओं के साथ पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर एसपी को ज्ञापन सौंपा और मामले में हस्तक्षेप की मांग की। अधिवक्ता मुराद आरिफ ने बताया कि अमरोहा नगर थाने में वर्ष 2019 में मु0अ0सं0 814/2019 के तहत करीब 85 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। मुकदमे के लगभग सभी अभियुक्त जमानत पर हैं और प्रकरण वर्तमान में एडीजे प्रथम के न्यायालय में विचाराधीन है। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि आरोप पत्र दाखिल होने तथा न्यायालय में विचारण प्रक्रिया शुरू होने के बावजूद थाना अमरोहा नगर पुलिस अभियुक्तों के घरों पर पहुंचकर सत्यापन के नाम पर बैंक विवरण, संपत्ति का ब्योरा, पैन कार्ड और पासपोर्ट आदि निजी जानकारियां मांग रही है। अधिवक्ताओं का कहना है कि इस तरह निजी जानकारी मांगकर अभियुक्तों को परेशान किया जा रहा है। अधिवक्ता मुराद आरिफ ने पुलिस अधीक्षक से मांग की कि थाना अमरोहा नगर प्रभारी को निर्देशित किया जाए कि सत्यापन के नाम पर मुकदमे के अभियुक्तों को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए। यदि किसी प्रकार का सत्यापन आवश्यक है तो उसे नियमानुसार और कानून के दायरे में ही कराया जाए।

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
नई दिल्ली, शुक्रवार, 21 अगस्त, 2026

संक्षिप्त खबरें

महिला को मृत बताकर पुलिस ने कमरे में लगाया ताला

छत्तीसगढ़ के बेमेतरा में पुलिस की गंभीर लापरवाही की मामला सामने आया है। वार्ड नंबर 7 में एक महिला ने घर के अंदर रस्सी से फांसी लगाकर आत्महत्या की कोशिश की। आरोप है कि मौके पर पहुंची सिटी कोतवाली पुलिस ने देविका साहू (44) को मृत समझकर कमरे में ताला लगा दिया। पंचनामा की कार्रवाई के लिए बाद में लौटने की बात कहकर चली गई। इस दौरान परिजनों को अंदर जाने नहीं दिया गया। करीब 2 घंटे बाद पुलिस दोबारा मौके पर पहुंची और कमरे का ताला खोला तो महिला की सांसें चल रही थीं। परिजन महिला को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे कक्षव में भर्ती कराया गया है। इस घटना से गुस्साए घरवालों और स्थानीय लोगों ने चक्काजाम कर दिया। मकान मालिक के अनुसार महिला तबीयत खराब होने से परेशान थी। वहीं कुछ पड़ोसियों से घर में अनबन की बातें भी सामने आई है। फिलहाल, महिला ने ऐसा कदम क्यों उठाया इसका भी पता नहीं चल पाया है। वहीं लापरवाही के आरोपों पर पुलिस की ओर से भी बयान सामने नहीं आया है। बच्चे स्कूल से लौटे तो दरवाजा बंद मिला जानकारी के मुताबिक महिला पिछले करीब 10 सालों से किराए के मकान में अपने 3 बच्चों के साथ रह रही है। उसका पति किसान है। गुरुवार को घटना के समय तीनों बच्चे स्कूल गए हुए थे। दोपहर करीब 1:30 बजे महिला ने घर के अंदर रस्सी से फांसी लगाने की कोशिश की। स्कूल से लौटे बच्चों ने दरवाजा बंद देखा तो उन्होंने मकान मालिक को सूचना दी। इसके बाद घटना की जानकारी पुलिस को दी गई और पुलिस मौके पर पहुंची। महिला को मृत समझकर कमरे में लगा दिया ताला परिजनों और स्थानीय लोगों के मुताबिक, पुलिस दरवाजा तोड़कर अंदर पहुंची। महिला बेहोशी की हालत में पड़ी हुई थी। पुलिसकर्मियों ने महिला को मृत समझ लिया।

सरगुजा में आंगनबाड़ी के दो बच्चे डूबे, एक की मौत

सरगुजा के लुंड्रा में आंगनबाड़ी से घर लौट रहे दो बच्चे पानी से भरे गड्ढे में डूब गए। ग्रामीणों ने दोनों बच्चों को बाहर निकाला। हादसे में एक बच्ची की मौत हो गई, जबकि दूसरे बच्चे की हालत गंभीर है। आंगनबाड़ी केंद्र में बैठक होने के कारण बच्चों की छुट्टी जल्दी कर दी गई थी। मामला लुंड्रा थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, लुंड्रा के आंगनबाड़ी केंद्र में गुरुवार को सेमरपारा के बच्चे पढ़ने गए थे। इसी दौरान 5 साल की जया विश्वकर्मा और 6 साल का रीतिक खेलते-खेलते आंगनबाड़ी से करीब 50 मीटर दूर बन रहे प्री-मैट्रिक छात्रावास भवन के पास पहुंच गए। वहां पानी से भरे गड्ढे में दोनों बच्चे डूब गए। बच्चों ने शोर मचाया तो पहुंचे आंगनबाड़ी कर्मी पानी में खेल रहे कुछ बच्चों ने दोनों को पानी में डूबते देखा और शोर मचाया। आवाज सुनकर निर्माणाधीन हॉस्टल में काम कर रहे मजदूर मौके पर पहुंचे। उन्होंने दोनों बच्चों को पानी से बाहर निकाला। उस समय दोनों बेहोश थे। मजदूर और ग्रामीण दोनों बच्चों को तुरंत स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद जया विश्वकर्मा को मृत घोषित कर दिया। वहीं रीतिक की हालत गंभीर होने पर उसे अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। लुंड्रा थाना प्रभारी प्रदीप जायसवाल ने बताया कि परिजनों ने बयान दिया है कि दोनों बच्चे आंगनबाड़ी गए थे। वहां से खेलते हुए वे पानी से भरे गड्ढे के पास पहुंच गए और उसमें डूब गए। लुंड्रा पहुंचे जिला कार्यक्रम अधिकारी की पूछताछ घटना की जानकारी मिलते ही महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यक्रम अधिकारी जेआर प्रधान लुंड्रा पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी ली। बताया गया कि गुरुवार को लुंड्रा आंगनबाड़ी में बैठक थी, इसलिए बच्चों की छुट्टी सामान्य समय से पहले कर दी गई थी। जेआर प्रधान के मुताबिक, आंगनबाड़ी सहायिका दोनों बच्चों के साथ मृत बच्ची की बड़ी बहन और एक अन्य बच्ची को उनके घर तक छोड़ने गई थी।

झुंझुनूं कलेक्टर बोले-निष्पक्ष चुनाव के लिए प्रशासन तैयार

प्रत्याशी रखें खर्च का हिसाब; शिकायतों के लिए जारी होगा कंट्रोल रूम नंबर

प्रात: किरण संवाददाता

झुंझुनूं जिले में चुनाव को स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन तैयार है। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग ने बताया- चुनाव के दौरान कानून व्यवस्था, सोशल मीडिया निगरानी, चुनावी खर्च और आचार संहिता के पालन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। जिला कलेक्टर के निर्देशों के खास पॉइंट लाइसेंसधारी हथियार जमा कराने के निर्देश- चुनाव के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिले के सभी लाइसेंसधारी हथियार संबंधित थानों में जमा कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि असामाजिक और उपद्रवी तत्वों पर लगातार नजर रखी जा रही है तथा उनके खिलाफ निरोधात्मक कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है। सोशल मीडिया पर विशेष सेल की नजर- चुनाव के दौरान सोशल मीडिया पर फैलने वाली भ्रामक या भड़काऊ सामग्री पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। इसके लिए विशेष जांच सेल का गठन किया गया है। यदि किसी पोस्ट, वीडियो या खबर के पेड प्रमोशन अथवा निर्वाचन नियमों के उल्लंघन की शिकायत मिलती है तो संबंधित व्यक्ति के खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी। नए कार्यों और घोषणाओं पर रोक- आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद आमजन से जुड़े नियमित और आवश्यक सरकारी कार्य पहले की तरह जारी रहेंगे। हालांकि नई योजनाओं की घोषणा, नए विकास कार्यों की स्वीकृति और किसी भी प्रकार के नीतिगत निर्णय पर चुनाव अवधि तक रोक रहेगी। चुनावी खर्च का रखना होगा पूरा रिकॉर्ड- निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार सभी प्रत्याशियों को अपने चुनावी खर्च का दैनिक विवरण अलग रजिस्टर में दर्ज करना होगा। निर्वाचन व्यय पर्यवेक्षक और प्रशासनिक अधिकारी समय-समय पर इस रजिस्टर की जांच करेंगे। निर्धारित नियमों का पालन नहीं करने पर आयोग की ओर से कार्रवाई की जा सकती है। सभी निकायों में तैयारियां तेज- जिले के सभी नगरीय निकायों में उपखंड अधिकारी और संबंधित प्रशासनिक अधिकारी लगातार बैठकें कर चुनावी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दे रहे हैं। मतदान प्रक्रिया को निष्पक्ष और व्यवस्थित बनाने के लिए आवश्यक तैयारियां पूरी की जा रही हैं। शिकायतों के लिए जारी होगा कंट्रोल रूम नंबर- चुनाव से जुड़ी किसी भी शिकायत, सूचना या आचार संहिता उल्लंघन की जानकारी देने के लिए जिला प्रशासन जल्द ही कंट्रोल रूम का विशेष हेल्पलाइन नंबर जारी करेगा। इस नंबर पर आम नागरिक सीधे शिकायत दर्ज करा सकेंगे, जिन पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी।

जयपुर-अलवर में तेज बरसात, सड़कों पर बहा पानी:राजस्थान के 17 जिलों में कल बारिश का अलर्ट

प्रात: किरण संवाददाता

राजधानी जयपुर में गुरुवार दोपहर बाद मौसम बदला और कई इलाकों में तेज बरसात हुई। इस दौरान सड़कों पर पानी बहने लगा। शहर के जवाहर लाल नेहरू मार्ग, मालवीय नगर, झालाना सहित कई इलाकों में बारिश हुई। वहीं सी-स्कीम समेत कई इलाकों में दोपहर से घने बादल छाए रहे, लेकिन बारिश नहीं हुई। अलवर में करीब 1 सप्ताह बाद मौसम बदला और शाम करीब 5.30 बजे कहीं हल्की तो कहीं तेज बारिश हुई। करीब आधा घंटे हुई बारिश से कुछ जगहों पर पानी भर गया। इधर, दिल्ली में खराब मौसम के कारण गुरुवार अलसुबह 2 फ्लाइट जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर डायवर्ट की गईं। प्रदेश में शुक्रवार को 17 जिलों में बारिश का अलर्ट है। बारिश का ये दौर अगले दो दिन भी रहेगा। पिछले 24 घंटे के दौरान बांसवाड़ा में करीब 1 सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई। खैरथल-तिजारा, बारां, कोटा, प्रतापगढ़ और सलूंबर जिलों में भी हल्की बारिश हुई। प्रदेश में बुधवार

को तापमान में भी काफी अंतर देखने को मिला। श्रीगंगानगर 39.4 डिग्री सेल्सियस के साथ प्रदेश में सबसे गर्म रहा। वहीं, माउंट आबू 23.7 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे ठंडा रहा। 2 फ्लाइट जयपुर डायवर्ट : दिल्ली में खराब मौसम के कारण गुरुवार सुबह करीब 4:10 से 4:20 बजे के बीच दो फ्लाइट जयपुर एयरपोर्ट पर उतारी गईं। एयर इंडिया की मनीला से दिल्ली जा रही फ्लाइट अक-2361 जयपुर डायवर्ट हुई। पुणे से दिल्ली जा रही इंडिगो की फ्लाइट 6ए-2418 भी जयपुर डायवर्ट हुई। मौसम साफ होने के बाद दोनों फ्लाइट को दिल्ली के लिए रवाना किया। पश्चिमी राजस्थान में एक सप्ताह तक मौसम ड्राई :पश्चिमी राजस्थान में मानसून की गतिविधियां फिलहाल कमजोर रहने वाली हैं। मौसम विभाग के अनुसार जोधपुर और बीकानेर संभाग के अधिकांश हिस्सों में अगले एक सप्ताह तक मौसम मुख्य रूप से ड्राई रहने की संभावना है। हालांकि बीकानेर संभाग के कुछ हिस्सों के साथ श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ और चूरू और आसपास के क्षेत्रों में 21 से 23 अगस्त के दौरान हल्की से मध्यम बारिश होने के आसार हैं। ऐसे में पश्चिमी राजस्थान के कुछ उत्तरी इलाकों में स्थानीय स्तर पर बारिश हो सकती है उत्तर-पूर्वी राजस्थान में बारिश का जोर : मौसम विभाग के अनुसार पूर्वी भारत के ऊपर बना कम दबाव का क्षेत्र अब कमजोर होकर वेल मार्क्ड लो प्रेशर एरिया में बदल गया है। इससे जुड़ा सिस्टम उत्तर-पूर्वी राजस्थान के आसपास बना हुआ है। इसी सिस्टम के प्रभाव से प्रदेश के उत्तर-पूर्वी हिस्सों में बारिश की गतिविधियां बढ़ने की संभावना हैं। 20 अगस्त को भरतपुर, जयपुर और आसपास के क्षेत्रों में मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। कुछ स्थानों पर हल्की बारिश, जबकि कहीं-कहीं मध्यम बारिश होने की संभावना है।

पहले प्यार, फिर शादी; अब बिजनेसमैन से 50-लाख की डिमांड :दहेज के झूठे केस में फंसाने की धमकी दी

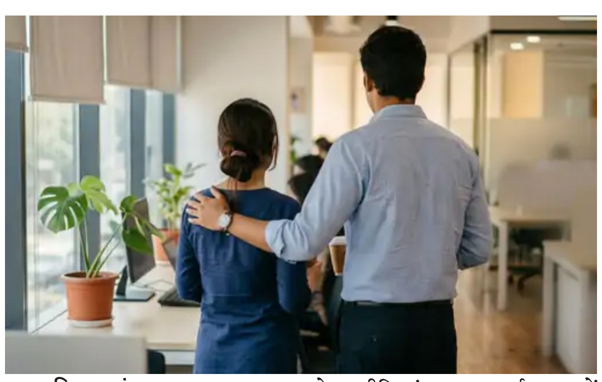

प्रात: किरण संवाददाता

जयपुर में बिजनेसमैन को दहेज के झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर 50 लाख रुपए मांगने का मामला सामने आया है। 24 साल के बिजनेसमैन ने जयपुर के एक पुलिस स्टेशन में बुधवार शाम युवती के खिलाफ ऋफ्फ दर्ज करवाई। बिजनेसमैन का आरोप है कि मुझसे 12 साल बड़ी युवती ने प्लानिंग के तहत मेरी कंपनी में जॉब हासिल की। फिर मुझे झूठे प्यार में फंसाया। मैंने घरवालों को बिना बताए उससे शादी कर ली, उसी दिन युवती का व्यवहार बदल गया। जांच अधिकारी हेड कॉन्स्टेबल शंकरलाल ने बताया- जयपुर के रहने वाले बिजनेसमैन ने थाने में रिपोर्ट दी थी। युवती ने बिजनेसमैन से नजदीकियां बढ़ाकर आर्य समाज में शादी की। अब वह परिवार को दहेज के झूठे केस में फंसाने की धमकी दे रही है। उसने बैंक अकाउंट से 1 लाख रुपए भी निकाल लिए। अब उसे ब्लैकमेल कर 50 लाख की डिमांड कर रही है। पीड़ित को बयानों के लिए बुलाया गया है। इसके बाद ही आगे की कार्रवाई हो सकेगी। बिजनेसमैन का आरोप है कि मैं एक कंपनी चलाता हूं। जयपुर की एक कंपनी से मेरा बिजनेस कॉन्टैक्ट है। उस कंपनी में आरोपी युवती जॉब करती थी। बिजनेस कॉन्टैक्ट होने के कारण साल 2023 से युवती की ओर से अक्सर मुझे कॉल कर कॉन्टैक्ट किया जाता था। वह बातचीत के दौरान खुद को दिल्ली मेट्रो सिटी की होना बताकर जॉब के लिए डेडिकेटेड दिखाती थी। जॉब पर फोकस करने के कारण शादी और अन्य संबंधों में उसकी कोई दिलचस्पी नहीं होने की कहती थी। विश्वास में लेकर कंपनी में जॉब हासिल की बिजनेसमैन का आरोप है- युवती ने कहा था कि उसके सचिवालय में बड़े-बड़े मंत्रियों से कॉन्टैक्ट हैं। कई टठउ के लिए दुबई जाकर भी सेल्स का काम किया है। विश्वास दिलाने के लिए पासपोर्ट की कॉपी भी भेजी थी। उसने कहा था कि वह कंपनी के लिए अच्छा बिजनेस लाकर दे सकती है। प्लानिंग के तहत आरोपी युवती ने मेरी कंपनी में जॉब हासिल की। जनवरी-2026 को 65 हजार रुपए प्रति माह की सैलरी पर जॉब पर रख लिया।प्यार के जाल में फंसाने के लिए कहती- तुम्हारे बिना नहीं रह सकती युवती नौकरी जॉइन करने के बाद झूठे प्यार के जाल में फंसाने के प्रयास में जुट गई। बिजनेसमैन के केबिन में आकर बैठ जाती। घंटों प्यार भरी बातें करती। वीडियो कॉल करती। खुद के फ्लैट पर ले जाकर रोमांटिक मूवी दिखाकर उसे उकसाने लगी। बातचीत के दौरान विश्वास दिलाती कि वह उसे और उसके परिवार को पसंद करती है। अगर वह शादी कर लेता है तो दोनों परिवार के साथ हंसी-खुशी मिल-जुलकर रहेंगे। कहती- तुम्हारे बिना नहीं रह सकती।

अजमेर जेल से एक नंबर पर 1283 बार कॉल किया:खाते में 50 लाख का लेन-देन हुआ

प्रात: किरण संवाददाता

अजमेर सेंट्रल जेल में नशे की गोलियों की सप्लाई का मामला सामने आया है। जेल से एक मोबाइल नंबर पर 1283 बार कॉल किया गया। उस नंबर से कनेक्ट बैंक अकाउंट में 50 लाख रुपए का लेन-देन हुआ। कैदी की शिकायत के बाद जेल प्रशासन ने जांच की, जिसमें मामला उजागर हुआ है। मामले में जेल प्रहरी महिपाल मंगलोदा की रिपोर्ट पर 19 अगस्त को सिविल लाइंस थाना पुलिस ने एफआईआर दर्ज की गई है। FIR में करण सिंह, कमल, जयराम, शिवराज और धनराज पर आरोप है। ये सभी पहले सेंट्रल जेल में बंद थे। फिलहाल जमानत पर बाहर आए हुए हैं। जेल में हत्या के दो मामले में बंद भीकाराम ने 22 जुलाई 2025 को पीआईसीएस (जेल एसटीडी) से डीजी

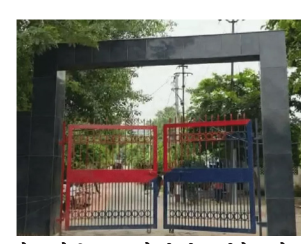

जेल को शिकायत भेजी थी। बंदी ने आरोप लगाया था कि उसके साथ विचाराधीन बंदी करण सिंह और कमल सिंह ने मारपीट की। दोनों ने नशे की एक गोली करीब 500 रुपए में बेचने और रुपए मोबाइल नंबर पर ऑनलाइन डलवाने की बात कही। बंदी ने आरोप लगाया था कि विरोध करने पर उसे जान से मारने की धमकी दी गई। जेल प्रशासन की जांच में खुला मामला जांच में जेल एसटीडी से एक नंबर पर 1283 कॉल बंदी की शिकायत के बाद जेल प्रशासन ने अपने स्तर पर जांच की। जांच में सामने आया कि जेल से एक मोबाइल नंबर पर 1283 बार कॉल किया गया था। एक दिन में 3 से लेकर 29 बार तक कॉल किया गया। यह मोबाइल नंबर श्रीनगर थाना क्षेत्र के कनाखेड़ी निवासी जयराम रावत के नाम है। जांच के दौरान इस नंबर से जुड़े बैंक खाते का स्टेटमेंट भी खंगाला गया। 1 जनवरी 2024 से 20 अप्रैल 2026 के बीच खाते में कुल करीब 49 लाख 79 हजार 967 रुपए क्रेडिट होने की बात सामने आई। खास बात ये रही कि खाते में क्लोजिंग बैलेंस सिर्फ 13,358 रुपए बताया गया। जांच में जयराम रावत के चचेरे भाई शिवराज सिंह का भी नाम सामने आया। उसने पूछताछ में बताया कि वह कभी-कभी जेल में बंद अन्य कैदियों के लिए जरूरी सामान पहुंचाता था। इसके बाद बंदियों के परिजन ऑनलाइन रुपए भेजते थे। जयराम रावत का मोबाइल नंबर तीन बैंक खातों से जुड़ा था। जेल से 50 लाख रुपए का लेन-देन जेल में कैदियों का एक एसटीडी अकाउंट (कैंटीन) होता है। एक बंदी को इसके लिए हर महीने करीब 3500 रुपए मिलते हैं। यदि 15 बंदियों के लिए भी अधिकतम सीमा के अनुसार रुपए खर्च किए जाए तो सालाना राशि करीब 6.30 लाख रुपए होता है।जयराम रावत के खाते में जेल से करीब 50 लाख रुपए का लेन-देन सामने आया। ऐसे में जेल में बंद कैदियों की ओर से रावत से रुपए का लेन-देन सामने आया।जेलकर्मियों की मिलीभगत की आशंका, जांच शुरूजांच रिपोर्ट में आशंका जताई गई कि बंदियों के परिजनों के बजाय एक ही मोबाइल नंबर पर लगातार कॉल किए जाने के पीछे जेल के किसी कर्मचारी की मिलीभगत भी हो सकती है।

ट्रेन में छूटा प्रेमी जोड़े का 10.76-लाख रुपए भरा बैग:आरपीएफ ने बरामद किया

शादी के सपने लेकर घर से निकले प्रेमी जोड़े को नागौर के मेड़ता रोड स्टेशन पर ट्रेन से उतरना भारी पड़ गया। दोनों प्लेटफॉर्म पर उतरकर बातचीत में मशगूल हुए और पीछे ट्रेन चल पड़ी। कुछ देर बाद याद आया कि 10 लाख 76 हजार रुपए और जेवर से भरा बैग ट्रेन में ही रह गया। घटना के बाद दोनों आरपीएफ के पास पहुंचे तो आरपीएफ ने आगे के स्टेशन पर फोन कर बैग तो ढूंढ निकाला। लेकिन ज्यादा पैसे और दोनों की हालत देखकर शक हुआ तो परिजनों से संपर्क किया। जहां पर दोनों की गुमशुदगी दर्ज होने की बात सामने आई। लड़की नाबालिग है। दोनों जोधपुर के अलग-अलग के रहने वाले है। दोनों पड़ोस में स्थित तीसरे गांव के स्कूल में पढ़ते हैं। नागौर स्टेशन के आरपीएफ एसआई रमेश कुमार ने बताया-जोधपुर से साबरमती-लालगढ़ एक्सप्रेस ट्रेन में जोधपुर के अलग-अलग गांवों में रहने वाले युवक और नाबालिग लड़की बैठे थे। लड़के की उम्र 19 साल और लड़की की उम्र 17 साल 8 महीने है। दोनों अपने साथ 10 लाख 76 हजार रुपए और जेवर से भरा बैग भी लेकर जा रहे थे। गुरुवार सुबह करीब 4 बजे ट्रेन मेड़ता रोड़ स्टेशन पहुंची। दोनों यहां ट्रेन से उतरकर बाते करने लगे। इसी दौरान ट्रेन निकल गई। ट्रेन जाने के बाद दोनों को याद आया कि बैग तो ट्रेन में ही छूट गया है। जिसके मेड़ता रोड़ आरपीएफ के पास पहुंचे। रेलवे पुलिस ने तुरंत नागौर आरपीएफ को सूचना दी। नागौर स्टेशन पर सुबह करीब सवा 5 बजे ट्रेन से बैग बरामद कर लिया गया और बाद में मेड़ता रोड स्टेशन ले आए। बैग में 10 लाख 76 हजार 30 रुपए नकद, चांदी जैसी धातु के चार सिक्के, दो बिछिया, एक घुघरी और सोने जैसी धातु की चार लांग मिलीं। साथ ही आईफोन-15 प्रो, स्मार्ट वॉच, पावर बैंक और चार्जर के अलावा दो रेल टिकट, युवक के शैक्षणिक डॉक्यूमेंट, आधार कार्ड और आईफोन का बिल भी मिला।

15 हजार की कमाई वाले को 975-करोड़ का इनकम नोटिस

सूरत की डायमंड कंपनी में बना रखा डायरेक्टर; टेलर बोला- न कंपनी चलाई न गुजरात गया

प्रात: किरण संवाददाता

अजमेर जिले के गोविंदगढ़ में टेलरिंग का काम करने वाले बुजुर्ग को आयकर विभाग से 975 करोड़ का नोटिस मिला है। गोविंदगढ़ निवासी रेखराज ठाड़ा (62) महीने के 15 हजार रुपए कमाते हैं। ऐसे में 13 अगस्त 2026 को सूरत (गुजरात) से आया आयकर विभाग का नोटिस उनके लिए चौंकाने वाला था। नोटिस के मुताबिक, रेखराज सूरत की रूप रजत डायमंड प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के डायरेक्टर हैं। उन पर 974 करोड़ 97 लाख 25 हजार 457 रुपए की टैक्स रिकवरी निकाली गई है। रेखराज का कहना है कि उन्होंने न कोई कंपनी चलाई और न ही कभी गुजरात गए। मामले की जानकारी मिलने पर परिजन ने एक परिचित सीए की मदद से रिकॉर्ड की पड़ताल कराई। रेखराज

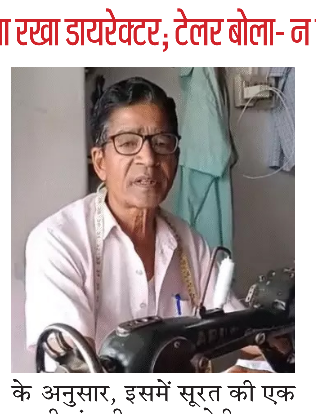

के अनुसार, इसमें सूरत की एक दूसरी कंपनी जय बाबेरी डायम प्राइवेट लिमिटेड में भी उनका नाम डायरेक्टर के तौर पर सामने आया। रेखराज ने पीसांगन थाने में शिकायत दी है। पुलिस ने ऋफ्फदर्ज करने के बजाय परिवाद लिया। इसके बाद वह अजमेर एसपी कार्यालय पहुंचे। एडिशनल एसपी ग्रामीण लालचंद कायल को मामले की जानकारी दी। उन्होंने जांच का आश्वासन देते हुए परिवाद दर्ज कराया। 2011 से टेलर के नाम से सूरत में कंपनी चल रही रेखराज ने बताया कि 13 अगस्त को मिले आयकर विभाग के नोटिस में उन्हें 20 अगस्त तक सूरत पहुंचकर स्पष्टीकरण देने के लिए कहा गया था। उन्होंने नोटिस का जवाब ईमेल के जरिए भेज दिया है। रेखराज का दावा है कि उनके पैन कार्ड का किसी ने दुरुपयोग कर रूप रजत डायमंड प्राइवेट लिमिटेड का डायरेक्टर बना दिया। उनके अनुसार, यह कंपनी 2011 से संचालित बताई गई है, लेकिन उन्हें इसकी बिल्कुल जानकारी नहीं है। उन्हें इसकी जानकारी आयकर विभाग के नोटिस से ही हुई। रेखराज ने बताया कि वह टेलर हैं और कभी गुजरात नहीं गए। नोटिस मिलने के बाद परिवार तनाव में है। रेखराज, उनके दो बेटे और एक भाई मामले की जांच के लिए अधिकारियों के चक्कर लगा रहे हैं।

क्या विधायक वेतन वृद्धि बिल इस विधानसभा-सत्र में पेश होगा?

प्रात: किरण संवाददाता

राजस्थान में विधायकों के वेतन वृद्धि की रिपोर्ट तैयार हो गई है। रिपोर्ट में डीए की तर्ज पर विधायकों का वेतन बढ़ाने जैसे बातें लिखी गई हैं। संसदीय कार्य विभाग ने स्टडी कर मुख्यमंत्री कार्यालय (उटड) को रिपोर्ट भेज दी है। राजस्थान में विधानसभा का मानसून सत्र गुरुवार से शुरू हो गया है। ऐसे में सवाल है कि क्या वेतन वृद्धि संशोधन बिल इस सत्र में पेश होगा? बिल नहीं आया तो क्या होगा? विधायकों को वेतन बढ़ोतरी के लिए इंतजार करना होगा। वजह यह है कि सरकार विधायकों के वेतन बढ़ाने पर फैसला नहीं कर पाई है। वेतन बढ़ाने के लिए विधानसभा में सैलरी से जुड़ा संशोधन बिल पेश करना जरूरी है,

जो अभी तैयार नहीं हुआ है। सीएम भजनलाल शर्मा ने 27 फरवरी, 2026 को राजस्थान वित्त एवं विनियोग विधेयक-2026 पर चर्चा का जवाब देते हुए विधानसभा में विधायकों का वेतन बढ़ाने की घोषणा की थी। सीएम ने सदन में कहा था- विधायकों के वेतन में राज्य कर्मचारियों की तरह समय-समय पर महंगाई भत्ते (DA) के अनुसार बढ़ोतरी किया जाना प्रस्तावित है। ये प्रावधान आगामी वित्तीय वर्ष से लागू किए जाने की घोषणा करता हूं। घोषणा क्यों नहीं हो पाई पूरी? फरवरी, 2026 को विधायकों के वेतन बढ़ाने से जुड़ी सीएम की घोषणा के बाद विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने प्रस्ताव बनाकर संसदीय कार्य विभाग को भेज दिया था। प्रस्ताव में कहा- सभी राज्यों में विधायकों को मिलने वाले वेतन का अध्ययन कर सरकार को रिपोर्ट भेजें। इसके बाद संसदीय कार्य विभाग के अधिकारियों ने देश के सभी राज्यों में विधायकों को मिलने वाले वेतन का अध्ययन किया। अधिकारियों ने वेतन बढ़ोतरी पर बजट कितना चाहिए? सरकारी खजाने पर कितना असर पड़ेगा समेत तमाम बिंदुओं का अध्ययन भी किया था। इसके बाद संसदीय कार्य विभाग ने अप्रैल में रिपोर्ट पर आधारित एक प्रस्ताव बनाकर वेतन बढ़ाने वाली फाइल मुख्यमंत्री कार्यालय (CMO) को भेजी दी थी। तब से फाइल सीएमओ में ही है।

मुख्य सचिव वी श्रीनिवास को मिला 6 महीने का एक्सटेंशन:अब 28 फरवरी 2027 तक सीएस रहेंगे

प्रात: किरण संवाददाता

राजस्थान के मुख्य सचिव वी श्रीनिवास को केंद्र सरकार ने छह महीने का एक्सटेंशन दे दिया है। वी श्रीनिवास 31 अगस्त को रिटायर होने वाले थे। अब केंद्र से 6 महीने का एक्स्टेंशन मंजूर होने से श्रीनिवास 28 फरवरी 2027 तक मुख्य सचिव के पद पर रहेंगे। राज्य सरकार ने पिछले दिनों मुख्य सचिव के एक्सटेंशन का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भिजवाया था, जिसे मंजूरी दे दी गई। वी. श्रीनिवास ने 17 नवंबर 2025 को राजस्थान के मुख्य सचिव का पदभार संभाला था। मुख्य सचिव बनने से पहले वह सेंट्रल डेपुटेशन पर थे। राज्य सरकार ने 23 जुलाई को केंद्रीय कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय को सीएस वी. श्रीनिवास को एक्स्टेंशन देने का प्रस्ताव भिजवाया था। अब मंत्रालय ने इसे मंजूरी देने के साथ ही राज्य सरकार

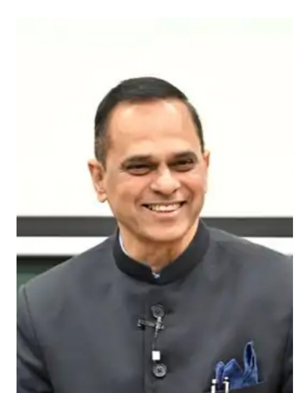

के सामान्य प्रशासन विभाग को एक्सटेंशन का लेटर भेज दिया है। वी. श्रीनिवास 1989 बैच के आईएएस अफसर हैं। सीएस बनने तक 7 साल सेंट्रल डेपुटेशन पर थे पिछले साल 16 नवंबर को वी श्रीनिवास को सीएस के पद पर नियुक्ति के आदेश जारी किए थे। तत्कालीन मुख्य सचिव सुधांश पंत कार्यकाल के बीच अचानक सेंट्रल डेपुटेशन पर गए थे। पंत की जगह श्रीनिवास ने 17 नवंबर को चार्ज लिया था।श्रीनिवास सीएस बनने से पहले 7 साल से केंद्रीय डेपुटेशन पर थे। उन्हें सीएस बनने से पहले 14 नवंबर 2026 की शाम को ही केंद्रीय डेपुटेशन से राजस्थान के लिए रिलीव किया गया था। सीएस बनने से पहले वे केंद्रीय प्रशासनिक सुधार, लोक शिकायत, पेंशन्स और पेंशनर्स कल्याण विभाग के सचिव थे। पूर्व पीएम नरसिम्हा राव के रिश्तेदार हैं श्रीनिवास वी श्रीनिवास पूर्व पीएम पीवी नरसिम्हा राव के रिश्तेदार हैं। उनकी पत्नी राव की रिश्ते में दोहिती हैं। श्रीनिवास बड़े पदों पर रहे हैं। अटल बिहारी वाजपेयी की अगुवाई वाली एनडीए सरकार में वे तत्कालीन विदेश मंत्री और वित्त मंत्री जसवंत सिंह के निजी सचिव रहे थे। उनके जसोल परिवार से आज भी अच्छे रिश्ते हैं। इसके बाद वे इंटरनेशन मॉनेट्री फंड वॉशिंगटन में भारत के कार्यकारी निदेशक के तकनीकी सहायक रहे।

300 किलो नकली पनीर गड्ढे में दफनाया, फैक्ट्री सील

छत्तीसगढ़ के महासमुंद में वैद्य फूड प्रोडक्ट्स के प्लांट से जब्त पनीर का सैंपल अमानक पाया गया है। जांच में माल प्रतिबंधित एनालॉग पनीर निकला। प्रशासन ने करीब 300 किलो नकली पनीर को जेसीबी से गड्ढा खोदकर दफना दिया और प्रोडक्शन यूनिट को सील कर दिया। मामले में संचालक शोभित सिंह के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है। यह कार्रवाई प्लांट के खिलाफ मिली शिकायत के बाद शुरू हुई थी। खाद्य विभाग की टीम ने 17 अगस्त सोमवार देर रात प्लांट में छापा मारा था। टीम को करीब 3 एकड़ में चल रही इस फैक्ट्री में 300 किलो पनीर मिला था। यहां बना पनीर रायपुर और ओडिशा तक भेजा जा रहा था। बता दें कि नकली पनीर और मिलावटी सामान के खिलाफ प्रदेश में 17 अगस्त से फूड डिपार्टमेंट विशेष अभियान चला रहा है, जो 23 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान अलग-अलग जिलों में दुकानों, होटलों और फैक्ट्रियों की जांच की जा रही है। खाद्य पदार्थों के सैंपल लिए जा रहे हैं।

विधानसभा के बाहर कांग्रेस विधायकों ने धरना दिया:पुलिस से धक्का-मुक्की, स्कूलों में एंट्री बैन का विरोध

प्रात: किरण संवाददाता

राजस्थान विधानसभा के मानसून सत्र के पहले ही दिन गुरुवार को स्कूलों में मीडिया की एंट्री बैन के मुद्दे पर कांग्रेस विधायकों ने विधानसभा के बाहर धरना दिया। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और सचिन पायलट जैसे नेता भी धरने में शामिल हुए। वे शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग कर रहे थे। उन्होंने राज्य सरकार पर तानाशाही का आरोप लगाया है। इससे पहले कांग्रेस विधायक सुबह पोद्दार मूक-बधिर स्कूल पहुंचे थे। स्कूल में एंट्री बैन के मुद्दे पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के नेतृत्व में पोद्दार स्कूल से पैदल मार्च करते हुए विधानसभा तक पहुंचे। कांग्रेस विधायक विधानसभा में

घुसने की कोशिश कर रहे थे। ऐसे में पुलिस ने बैरिकेड्स लगाकर उन्हें रोक दिया। इस दौरान पुलिस से धक्का-मुक्की भी हुई। कई नेता बैरिकेड्स पर चढ़ गए। वहीं तीन विधायक अभिमन्यु पूनिया, घनश्याम मेहर और डीडी बैरवा विधानसभा गेट पर चढ़ गए थे। डोटासरा ने तीनों को टोका और नीचे उतरवाया। 21 मिनट चली सदन की कार्यवाही कांग्रेस विधायकों के धरने के बीच सुबह 11 बजे सदन की कार्यवाही शुरू हुई। दिवंगत नेताओं को श्रद्धांजलि देने के बाद सुबह 11:22 बजे पर कार्यवाही शुक्रवार सुबह तक के लिए स्थगित कर दी गई। कार्यवाही स्थगित होते ही कांग्रेस विधायकों ने विधानसभा गेट के बाहर धरना भी खत्म कर दिया। इधर, मानगढ़ धाम को राष्ट्रीय स्मारक का दर्जा देने की मांग को लेकर इअढ विधायकों ने विधानसभा के बाहर प्रदर्शन किया। धारीवाल बोले- राजस्थान की जनता अशोक गहलोत को मानती है हाईकमान कांग्रेस के पूर्व मंत्री शांति धारीवाल ने हाईकमान कौन स्थानीय या दिल्ली के सवाल पर कहा कि दिल्ली का हाईकमान ही हाईकमान है। जहां तक प्रदेश का सवाल है, यहां की जनता राजस्थान का हाईकमान अशोक गहलोत को मानती है। स्थानीय हाईकमान को लेकर ही कांग्रेस में ज्यादा विवाद होता है, इस सवाल पर धारीवाल ने कहा कि ऐसा नहीं है।

संक्षिप्त खबरें

पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर तिरंगा यात्रा निकाली

गाजियाबाद। पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ की जनपद शाखा ने गुरुवार को तिरंगा यात्रा निकाली। इसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण सफाई कर्मचारियों ने हिस्सा लेकर पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर आवाज बुलंद की। संघ के जिलाध्यक्ष चाहत राम ने बताया कि प्रांतीय संघ के निर्देश पर प्रदेश की सभी जनपद शाखाओं में पुरानी पेंशन बहाली को लेकर कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी क्रम में गाजियाबाद में तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा के माध्यम से कर्मचारियों ने शासन तक अपनी मांग पहुंचाई। इसके बाद कर्मचारियों ने जिलाधिकारी के माध्यम से शासन को ज्ञापन भेजकर पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाल करने की मांग की। संघ के महामंत्री शरद कुमार ने बताया कि पुरानी पेंशन कर्मचारियों के हित में है। संगठन की ओर से मांग पूरी होने तक आंदोलन जारी रखने की बात कही गई।

पूर्व सैनिकों को भी सम्मानित किया जाएगा

गाजियाबाद। मॉडल टाउन स्थित राष्ट्रीय सैनिक संस्था के कार्यालय पर गुरुवार को बैठक आयोजित की गई। इसमें 11 सितंबर को दिल्ली में होने वाले सिंदूर से शौर्य तक-2026 कार्यक्रम में पूर्व सैनिकों को भी सम्मानित करने का निर्णय लिया गया। राष्ट्रीय सैनिक संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष रिटायर्ड कर्नल टीपी त्यागी ने कहा कि प्रत्येक पूर्व सैनिक को भी एक जिंदा शहीद माना जाना चाहिए। प्रत्येक पूर्व सैनिक शहीद हुआ हो या ना हुआ हो परंतु कभी ना कभी कच्छ की दलदल, राजस्थान की गर्मी और सियाचिन की ठंड में रहकर देश की सेवा की है। इसलिए उन्हें भी सम्मानित किए जाने का निर्णय लिया है।

निगम आवास परिसर में जर्जर टंकी का पानी भरने से परेशानी

गाजियाबाद। नगर निगम विजयनगर जोनल कार्यालय के पास आवास परिसर में जर्जर टंकी का पानी परेशानी पैदा कर रहा है। टंकी से रिसाव के कारण रोजाना हजारों लीटर पानी बर्बाद हो रहा है। विजयनगर जोनल कार्यालय के पास निगम के आवास हैं। परिसर में पानी की टंकी काफी पुरानी है। बताया जा रहा है कि टंकी जर्जर है। इसमें सुबह और शाम आपूर्ति के लिए पानी भरा जाता है, मगर रिसाव के कारण पानी परिसर में भर रहा है। घरों के बाहर पानी भरने से कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों को परेशानी उठानी पड़ रही है। कर्मचारी जलकल विभाग में कई बार शिकायत कर चुके। इसके बाद भी टंकी की मरम्मत नहीं कराई जा रही। सुबह के वक्त घरों के बाहर पानी भरने से बच्चों को स्कूल जाने में परेशानी हो रही है। कर्मचारियों में डर है कि मरम्मत न होने से पानी की टंकी भरभराकर गिर न जाए। हैरत की बात यह है कि शिकायत के बाद भी उनकी समस्या का समाधान नहीं किया जा रहा।

युवती के मोबाइल पर अश्लील संदेश भेजे

दादरी। कस्बे निवासी युवती ने दिल्ली के रहने वाले युवक पर अश्लील मैसेज और वीडियो भेजने का आरोप लगाया है। पीड़िता का कहना है कि विरोध करने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देता है। पीड़िता ने आरोपी की हरकत से परेशान होकर पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक युवती ने बताया कि उसके मोबाइल पर अरमान नाम का युवक अश्लील मैसेज और वीडियो भेजता है। वह कॉल कर अश्लील बातें करता है। उसने उसका फोन हैक कर रखा है। आरोपी ने युवती के कुछ परिचितों के नंबर पर भी अश्लील मैसेज और वीडियो भेजे। वह इंस्टाग्राम आईडी पर भी अश्लील मैसेज और वीडियो भेज रहा है। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। आरोपी के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

मेहनत और अनुशासन को जीवन का हिस्सा बनाने की अपील

ग्रेटर नोएडा। आईआईएमटी कॉलेज में गुरुवार को नए शैक्षणिक सत्र के छात्रों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें बीबीए, बीसीए, बीकॉम, बीएजेएमसी और एमजेएमसी के विद्यार्थियों ने भाग लिया। वक्ताओं ने युवाओं को मीडिया की बदलती दुनिया, करियर की चुनौतियों और सफलता के मूल मंत्रों से रूबरू कराया। छात्रों से आह्वान किया कि वे अपनी जिज्ञासा को जीवित रखें और कठिन मेहनत तथा अनुशासन को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं, क्योंकि यही सफलता की असली चाबी है।

जिले के 10 हजार व्यावसायिक वाहनों को स्क्रैप करने पर मिलेगा सरकारी छूट का लाभ

प्रात: किरण संवाददाता

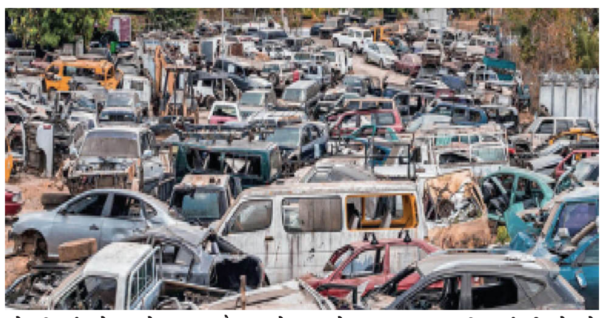

गाजियाबाद। परिवर्तन योजना के तहत अधिकृत सेंटर पर पुराने वाहनों को स्क्रैप कराने पर कई तरह की सरकारी छूट का लाभ मिलेगा। अकेले गाजियाबाद में 10 हजार वाहन स्वामी इस छूट का लाभ उठा सकते हैं। उन्हें बीएस-6, ईवी और सीएनजी के नए वाहन खरीदने पर टैक्स और पंजीकरण में शत प्रतिशत की छूट मिलेगी। इसके साथ ही कई अन्य लाभ भी मिलेंगे। परिवहन विभाग के आंकड़ों के अनुसार गाजियाबाद में यूरो-1 श्रेणी के पांच, यूरो-2 के 1551, यूरो-3 के 2285 और यूरो-4 श्रेणी के 6142 व्यावसायिक वाहन पंजीकृत हैं। इस तरह जिले में कुल 9983 पुराने व्यावसायिक वाहन हैं। जिले में तीन स्क्रैप सेंटर खुले हुए हैं, जो सासन से अधिकृत हैं। इन वाहनों को परिवर्तन योजना के तहत स्क्रैप कराने और प्रमाणपत्र (सीओडी) प्रस्तुत करने पर नए बीएस-6, इलेक्ट्रिक या सीएनजी वाहन की खरीद पर लाभ मिलेगा। एआरटीओ प्रशासन अशोक श्रीवास्तव ने बताया कि नए वाहन पर ऋण के ब्याज पर केंद्र सरकार की ओर से पांच प्रतिशत तक अनुदान का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा वाहन निर्माता की ओर से नए वाहन की कीमत पर आठ प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी। एआरटीओ के मुताबिक नए बीएस-6 वाहन खरीदने पर परमिट शुल्क के साथ देय मार्ग कर में शत-प्रतिशत की छूट दी जाएगी। पुराने बीएस-6, ईवी, सीएनजी वाहन खरीदने पर 50 प्रतिशत टैक्स छूट का प्रावधान है। दोनों श्रेणी में यह व्यवस्था 10 साल तक रहेगी। एक वर्ष से पूर्व की लंबित बकाया देयता का 100 प्रतिशत माफ किया जाएगा। योजना के तहत खरीदे गए नए वाहनों के पंजीकरण शुल्क में भी 100 प्रतिशत छूट मिलेगी। ईंधन में भी मिलेगा लाभ परिवर्तन योजना के तहत वाहनों को स्क्रैप कर नए बीएस-6 डीजल, सीएनजी और इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने वालों को ईंधन खर्च में भी पांच साल तक राहत मिलेगी। बीएस-6 डीजल और सीएनजी वाहनों को मासिक ईंधन भत्ते का प्रावधान किया गया है। हल्के वाहनों के लिए 1200 रुपये, मध्यम वाहनों के लिए 2500 रुपये और भारी वाहनों के लिए 4800 रुपये प्रतिमाह तक ईंधन भत्ता दिया जाएगा। वहीं इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने पर भी पांच वर्ष तक ईंधन के विकल्प के रूप में प्रोत्साहन राशि मिलेगी।

मधुबन-बापूधाम योजना में 109 भूखंडों का ई-लॉटरी से आवंटन

प्रात: किरण संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद की मधुबन-बापूधाम आवासीय योजना में बुधवार को 109 आवासीय भूखंडों का कंप्यूटरीकृत ई-लॉटरी के माध्यम से आवंटन किया गया। कुल 16,478 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें जांच के बाद 16,436 आवेदनों को पात्र पाया गया। सीमित संख्या में उपलब्ध भूखंडों के लिए पात्र आवेदकों के बीच कंप्यूटरीकृत प्रक्रिया के माध्यम से चयन किया गया। आवंटन प्रक्रिया के दौरान चयनित आवेदकों के मोबाइल फोन पर संदेश पहुंचा। भूखंड पाने वाले आवेदकों में खुशी का माहौल देखने को मिला। एक सफल आवेदक अमित सिंह राणा ने कहा कि भूखंड का आवंटन उनके परिवार के अपने घर के सपने को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। 4 श्रेणियों में हुआ 109 भूखंडों का आवंटन ई-लॉटरी में 4 श्रेणियों के भूखंड शामिल किए गए। टाइप-ए श्रेणी में 200 वर्गमीटर क्षेत्रफल वाले 24 भूखंड, टाइप-बी में 150 वर्गमीटर वाले 49 भूखंड, टाइप-सी में 120 वर्गमीटर वाले 24 भूखंड और टाइप-डी में 115 वर्गमीटर वाले 12 भूखंड शामिल रहे। इस प्रकार कुल 109 भूखंडों का आवंटन किया गया। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के अधिकारियों के अनुसार, सफल आवेदकों की आवश्यक औपचारिकताएं पूरी होने के बाद भूखंडों का कब्जा देने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। सर्वर में आई तकनीकी समस्या ई-लॉटरी की प्रक्रिया सुबह 11:30 बजे शुरू हुई। इस दौरान सर्वर में तकनीकी समस्या आने के कारण कुछ समय के लिए प्रक्रिया प्रभावित हुई। सभागार में मौजूद आवेदकों ने इसे लेकर सवाल भी उठाए। अधिकारियों और तकनीकी विशेषज्ञों ने आवेदकों के सवालों का जवाब दिया। करीब डेढ़ घंटे बाद प्रक्रिया दोबारा आगे बढ़ी और चयनित आवेदकों के नाम सभागार में लगी स्क्रीन पर प्रदर्शित किए गए। अधिकारियों ने प्रक्रिया को कंप्यूटरीकृत और पारदर्शी बनाए रखने की बात कही।

शराब पीने के दौरान दोस्त ने डंडे से किया हमला, घायल दिलीप की मौत

गाजियाबाद। गाजियाबाद के ट्रोनिका सिटी थाना क्षेत्र में शराब पीने के दौरान हुए विवाद में एक व्यक्ति ने अपने साथी के सिर पर डंडे से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल व्यक्ति की उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान 50 वर्षीय दिलीप कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। यह घटना गढ़ी कटिया अंडरपास के पास बुधवार रात की बताई जा रही है। दिलीप कुमार और आरोपी नरेंद्र एक कचौड़ी-ब्रेड पकौड़े की दुकान पर काम करते थे। दुकान बंद होने के बाद दोनों अंडरपास के पास बैठकर शराब पी रहे थे। इसी दौरान दोनों के बीच किसी बात को लेकर गाली-गलौज और विवाद शुरू हो गया। पुलिस के अनुसार, विवाद बढ़ने पर नरेंद्र ने कथित तौर पर डंडे से दिलीप कुमार पर हमला कर दिया। सिर और शरीर पर चोट लगने के बाद दिलीप गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की जानकारी मिलने पर दुकान मालिक रोहित चौधरी मौके पर पहुंचे और घायल दिलीप को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। गुरुवार सुबह करीब 3:00 बजे पुलिस को अस्पताल में दिलीप कुमार के भर्ती होने की सूचना मिली। पुलिस के अनुसार, उसके शरीर पर चोट के निशान थे और चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस की प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, दिलीप कुमार गढ़ी कटिया अंडरपास के पास रोहित चौधरी की कचौड़ी-ब्रेड पकौड़े की दुकान पर काम करता था। दुकान मालिक ने बताया कि दिलीप करीब 15 दिन पहले ही वहां काम करने आया था। दिलीप के साथ नरेंद्र और अन्य कर्मचारी भी उसी दुकान पर काम करते थे। बुधवार रात दुकान बंद होने के बाद दिलीप और नरेंद्र ने साथ बैठकर शराब पी। इसी दौरान किसी बात को लेकर दोनों में विवाद हो गया एसीपी लोनी रामकिशन ने बताया कि पुलिस को गुरुवार सुबह करीब 3:00 बजे दिलीप कुमार को अस्पताल लाए जाने की सूचना मिली थी। उसके शरीर पर चोट के निशान पाए गए थे और अस्पताल में उसकी मौत हो गई। पुलिस ने घटना के संबंध में जानकारी जुटानी शुरू कर दी है।

पहली मेरिट सूची में बीए में सबसे ज्यादा दाखिले, कई सीटें अब भी खाली

प्रात: किरण संवाददाता

नोएडा। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सेक्टर-39 में पहली मेरिट सूची के आधार पर स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया पूरी हो गई है। इसमें बीए में सबसे अधिक 123 विद्यार्थियों ने दाखिला लिया है। हालांकि पहली मेरिट सूची के बाद भी कॉलेज में कई सीटें खाली हैं। बुधवार को दूसरी कटऑफ जारी होने की संभावना है। पहली मेरिट के आधार पर बीए की 350 सीटों में 123 सीटों पर प्रवेश हुआ है। बीकॉम की 160 सीटों में 46 विद्यार्थियों ने दाखिला लिया। विज्ञान वर्ग के विभिन्न पाठ्यक्रमों में कुल 39 प्रवेश हुए हैं। वहीं एमएससी जूलॉजी में सात, एमए इकोनॉमिक्स में 14 और एमकॉम में 22 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। कॉलेज में बीए और बीकॉम जैसे परंपरागत पाठ्यक्रमों के प्रति विद्यार्थियों की रुचि अधिक दिखाई दे रही है। दूसरी ओर विज्ञान वर्ग के कुछ पाठ्यक्रमों में अभी कई सीटें खाली हैं। कॉलेज प्रशासन को दूसरी मेरिट सूची में अधिक प्रवेश होने की उम्मीद है। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अनीता मिश्रा ने बताया कि पहली कटऑफ के आधार पर प्रवेश प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। बीए में सबसे अधिक 123 दाखिले हुए हैं। खाली सीटों पर दूसरी कटऑफ के आधार पर प्रवेश दिए जाएंगे।

प्रबंधकों ने काम का बोझ कम करने की गुहार लगाई

ग्रेटर नोएडा। प्राधिकरण के प्रबंधक काम के बोझ से परेशान हैं। काम का बोझ कम करने के लिए ग्रेटर नोएडा के एसीईओ कार्मिक को पत्र लिखकर एक से अधिक विभागों का जिम्मा देने के बजाय प्रत्येक प्रबंधक को एक काम देने की मांग की है। दरअसल, ग्रेटर नोएडा के नालेज पार्क स्थित कलाधाम सोसाइटी में नलकूप की बोरिंग के लिए खोदे गए पानी से भरे गड्ढे में डूबने से बीते माह छह साल के बच्चे की मौत हो गई थी। इस मामले में वरिष्ठ प्रबंधक जल, प्रबंधक और सहायक प्रबंधक के खिलाफ कार्रवाई की गई थी। वहीं, सुपरवाइजर और तकनीकी सुपरवाइजर को जेल भेजा जा चुका है। जांच में बड़ी लापरवाही पाई गई थी। उच्चाधिकारियों के आदेश पर सुपरवाइजर, तकनीकी सुपरवाइजर, सहायक प्रबंधक, प्रबंधक और वरिष्ठ प्रबंधक की जिम्मेदारी तय कर दी गई है। प्राधिकरण के सभी प्रबंधकों ने एसीईओ कार्मिक को पत्र लिखकर मांग की है कि प्रत्येक प्रबंधक को केवल एक ही विभाग का कार्यभार आवंटित किया जाए। कार्य का पुनर्निर्धारण किया जाए। उनका कहना है कि वर्तमान में एक प्रबंधक को कई विभाग दिए गए हैं। इससे परियोजनाओं की नियमित निगरानी, विभागीय बैठकें, कोर्ट केस और जनशिकायतों के निस्तारण जैसे जरूरी कामों में दिक्कत आ रही है। प्रबंधकों के मुताबिक एक से अधिक विभाग का जिम्मा होने से प्राथमिकता तय करने में भी परेशानी होती है, जिसका असर काम की गुणवत्ता और समयबद्धता पर पड़ रहा है।

80 हजार की लूट का पदार्फाश, 46 हजार रुपये के साथ आरोपी गिरफ्तार

प्रात: किरण संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। सूरजपुर कोतवाली पुलिस ने मलकपुर गांव स्थित जनसेवा केंद्र में हुई 80 हजार रुपये की लूट का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान दादरी के काशीराम कॉलोनी निवासी ओमकार (24) के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से लूट की रकम में से 46,250 रुपये, वारदात में इस्तेमाल की गई लाइटरनुमा पिस्टल और बिना नंबर की बाइक बरामद की है। पुलिस फरार दूसरे आरोपी मोनू की तलाश में जुटी है। एसीपी सेंट्रल नोएडा राजीव कुमार गुप्ता का कहना है कि 13 अगस्त की दोपहर मलकपुर गांव स्थित ओम शांति जनसेवा केंद्र पर दो नकाबपोश बदमाश बाइक से पहुंचे थे। उस समय केंद्र का संचालक किसी काम से बाहर गया हुआ था और उसका नौकर दुकान पर मौजूद था। आरोपियों ने हथियार दिखाकर उसे डराया और गल्ले में रखे करीब 80 हजार रुपये लूट लिए थे। जांच के आधार पर पुलिस ने बृहस्पतिवार को आईटीबीपी के सामने सर्विस रोड से ओमकार को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से 46,250 रुपये बरामद हुए। पहले की रेकी, फिर साथी के साथ बनाई योजनाः पूछताछ में ओमकार ने पुलिस को बताया कि वह वारदात से पहले किसी काम से जनसेवा केंद्र गया था। वहां उसने संचालक को गल्ले में रुपये रखते हुए देख लिया था। इसके बाद उसने अपने साथी मोनू को इसकी जानकारी दी। दोनों ने जनसेवा केंद्र में लूट की योजना बनाई। 13 अगस्त को संचालक के बाहर जाने के बाद दोनों हेलमेट लगाकर और पहचान छिपाने के लिए शर्ट के ऊपर दूसरी शर्ट पहनकर केंद्र पहुंचे। इसके बाद लूट की वारदात को अंजमा दिया। आरोपी ने बताया कि लूट की रकम में से 60 हजार रुपये उसने अपने पास रखे और 20 हजार रुपये साथी मोनू को दे दिए थे। पुलिस मोनू की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

सड़क की मरम्मत खुद ही लोगों ने कराई

गाजियाबाद। बारिश होने पर खराब हुई मणिकर्णिका रोड की मरम्मत खुद ही लोगों ने अपने स्तर से कराई है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि सीजन की पहली बारिश होने के बाद सड़क खराब हो गई। इससे आवागमन में परेशानी होती थी। मणिकर्णिका रोड राजकुमार त्यागी मार्ग और राजनगर एक्सटेंशन रोड को जोड़ती है। इस मार्ग पर करीब पांच सोसाइटी स्थित है। इन सभी सोसाइटी के लोग इस मार्ग से ही आना जाना करते हैं। कुछ दिनों पहले हुई बारिश के बाद मार्ग की सड़क खराब हो गई थी। इसके चलते निवासियों को रोजाना आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ता था। इस समस्या को देखते हुए स्थानीय निवासी रंगनाथ, दीपक शर्मा और पंडित शिशिर शर्मा ने पहल करते हुए सड़क के पुनर्निर्माण का कार्य अपने स्तर से कराया। तीनों ने लोगों की परेशानी को समझते हुए आगे बढ़कर सड़क की मरम्मत कराई। इस कार्य को लेकर अन्य स्थानीय निवासियों ने उनका आभार व्यक्त किया। निवासियों का कहना है कि सरकारी स्तर पर सड़कों के मरम्मत को लेकर किए जा रहे कार्य में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

ग्रीन हाइड्रोजन पर रिसर्च होगी तेज, युवाओं को जापान में मिलेगा रोजगार

प्रात: किरण संवाददाता

यमुना सिटी। भारत और जापान मिलकर ग्रीन हाइड्रोजन प्रोजेक्ट पर काम करेंगे। भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए इस पर रीसर्च को तेज किया जाएगा। भारतीय युवाओं के लिए भी जापान में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। इसके लिए बृहस्पतिवार को जापान के यामानाशी प्रांत के गवर्नर कोतारो नागासाकी ने गलगोटिया यूनिवर्सिटी के साथ एमओयू साइन किया। प्रदेश के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह, जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह की मौजूदगी में नागासाकी अपने 200 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल विश्वविद्यालय पहुंचे। यहां सभी का भारतीय परंपरा के अनुरूप स्वागत किया गया। फिर विद्यार्थियों के लिए वैश्विक कॅरिअर के अवसर और संयुक्त ग्रीन हाइड्रोजन अनुसंधान को गति देने के लिए यामानाशी प्रीफेक्चुरल सरकार ने दो समझौतों पर हस्ताक्षर किए। गवर्नर कोतारो नागासाकी और यूनिवर्सिटी के चांसलर सुनील गलगोटिया ने समझौते पर संयुक्त रूप से हस्ताक्षर किए। भविष्य में यूनिवर्सिटी कैंपस में जापान के साथ मिलकर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की भी स्थापना की जाएगी जिससे विभिन्न शोध और वैज्ञानिक प्रयोगों को गति प्रदान की जा सके। जापान के निवेश के रास्ते भी खुलेंगे। कार्यक्रम के दौरान यामानाशी प्रांत के उप-गवर्नर जुनिची इशिदेरा, यामानाशी सरकार के एडवाइजर नीरेंद्र उपाध्याय, यमुना प्राधिकरण के सीईओ राकेश सिंह, एसीईओ शैलेंद्र भाटिया, यूनिवर्सिटी के सीईओ डॉ. ध्रुव गलगोटिया मौजूद रहे। जापान के गवर्नर बोले, युवा होते तो भारत में करते पढ़ाई कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में जापानी और भारतीय छात्र-छात्राएं भी मौजूद रहे। इस दौरान दोनों देशों के युवाओं ने साथ मिलकर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। जापानी गवर्नर ने कहा कि अगर वह युवा होते और 30 साल पहले यहां आए होते तो वह खुद यूनिवर्सिटी में प्रवेश ले लेते और यहीं रहकर पढ़ाई करते। वहीं यूनिवर्सिटी के चांसलर सुनील गलगोटिया ने कहा कि भारत और जापान की मित्रता ज्ञान, अनुशासन और पारस्परिक सम्मान के साझा मूल्यों पर आधारित है।

सेमीकंडर के भविष्य पर मंथन के लिए दिग्गज जुटे

नोएडा। सेमीकंडक्टर और इंटेलिजेंट कंप्यूटिंग सिस्टम के क्षेत्र में भविष्य की तकनीकों पर चर्चा के लिए जेपी इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (जेआईआईटी) में गुरुवार को 30वें इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन वीएलएसआई डिजाइन एंड टेस्ट (वीडीएटी) का शुभारंभ हुआ। तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में देश-विदेश के दिग्गज मंथन करने के लिए जुटे हैं। सम्मेलन की थीम एडवांसिंग इंटेलिजेंट सिक्योर एंड क्वांटम-रेडी सेमीकंडक्टर सिस्टम्स फॉर द नेक्स्ट एरा ऑफ कंप्यूटिंग रखी गई है। वीडीएटी का आयोजन पहली बार उत्तर प्रदेश में किया जा रहा है। विशेषज्ञों ने कहा कि नोएडा-ग्रेटर नोएडा क्षेत्र इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग, सेमीकंडक्टर निवेश, डाटा सेंटर और आधुनिक तकनीक के क्षेत्र में तेजी से उभर रहा है। यह सम्मेलन प्रदेश में तकनीकी नवाचार और हाईटेक रोजगार के अवसर बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचीं इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की वैज्ञानिक-जी और आरएंडडी डिवीजन की ग्रुप कोऑर्डिनेटर सुनीता वर्मा ने कहा कि भारत को सेमीकंडक्टर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए चिप डिजाइन, फैब्रिकेशन, एडवांस पैकेजिंग, टेस्टिंग, मैटेरियल और बौद्धिक संपदा के क्षेत्र में क्षमताएं बढ़ानी होंगी। उन्होंने एआई, एज कंप्यूटिंग, हार्डवेयर सिक्योरिटी, चिपलेट्स और क्वांटम तकनीक के महत्व पर भी प्रकाश डाला। वहीं, विशिष्ट अतिथि सेमीकंडक्टर लेबोरेटरी मोहाली के महानिदेशक डॉ. कमलजीत सिंह विशिष्ट ने कहा कि भारत में मजबूत सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम विकसित करने के लिए सरकार, उद्योग और शिक्षण संस्थानों के बीच बेहतर तालमेल जरूरी है। इससे देश में स्वदेशी तकनीक और अनुसंधान को बढ़ावा मिलेगा।

श्रीलंकाई ऊर्जा मंत्री ने नोएडा की सोलर यूनिट देखकर कहा- श्रीलंका लेगा भारत से सीख

प्रात: किरण संवाददाता

नोएडा। श्रीलंका सरकार के ऊर्जा मंत्री अनुरा करुणातिलका ने अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ फेज-2 स्थित जैक्सन कंपनी की सोलर मॉड्यूल निर्माण इकाई का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कंपनी सोलर यूनिट की नई तकनीक की तारीफ की। बता दें, फेज दो में निजी कंपनी की ओर से संचालित 1.2 गीगावाट क्षमता का अत्याधुनिक और पूर्णतः स्वचालित सोलर मॉड्यूल स्थापित है। जहां उच्च दक्षता वाले पी-टाइप और एन-टाइप टॉप कॉन मॉड्यूल तैयार किए जाते हैं। उन्हें कंपनी की इलेक्ट्रोलाइजर निर्माण और ग्रीन एनर्जी समाधानों से जुड़ी गतिविधियों की भी जानकारी दी गई। ऊर्जा मंत्री अनुरा करुणातिलका ने कहा कि भारत ने नवीकरणीय ऊर्जा और ग्रीन टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में उल्लेखनीय विशेषज्ञता विकसित की है, जिससे श्रीलंका सीख ले सकता है। वहीं, फेसझ्2 स्थित जैक्सन ग्रुप के वाइस प्रेसिडेंट सुंदीप गुप्ता ने कहा कि यह दौरा दोनों पक्षों के बीच स्वच्छ ऊर्जा और तकनीकी सहयोग के नए अवसरों को मजबूत करेगा। बैठक में भविष्य में नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं और उभरती स्वच्छ तकनीकों पर साझेदारी की संभावनाओं पर भी विचार-विमर्श किया गया।

ट्रक की टक्कर से युवक की मौत, दो दोस्त घायल

नोएडा। सेक्टर-15 गोलचक्कर के पास मंगलवार देर रात ट्रक की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि उसके दो दोस्त घायल हो गए। हादसे के समय तीनों दोस्त एक बाइक पर सवार होकर सेक्टर-18 में भोजन करने जा रहे थे। पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बिहार के जिला पश्चिमी चंपारण के बसोरिया गांव निवासी शशिकांत मिश्रा ने पुलिस को बताया कि उनका भतीजा संदेश कुमार पिछले दिनों दिल्ली-एनसीआर में नौकरी की तलाश में आया था। वह दिल्ली के न्यू अशोक नगर में दो दोस्तों के साथ एक कमरे में किराये पर रहता था। वह मंगलवार देर रात दो दोस्तों दीपक कुमार और विनीत कुमार के साथ किराये के कमरे से निकलकर सेक्टर-18 की मार्केट में भोजन करने जा रहा था। तीनों करीब 12.30 बजे बाइक लेकर कमरे से निकले और सेक्टर-15 स्थित गोलचक्कर के पास पहुंचे। इसी दौरान सेक्टर-6 की ओर से आ रहे ट्रक के चालक ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। ट्रक चालक टक्कर मारने के बाद भाग गया। स्थानीय लोगों ने तीनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने संदेश कुमार को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल दीपक कुमार का आईसीयू में उपचार चल रहा है। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर लिया है। जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ग्रेनो वेस्ट में युवक को नशीला पदार्थ सूंघाकर लूटपाट

ग्रेटर नोएडा। ग्रेनो वेस्ट में बाइक सवार दो बदमाशों ने युवक को नशीला पदार्थ सूंघाकर लूट लिया। बदमाश पीड़ित से उसकी बाइक और जेब में रखे करीब 1500 रुपये लूटकर ले गए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। बिसरख कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक खेड़ा चौगानपुर गांव में प्रवीण कुमार किराये के मकान में रहता है। प्रवीण ने पुलिस को बताया कि वह तीन अगस्त की शाम को नोएडा से अपने घर लौट रहा था। डी मार्ट के समीप पुलिया पर वह अपनी बाइक साइड में रोककर खड़ा था। इस बीच पीछे से आए बाइक सवार दो बदमाशों ने पीड़ित के सिर पर कपड़ा डाल दिया। इसके बाद पीड़ित को कुछ नशीला पदार्थ सुंघाया। इसके बाद पीड़ित बेहोश होकर नीचे गिर गया। पीड़ित के बेहोश होने पर आरोपी उसकी बाइक और जेब में रखे 1500 रुपये लेकर फरार हो गए। पीड़ित के मुताबिक रात में करीब 9:00 बजे बदमाशों ने घटना को अंजाम दिया। इसके बाद सुबह 4:00 बजे उसे होश आया। पीड़ित ने देखा तो उसकी बाइक और जेब में रखे रुपये गायब थे। इसके बाद पीड़ित ने पुलिस से संपर्क किया। पुलिस ने अब इस मामले में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। पुलिस की टीम लुटेरों की तलाश में जुटी है। लुटेरों को गिरफ्तार कर घटना का खुलासा किया जाएगा।

निगम खाली पड़ी जमीन की चारदीवारी कर सुरक्षित करेगा

प्रात: किरण संवाददाता

ट्रांस हिंडन। नगर निगम अब अपनी खाली पड़ी जमीनों को अभियान चलाकर भूमाफियाओं और अवैध कब्जों से बचाने की तैयारी कर रहा है। इसके तहत निगम की ऐसी सरकारी जमीनों को चिह्नित किया जाएगा, जो लंबे समय से खाली पड़ी हैं या जिन पर अवैध कब्जा किया हुआ है और अन्य पर कब्जे की आशंका बनी रहती है। ऐसी जमीनों को चिन्हित करने के बाद चारदीवारी कराकर उन्हें सुरक्षित किया जाएगा। साथ ही, इन भूखंडों पर संपत्ति के स्वामित्व और अन्य जरूरी जानकारी वाले बोर्ड लगाए जाएंगे, ताकि यह स्पष्ट रहे कि जमीन नगर निगम की संपत्ति है। नगर निगम क्षेत्र में कई स्थानों पर सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जे और अतिक्रमण की शिकायतें लगातार आ रही है। हालही के दिनों में महापौर ने शिकायतों पर कार्रवाई कर कई भुखंडों को खाली भी कराया है। महापौर सुनीता दयाल ने बताया कि खाली भूखंडों पर अस्थायी निर्माण, मलबा डालने और अन्य गतिविधियों के कारण निगम की संपत्ति पर कब्जे की स्थिति बन जाती है। ऐसे मामलों को रोकने के लिए संबंधित विभागों से जमीनों का विवरण जुटाकर सर्वे कराया जाएगा। अभियान के दौरान राजस्व अभिलेखों के आधार पर निगम की संपत्तियों की पहचान की जाएगी और संवेदनशील जमीनों को प्राथमिकता के आधार पर सुरक्षित किया जाएगा। बोर्ड से होगी निगम संपत्ति की स्पष्ट पहचान चारदीवारी के साथ प्रत्येक चिह्नित भूखंड पर नगर निगम की संपत्ति संबंधी बोर्ड लगाए जाएंगे। बोर्ड पर जमीन का विवरण, स्वामित्व और अतिक्रमण न करने संबंधी चेतावनी अंकित की जा सकती है। इससे स्थानीय लोगों को भी जमीन की वास्तविक स्थिति की जानकारी मिलेगी और किसी व्यक्ति के लिए उस पर निजी स्वामित्व का दावा करना आसान नहीं होगा।

संक्षिप्त समाचार

सीपीएल 2026

गुयाना अमेजन वारियर्स ने सेंट लूसिया किंग्स को 7 विकेट से हराया

सेंट लूसिया, एजेंसी। कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 में डैरेन सैमी नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में हुए मुकाबले में सेंट लूसिया किंग्स ने गुयाना अमेजन वारियर्स को 7 विकेट से हरा दिया। टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी सेंट लूसिया किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट के नुकसान पर 151 रन बनाए थे। चरिथ असलांका ने 28 गेंदों पर 2 छक्कों और 1 चौके की मदद से 35 रन बनाए। इसके अलावा एंड्रिज गॉस ने 20, कामिल पूरन ने 19, डैरोन नेड ने 17, मैथ्यू फोर्ड और कप्तान रोस्टन चेज ने 14-14 रन बनाए। गुयाना अमेजन वारियर्स के लिए ड्वायन प्रिटोरियस ने 3, शमार जोसेफ ने 2 और रोमारियो शेफर्ड ने 1 विकेट लिए। 152 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी गुयाना को ग्लेन फिलिप्स और मावेंद्र दिनदयाल ने तेज शुरुआत दी। दोनों ने पहले विकेट के लिए 10.3 ओवर में 79 रन जोड़े। फिलिप्स 26 गेंदों पर 2 छक्कों और 2 चौकों की मदद से 36 रन बनाकर आउट हुए। दिनदयाल ने अर्धशतक लगाया। उन्होंने 51 गेंदों पर 2 छक्कों और 5 चौकों की मदद से 50 रन की पारी खेली। वह दूसरे विकेट के रूप में तब आउट हुए, जब टीम का स्कोर 14 ओवर में 107 रन था। कप्तान शे होप 17 रन बनाकर आउट हुए। शिमरोन हिटमायर 11 गेंदों पर 1 छक्का और 4 चौकों की मदद से 25 और सैंपसन 4 गेंदों पर 13 रन बनाकर नाबाद रहे। हिटमायर ने छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई। गुयाना ने 3 विकेट के नुकसान पर 18.1 ओवर में 157 रन बनाए और 7 विकेट से मैच जीता। सेंट लूसिया की तरफ से महिश तिक्षाणा ने 2, जबकि जोशुआ बिशप ने 1 विकेट लिए। गुयाना अमेजन वारियर्स की सीजन के दूसरे मैच में यह दूसरी जीत थी, जबकि सेंट लूसिया की पांचवें मैच में यह तीसरी हार थी।

एसीबी ने नूर अहमद का एनओसी रद्द किया, सीपीएल से बाहर हुए अफगान स्पिनर

नई दिल्ली, एजेंसी। कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 में सेंट लूसिया किंग्स को एक बड़ा झटका लगा है। अफगानिस्तान के बाएं हाथ के स्पिनर नूर अहमद सीपीएल के बचे मैचों में सेंट लूसिया किंग्स के लिए नहीं खेल पाएंगे। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने नूर अहमद उनका नो-ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) रद्द कर दिया है। सेंट लूसिया किंग्स ने नूर अहमद के विकल्प के रूप में न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज और विकेटकीपर टिम सीफर्ट को साइन किया है। सेंट लूसिया किंग्स द्वारा जारी बयान में कहा गया, 'नूर अब बाकी टूर्नामेंट में सेंट लूसिया किंग्स का प्रतिनिधित्व करने के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। फ्रेंचाइजी इस बात से निराश है कि नूर टीम में शामिल नहीं हो पाएंगे। हम उन्हें शुभकामनाएं देते हैं।' बयान में आगे कहा गया, 'सेंट लूसिया किंग्स टिम सीफर्ट का स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं, जो अभी स्क्वाड में शामिल होने के लिए सेंट लूसिया जा रहे हैं।' नूर ने 2020 में किंग्स (तब सेंट लूसिया जॉक्स) के साथ करार किया था। वीजा दिक्कतों की वजह से उन्हें उनके लिए खेलने का मौका नहीं मिला। सीपीएल 2024 में वह टीम के लिए खेले और 12 मैचों में 22 विकेट लेकर न सिर्फ टूर्नामेंट के सबसे सफल गेंदबाज रहे, बल्कि टीम को चैंपियन बनाया।

आईपीएल मत खेलना वरना...

मानव सुतार को मिली चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। मानव सुतार टीम इंडिया के नए स्टार बन गए हैं. श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में उन्होंने कुल 10 विकेट लेकर ऐतिहासिक प्रदर्शन किया. उन्होंने अभी तक अपने टेस्ट करियर में सिर्फ 2 मैच खेले हैं, लेकिन उन्हें रवींद्र जडेजा का उत्तराधिकारी माना जा रहा है, क्योंकि सुतार जडेजा की ही तरह लेफ्ट-आर्म स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर हैं.

सुतार के दमदार प्रदर्शन की बदौलत टीम इंडिया ने गॉल टेस्ट में 165 रनों से जीत दर्ज की थी. मगर पूर्व क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा ने उन्हें चेतावनी दे डाली है. पुजारा ने सलाह देते हुए कहा कि इस स्टार स्पिन गेंदबाज को इंडियन प्रीमियर लीग में नहीं जाना चाहिए. साथ ही पुजारा ने टीम इंडिया मैनेजमेंट से आग्रह किया कि मानव सुतार को रेड बॉल स्पेशलिस्ट गेंदबाज बनाया जाए. चेतेश्वर पुजारा ने कहा कि युवा खिलाड़ियों के भीतर छोटे फॉर्मेट में खेलने की लालसा होती है, लेकिन मानव सुतार को ऐसा करने से बचना चाहिए. पुजारा के अनुसार सुतार ने आईपीएल खेला तो इसका उनकी गेंदबाजी स्किल्स पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है. पुजारा ने कहा, 'सभी युवा खिलाड़ियों चाहते होंगे कि उन्हें छोटे फॉर्मेट में खेलने का अवसर मिले, लेकिन टीम इंडिया को उन्हें (मानव सुतार) को टेस्ट स्पेशलिस्ट बनाना चाहिए. उनका भी आईपीएल में खेलने का मन कर सकता है, लेकिन वहां मत जाना. उन्हें अगर आईपीएल में खेलने का मौका मिलता है, तो वह अच्छा होगा लेकिन जो आपकी ताकत है उसको मत बदलना.'

गुजरात टाइटंस का हिस्सा हैं सुतार

मानव सुतार अभी गुजरात टाइटंस फ्रेंचाइजी का हिस्सा हैं. अपने आईपीएल करियर में उन्होंने अब तक केवल 5 मैच खेले हैं, जिनमें वो सिर्फ 2 विकेट ले पाए हैं. इनमें 4 मुकाबले उन्होंने आईपीएल 2026 में खेले थे. ओवरऑल टी20 करियर में उन्होंने अब तक 29 मैच खेले हैं, जिनमें उनके नाम 25 विकेट हैं और इकोनॉमी रेट सिर्फ 7.33 का है.

मानव सुथार के 10 विकेट लेने के पीछे का 'सीक्रेट' पता चल गया

टीम इंडिया के युवा स्पिनर मानव सुथार ने श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट के बाद अपनी शानदार गेंदबाजी का राज खोला है। हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ गॉल इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए टेस्ट में 10 विकेट लेकर सुर्खियों में आने वाले मानव सुथार ने बताया कि उनकी सफलता के पीछे 'स्पॉट बॉलिंग' और दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का अहम योगदान है। एक वीडियो में सुथार ने बताया कि वह बचपन में 14-15 साल की उम्र से ही रोजाना 30 से 35 ओवर गेंदबाजी का अभ्यास करते थे। उनका मुख्य फोकस स्पॉट बॉलिंग (एक ही जगह पर लगातार गेंद डालना) पर रहता था। उनका मानना है कि स्पॉट बॉलिंग से ही किसी भी गेंदबाज की सबसे बेस्ट बॉल तैयार होती है। इसके अलावा सुथार ने बताया कि वह बड़े होते हुए रविचंद्रन अश्विन को अपना आदर्श मानते थे। अश्विन की गेंदबाजी और उनकी विविधताओं ने उन्हें हमेशा प्रेरित किया। गॉल टेस्ट के पहली पारी में सुथार ने 4 और दूसरी पारी में 6 विकेट अपने नाम किए थे। उनकी इस बॉलिंग की बदौलत भारत ने पहले टेस्ट में श्रीलंका को 165 रन से करारी शिकस्त दी।

भारत से हार के बाद श्रीलंकाई टीम को ट्रिपल झटका...

दूसरे टेस्ट से 2 स्टार बाहर, एक पर सस्पेंस

नईदिल्ली, एजेंसी। गॉल टेस्ट में श्रीलंकाई टीम को भारत के हाथों 165 रनों की बड़ी हार झेलनी पड़ी थी. अब श्रीलंका को सीरीज बराबर करने के लिए दूसरा टेस्ट जीतना ही होगा. हार या ड्रॉ होने की स्थिति में भारत सीरीज अपने नाम कर लेगा. दूसरा टेस्ट मैच 23 अगस्त से कोलंबो के सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में होना है. कोलंबो टेस्ट से पहले श्रीलंका की मुश्किलें और बढ़ गई हैं. कुसल मेंडिस और दिनेश चांदीमल दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं, जबकि पथुम निसंका के खेलने पर भी संशय बना हुआ है. श्रीलंका के हेड कोच गैरी कर्स्टन ने गॉल टेस्ट के बाद खिलाड़ियों की चोट को लेकर अपडेट दिया. उन्होंने साफ किया कि कुसल मेंडिस की हैमस्ट्रिंग की चोट गंभीर है और वह फिलहाल टीम के लिए उपलब्ध नहीं होंगे. गैरी कर्स्टन ने कहा, 'कुसल मेंडिस को हैमस्ट्रिंग की गंभीर चोट लगी है. वह कुछ समय तक उपलब्ध नहीं रहने वाले हैं.' श्रीलंका को सबसे बड़ा झटका दिनेश चांदीमल के रूप में लगा है. चांदीमल को गॉल टेस्ट के दौरान फील्डिंग करते समय गर्दन और कंधे में चोट लगी थी. इसके बाद पसिंदु सूरियाबंडारा को उनके स्थान पर कन्कशन सब्स्टीट्यूट के रूप में उतारा गया था. हालांकि सूरियाबंडारा अपनी पहली ही गेंद पर बिना खाता खोले आउट हो गए थे.

मेजर लीग सॉकर

इंटर मियामी और फिलाडेल्फिया यूनियन का मैच 2-2 से हुआ ड्रॉ

चेस्टर, एजेंसी। मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) रेगुलर सीजन एक्शन में इंटर मियामी सीएफ और फिलाडेल्फिया यूनियन के बीच सुबारू पार्क में खेला गया मुकाबला 2-2 से ड्रॉ रहा। मियामी के लिए कप्तान लियोनेल मेसी और डेनियल पिंटर ने 1-1 गोल किए।

मेजबान फिलाडेल्फिया ने मैच का पहला गोल दागा। इंडियाना वासिलिव ने 11वें मिनट में शानदार गोल करते हुए टीम को बढ़त दिलाई। मियामी ने 21वें मिनट में गोल करते हुए बराबरी की। मियामी के लिए 21वें मिनट में डेनियल पिंटर ने गोल दागा। यह एमएलएस में पिंटर का पहला गोल था। पिंटर ने फुटबॉल इतिहास के दो बेहतरीन फुटबॉलर्स की मदद से अपने एमएलएस करियर का पहला गोल दागा। ये दो फुटबॉलर मेसी और लुईस सुआरेज थे। मेसी ने बॉक्स के बाईं ओर सुआरेज को गेंद दी, जिन्होंने हेडर से पास को मोड़कर पिंटर को बीच में पहुंचाया, जहां उन्होंने पास से बॉल को गोल पोस्ट में डाल दिया।

डब्ल्यूडब्ल्यूई का रिंग बना मैदान

खिलाड़ियों में हुई जमकर उठा-पटक, लियोनेल मेसी देखते रहे

चेस्टर (अमेरिका), एजेंसी। मेजर लीग सॉकर में इंटर मियामी के मुकाबले में कुछ ऐसा देखने को मिला, जो डब्ल्यूडब्ल्यूई रिंग में ही दिखता है। वैसे तो फुटबॉल के मैदान पर खिलाड़ियों के बीच विवाद आम है। कई बार हाथापाई भी

हो जाती है। लेकिन इंटर मियामी और फिलाडेल्फिया यूनियन के बीच मुकाबले में बात काफी ज्यादा बढ़ गई। यहां खिलाड़ियों के बीच उठा-पटक हो गया। इस मुकाबले के इंजरी टाइम (101वें मिनट) में इंटर मियामी के डिफेंडर ने फिलाडेल्फिया यूनियन के 16 साल के कैवन सुलिवन के खिलाफ बॉक्स के अंदर टैकल किया। इससे वह गिर गए। इंटर मियामी के दूसरे खिलाड़ी इयान फ्रे ने सुलिवन को सिर पर धक्का देने की कोशिश की। इस बीच कैवन सुलिवन ने फ्रे के पैर से हवा में उठाया और जमीन पर पटक दिया। इसके बाद ऐसे लग रहा था जैसे दोनों खिलाड़ी कुश्ती कर रहे हों। इस बीच दोनों टीमों के अन्य खिलाड़ियों ने आकर बीच बचाव किया।

एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप

भारत ने पाकिस्तान का किया गेम ओवर, 5-3 से चटाई धूल

एम्सटेलवीन (नीदरलैंड्स), एजेंसी। पाकिस्तान के खिलाफ भारत का 'वर्चस्व' बरकरार है। एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 में एम्सटेलवीन के वैगनर स्टेडियम में खेले गए पूल डी के मुकाबले में भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान को 5-3 से हराया। भारत ने मुकाबले की शुरुआत दमदार अंदाज में की और गेंद पर कंट्रोल बनाया। मैच के चौथे मिनट में ही भारतीय टीम को पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसका भरपूर फायदा उठाते हुए कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचा दिया। 1-0 की बढ़त को भारत ने जल्द ही दोगुना कर दिया। मैच के 11वें मिनट में अभिषेक से मिले शानदार पास को मंदीप सिंह ने गोल में तब्दील किया। पहले क्वार्टर में 2-0 की बढ़त के साथ भारतीय टीम का पूरी तरह से दबदबा रहा। दूसरे क्वार्टर का आगाज भी भारतीय टीम ने शानदार तरीके से किया। मैच के 20वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील करते हुए कप्तान हरमनप्रीत ने भारत की बढ़त को 3-0 कर दिया। हालांकि, इसके बाद पाकिस्तान ने मैच में कुछ हद तक वापसी करने की कोशिश की। मैच के 21वें मिनट में पाकिस्तान की तरफ से हन्नान शाहिद ने पहला गोल दागा। इसके ठीक दो मिनट बाद ही अभिषेक ने एक और शानदार गोल दागा और भारत की बढ़त को 4-1 कर दिया। मैच के 24वें मिनट में सुफियान खान ने पाकिस्तान की ओर से दूसरा गोल किया और स्कोर को 4-2 कर दिया। तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में भारत के सुखजीत सिंह को ग्रीन कार्ड मिला। मैच के 34वें मिनट मे भारत ने अपनी बढ़त को 5-2 कर दिया। भारत के लिए पांचवां गोल हार्दिक सिंह ने पेनल्टी स्ट्रोक पर दागा। चौथे और अंतिम क्वार्टर की शुरुआत पाकिस्तान के लिए अच्छी रही। मैच के 45वें मिनट में पाकिस्तान के हन्नान शाहिद ने गोल करते हुए स्कोर को 5-3 कर दिया। इसके बाद भारत और पाकिस्तान की तरफ से गोल करने के कई प्रयास किए गए, लेकिन किसी भी टीम को सफलता हाथ नहीं लगी। हरमनप्रीत की कप्तानी में भारतीय टीम ने पाकिस्तान को गोल करने का कोई और मौका नहीं दिया। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने अगले राउंड में अपनी जगह बना ली है। वहीं, हार के साथ पाकिस्तान का विश्व कप में सफर समाप्त हो गया है।

पाकिस्तानी बल्लेबाज ने बना दिया शर्मनाक रिकॉर्ड... 43 साल में पहली बार हुआ ऐसा

नईदिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला लीड्स के हेडिंग्ले मैदान पर खेला जा रहा है. इस मुकाबले में पाकिस्तान बल्लेबाजों का प्रदर्शन पहली पारी में निराशाजनक रहा और पूरी टीम 171 रनों पर सिमट गई. सलामी बल्लेबाज अजान अवैस ने तो पाकिस्तानी फैन्स की उम्मीदों पर बिल्कुल भी खरे नहीं उतर पाए. मुकाबले की पहली ही गेंद पर ओली रॉबिन्सन ने उन्हें एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया. ओली रॉबिन्सन ने मैच की पहली गेंद वॉबल सीम के साथ फेंकी, जो बाएं हाथ के बल्लेबाज अजान अवैस के लिए अंदर की ओर आई. अजान गेंद की लाइन को सही तरीके से पढ़ नहीं सके और गेंद सीधे उनके पैड से जा टकराई. इंग्लैंड की जोरदार अपील के बाद अंपायर क्रिस गैफनी ने उन्हें आउट करार दिया. अजान अवैस ने अंपायर के फैसले को चुनौती देते हुए तुरंत डीआरएस लिया. रिप्ले में साफ हुआ कि गेंद उनके बल्ले से नहीं लगी थी. इसके बाद बॉल ट्रैकिंग में इम्पैक्ट से लेकर विकेट तक तीनों रेड दिखाई दिए. गेंद मिडिल स्टम्प के ऊपरी हिस्से से टकरा रही थी और तीसरे अंपायर ने क्रिस गैफनी के फैसले को बरकरार रखा.

मोहसिन खान के क्लब में एंट्री

इस तरह अजान अवैस को टेस्ट सीरीज की अपनी पहली गेंद पर ही पवेलियन लौटना पड़ा और एक अनचाही लिस्ट में शामिल हो गए. अजान पाकिस्तान के सिर्फ दूसरे ओपनर हैं, जिन्हें किसी टेस्ट की पहली गेंद पर आउट होना पड़ा. इससे पहले 1983 में मोहसिन खान भारत के खिलाफ जालंधर टेस्ट में मैच की पहली गेंद पर आउट हुए थे. यानी पाकिस्तान के किसी ओपनर के साथ 43 साल में यह घटना दोहराई गई.अजान अवैस ने जहां शर्मनाक रिकॉर्ड बनाया, वहीं ओली रॉबिन्सन ने एक खास उपलब्धि हासिल की. वह इंग्लैंड की धरती पर आयोजित किसी टेस्ट मैच की पहली गेंद पर विकेट लेने वाले केवल चौथे इंग्लिश गेंदबाज बन गए. इस कारनामे की शुरुआत मौरिस टेट ने 1926 में की थी. उन्होंने लीड्स में ऑस्ट्रेलिया के वॉरेन बार्ड्सले को पहली गेंद पर आउट किया था. इसके 48 साल बाद ज्योफ अर्नोल्ड ने 1974 में बर्मिंघम टेस्ट की पहली गेंद पर भारतीय बल्लेबाज सुनील गावस्कर को पवेलियन भेजा था. 2007 में रयान साइडबॉटम ने वेस्टइंडीज के डेरेन गंगा को चेस्टर-ले-स्ट्रीट टेस्ट की पहली गेंद पर आउट किया था.

जोश टंग 50 विकेट पूरे कर रचा इतिहास

हेडिंग्ले, एजेंसी। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोश टंग ने पाकिस्तान के खिलाफ हेडिंग्ले टेस्ट के पहले दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 में बड़ी उपलब्धि हासिल की। टंग ने पांच विकेट झटककर मौजूदा डब्ल्यूटीसी चक्र में 50 विकेट पूरे कर लिए और इस आंकड़े तक पहुंचने वाले पहले गेंदबाज बन गए। उनके शानदार स्पेल की बदौलत पाकिस्तान की पहली पारी 171 रन पर सिमट गई।

टंग ने पांच विकेट लेकर रचा इतिहास

पाकिस्तान के खिलाफ पहली पारी में टंग ने 5 विकेट हासिल किए। इसके साथ ही उन्होंने मौजूदा डब्ल्यूटीसी चक्र में अपने विकेटों की संख्या 50 पहुंचा दी। वह इस दौरान ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क को पीछे छोड़ने में कामयाब रहे। टंग ने इस डब्ल्यूटीसी चक्र में अब तक 10 टेस्ट खेले हैं और 27.18 की औसत से 50 विकेट लिए हैं। उनके नाम तीन बार पारी में पांच विकेट लेने का कारनामा भी दर्ज है।

स्टार्क और सिराज भी टॉप पर

टंग के बाद मिशेल स्टार्क इस सूची में दूसरे स्थान पर हैं। स्टार्क ने नौ टेस्ट में 19.45 की शानदार औसत से 48 विकेट लिए हैं और उनके नाम भी तीन पांच विकेट हॉल हैं। भारत की ओर से मोहम्मद सिराज मौजूदा डब्ल्यूटीसी चक्र में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। सिराज ने 10 टेस्ट में 26.68 की औसत से 41 विकेट लिए हैं, जिसमें दो बार पांच विकेट लेने का कारनामा शामिल है। श्रीलंका के खिलाफ गॉल टेस्ट में दो विकेट लेकर सिराज ने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान बेन स्टोक्स को पीछे छोड़ा था।

पाकिस्तान के खिलाफ टंग का कहर

टंग ने पाकिस्तान के खिलाफ अपनी पहली पारी में शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने सबसे पहले इमाम-उल-हक को 42 रन के स्कोर पर आउट किया। इमाम ने 74 गेंदों का सामना किया था और अब्दुल्ला शफीक के साथ 91 रन की साझेदारी की थी। इसके बाद टंग ने स्टैंड-इन कप्तान सलमान अली आगा को पवेलियन भेजा। उन्होंने विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान और अली उस्मान को लगातार गेंदों पर एलबीडब्ल्यू आउट किया। इसके बाद मोहम्मद अब्बास को आउट कर टंग ने अपना पांच विकेट हॉल पूरा किया।

रॉबिन्सन ने भी झटका पांच विकेट

टंग के साथ ओली रॉबिन्सन ने भी पाकिस्तान की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। दोनों इंग्लिश तेज गेंदबाजों ने पांच-पांच विकेट लेकर पाकिस्तान को 48.1 ओवर में 171 रन पर समेट दिया। दिलचस्प बात यह है कि 1998 के बाद यह पहली बार है जब इंग्लैंड के दो तेज गेंदबाजों ने एक ही टेस्ट पारी में पांच-पांच विकेट लिए हैं। इससे पहले एंडी कैडिक और एंगस फ्रेजर ने पोर्ट ऑफ स्पेन में वेस्टइंडीज के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की थी।

संक्षिप्त समाचार

सीजेपी करेगी स्कूलों का दौरा, राजस्थान के शिक्षा मंत्री को दी चुनौती

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के सरकारी स्कूलों में अव्यवस्था और शिक्षा विभाग द्वारा मीडिया के प्रवेश पर रोक लगाए जाने को लेकर राजनीतिक टकराव तेज हो गया है। कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि मीडिया पर रोक लगाकर सरकार स्कूलों की

बदहाल स्थिति सार्वजनिक नहीं होने देना चाहती है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि सरकार को यह फैसला वापस लेना चाहिए। वहीं कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के सह समन्वयक आशुतोष रांका ने राज्य के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर का चुनौती देते हुए कहा कि अगले कुछ दिनों में सीजेपी की पूरी टीम के साथ राजस्थान के सरकारी स्कूलों का दौरा करेगी। रांका ने सोशल मीडिया पर शिक्षामंत्री को संबोधित करते हुए लिखा कि मदन दिलावर जी आपके लिए एक ऑफर है। आपके कार्यकाल के दौरान दस सबसे शानदार स्कूल बताइए, मैं अपनी टीम के साथ वहां का भी दौरा करूंगा। आपके पास दिखाने के लिए दस स्कूल तो होंगे ही। उधर, रविवार को अवकाश के बावजूद शिक्षा विभाग के निदेशक की ओर से सरकारी स्कूल में फोटो, वीडियो लेने एवं बिना अनुमति के किसी के भी प्रवेश पर रोक के बाद शिक्षा विभाग में हडकंप मचा हुआ है। सामाजिक एवं छात्र संगठन इस आदेश का विरोध कर रहे हैं।

छात्रों की शिकायतों पर यूपी सरकार सख्त, स्कूलों की व्यवस्थाओं पर पैनी नजर

लखनऊ, एजेंसी। दिल्ली के जंतर-मंतर पर जेन-जी के आंदोलन के बाद देश के अलग-अलग हिस्सों से जेन-अल्फा के प्रदर्शनों की खबरों के बीच प्रदेश सरकार ने भी स्कूलों की व्यवस्थाओं को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है। प्रदेश के अलग-अलग जिलों में विद्यार्थियों की ओर से अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन की खबरें सामने आ रही हैं। इनमें कुछ मामले विद्यालयों की व्यवस्था और सुविधाओं से जुड़े हैं। इसे देखते हुए मुख्य सचिव एसपी गोयल के निर्देश पर अपर मुख्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा ने सभी मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। इसमें विद्यार्थियों और अभिभावकों के साथ नियमित संवाद बनाए रखने पर भी जोर दिया गया है। इंटरनेट मीडिया पर स्कूलों से जुड़ी किसी शिकायत के सामने आने पर उसकी तत्काल जांच कराने के निर्देश दिए गए हैं। भ्रामक सूचनाओं का तथ्यों के आधार पर खंडन करने के भी निर्देश दिए गए हैं। आदेश में परिषदीय विद्यालयों में आपरेशन कायाकल्प के तहत 15 बिंदुओं की सुविधाएं, जबकि माध्यमिक विद्यालयों में प्रोजेक्ट अलंकार के कार्यों की स्थिति जांचने को कहा गया है। कंपोजिट ग्रांट के सही उपयोग, बच्चों को जूते-मोजे, किताबें व यूनिफार्म मिलने और शिक्षकों की नियमित उपस्थिति भी सुनिश्चित करनी होगी। बारिश के दौरान विशेष स्वच्छता अभियान चलाकर विद्यालय परिसर, शौचालय, रसोई, पेयजल, बिजली उपकरण और पेड़-पौधों की सफाई व जलभराव की समस्या दूर करने के निर्देश हैं। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में सुरक्षित वातावरण, महिला स्टाफ, भोजन, चिकित्सा सुविधा और महिला चिकित्सक से स्वास्थ्य जांच होगी। महिला अधिकारियों से इन विद्यालयों का समय-समय पर निरीक्षण कराया जाएगा। सड़क, मनरेगा व पंचायत निधि से बाउंड्रीवाल और जल निकासी की व्यवस्था की जाएगी। विद्यालय भवनों के ऊपर से गुजर रहे एचटी-एलटी तारों को भी हटाया जाएगा। निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की निगरानी और एसएमसी को सक्रिय करने के साथ सफाईकर्मियों की जिम्मेदारी तय होगी।

बंदी सिखों की रिहाई के लिए 21 अगस्त को पंजाब बंद, कौमी इंसाफ मोर्चा को मिला एसजीपीसी का समर्थन

चंडीगढ़, एजेंसी। बंदी सिखों की रिहाई के लिए मोहाली में प्रदर्शन कर रहे कौमी इंसाफ मोर्चा ने 21 अगस्त को पंजाब बंद का आह्वान किया है। इस बंद का शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी), अकाली दल वारिस पंजाब दे ने समर्थन किया है। एसजीपीसी के प्रधान एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी ने कहा है कि 21 अगस्त को एसजीपीसी के मुख्य कार्यालय सहित सभी संस्थान बंद रहेंगे। धामी ने कहा कि एसजीपीसी की अंतरिम कमेटी की बैठक पहले 21 अगस्त को निर्धारित थी, जिसे अब बदलकर 22 अगस्त को सुबह 11 बजे कर दिया गया है। 15 अगस्त को अपनी मांगों को लेकर चंडीगढ़ में राज्यपाल के निवास का घेराव करने का प्रयास किया गया, जिसे पुलिस ने विफल कर दिया था। पुलिस ने सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने सहित अलग-अलग धाराओं में शिरोमणि अकाली दल (अमृतसर) के प्रधान सिमनरजीत सिंह मान और लक्खा सिधाना सहित अन्य के खिलाफ केस दर्ज किया। यही नहीं, मान के बेटे ईमान सिंह मान सहित 21 लोगों को गिरफ्तार भी किया। 15 अगस्त को कौमी इंसाफ मोर्चा के चंडीगढ़ कूच के एलान के बाद मोहाली में पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तनाव बढ़ गया था।

बच्चे मां को ज्यादा प्यार करते हैं..., कहकर दो बच्चों को पिता ने नहर में डुबोकर मारा; खुद बुलाई पुलिस

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के यादगीर जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक पिता ने अपनी ही पत्नी से पारिवारिक कलह के चलते अपने दो मासूम बच्चों को नहर में धकेल कर मार डाला। अपने बच्चों को मौत के घाट उतारने के बाद पिता ने खुद ही 112 पर फोन करके पुलिस को इस खौफनाक वारदात की जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों मासूमों के शोव को बरादम कर लिया।

पूछताछ के दौरान आरोपी पति ने पुलिस को बताया कि दोनों मृत बच्चे अपनी मां रेणुका के ज्यादा करीब थे और उसके साथ उनके संबंध अच्छे नहीं थे। मां से ज्यादा प्यार करने की खुन्नस में पिता ने इस वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर उसके खिलाफ हत्या और अपहरण का मामला दर्ज कर लिया है।

यादगिर के पुलिस अधीक्षक पृथ्वीक शंकर ने बताया कि लड़के का शव दोपहर करीब 3¬30 बजे बरामद किया गया, जबकि उसकी बहन का शव शाम 5¬30 बजे से 6 बजे के बीच मिला। एसपी ने पृथ्वीक शंकर बताया, ÷कल हमें शांताप्पा नाम के एक व्यक्ति का 112 आपातकालीन कॉल आया। उसने पुलिस नियंत्रण कक्ष को फोन करके बताया कि उसने अपने दो बच्चों को बिगुड़ी इलाके में नहर में धकेल दिया है।÷ एसपी ने बताया कि पुलिस फोन करने वाले व्यक्ति के साथ मौके पर पहुंची, जिसके साथ उसकी छह साल की बेटी भी थी। प्रारंभिक जांच में पता चला कि वह व्यक्ति दोपहर करीब 2¬15-2¬30 बजे अपने 3 बच्चों

के साथ घर से निकला और उन्हें अपनी मोटरसाइकिल पर बिगूडी स्थित नहर पर ले गया, जहां उसने अपने बेटे और बेटी को पानी में धकेल दिया। आरोपी ने अपनी छह वर्षीय बेटी, जो कक्षा 1 की छात्रा थी, को छोड़ दिया और उसे अपने साथ यादगीर कस्बे ले गया। यादगीर पहुंचने पर उसने 112 पर कॉल करके पुलिस को सूचित किया कि उसने अपने दो अन्य बच्चों को नहर में फेंक दिया है। चूंकि रात काफी हो चुकी थी, इसलिए पुलिस तुरंत तलाशी अभियान शुरू नहीं कर सकी। एसपी ने बताया कि फिलहाल हमने पिता शांतप्पा को हिरासत में ले लिया है।

हिमाचल में 25 साल बाद फिर शुरू होगी लॉटरी, किस्मत आजमाने से पहले जान लें नियम और शर्तें; खास मौके पर निकलेंगे बंपर ड्रॉ

ठहिमाचल में करीब 25 साल से बंद लॉटरी व्यवस्था को दोबारा शुरू करने की प्रक्रिया निर्णायक चरण में पहुंच गई है। वित्त विभाग के तहत निदेशालय कोषागार, लेखा एवं लॉटरी ने पेपर और ऑनलाइन लॉटरी की बिक्री के लिए सोल सेलिंग एजेंट नियुक्त करने को ई-टेंडर जारी कर दिया है। सरकार ने लॉटरी संचालन को डिजिटल, पारदर्शी और कड़े नियमन के तहत चलाने की तैयारी की है।

टेंडर की शर्तों के मुताबिक प्रतिदिन अधिकतम 12 लॉटरी ड्रॉ आयोजित किए जा सकेंगे। इसके अलावा साल में तीन बंपर ड्रॉ होंगे। राष्ट्रीय महत्व के दिनों 26 जनवरी, 15 अगस्त और दो अक्टूबर को ड्रॉ आयोजित नहीं किया जाएगा। सभी ड्रॉ हिमाचल प्रदेश के किसी सार्वजनिक स्थान पर ड्रॉ जजों की मौजूदगी में होंगे। स्वतंत्र पर्यवेक्षकों और अधिकृत अधिकारियों की निगरानी में पूरी प्रक्रिया संपन्न कराई जाएगी। डिजिटल ड्रॉ सिस्टम अपनाने का विकल्प भी रखा गया है।

सोल सेलिंग एजेंट को सरकार

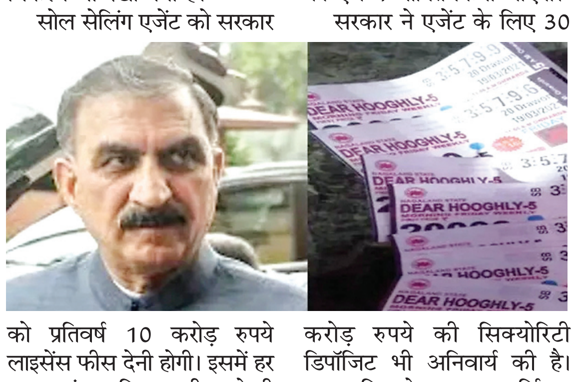

को प्रतिवर्ष 10 करोड़ रुपये लाइसेंस फीस देनी होगी। इसमें हर साल पांच प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी। इसके अलावा एजेंट को न्यूनतम छह करोड़ रुपये की वार्षिक गारंटीड राशि (एमजीए) देनी होगी। लॉटरी के कुल कारोबार पर कम से कम दो प्रतिशत रेवेन्यू शेयर की बोली लगानी होगी। सबसे अधिक रेवेन्यू शेयर की बोली लगाने वाले तकनीकी रूप से योग्य बोलीदाता को एच-1 घोषित किया जाएगा।

सरकार ने एजेंट के लिए 30 करोड़ रुपये की सिक्योरिटी डिपॉजिट भी अनिवार्य की है। यह राशि शेड्यूल्ड कमर्शियल बैंक की अपरिवर्तनीय बैंक गारंटी अथवा एफडीआर के रूप में देनी होगी। प्रत्येक पेपर या ऑनलाइन ड्रॉ के लिए पांच हजार रुपये ड्रॉ खर्च भी एजेंट को देना होगा। चयनित एजेंट के साथ दो वर्ष का अनुबंध किया जाएगा। प्रदर्शन संतोषजनक रहने पर सरकार अपने विवेक से इसे दो वर्ष और बढ़ा सकती है। लॉटरी संचालन के लिए एजेंट को स्पेशल पर्पज व्हीकल (एसपीवी) गठित करना होगा। बिक्री, वितरण, डिजिटल भुगतान, रिकॉर्ड-कीपिंग और वित्तीय लेनदेन इसी व्यवस्था के तहत किए जाएंगे। इससे प्रत्येक लेनदेन का डिजिटल रिकॉर्ड और ऑडिट ट्रेल उपलब्ध रहेगा।

टेंडर में भाग लेने वाली कंपनियों को दो करोड़ रुपये की ईएमडी जमा करनी होगी। टेंडर फीस पांच लाख रुपये निर्धारित की गई है। चयन प्रक्रिया दो चरणों में होगी। पहले तकनीकी बोली के आधार पर कंपनियों के अनुभव, वित्तीय क्षमता और तकनीकी योग्यता की जांच होगी। इसके बाद पात्र कंपनियों की वित्तीय बोली खोली जाएगी।

तेल-रासायनिक आपदा से निपटने की तैयारी परखेगा बंगाल

कोलकाता, एजेंसी। बंगाल के होटलों में लगातार हुए दो बड़े अग्निकांड की घटनाओं में 18 लोगों की मौत से राज्य सरकार चिंतित है। इन घटनाओं से सबक लेते हुए तेल एवं रासायनिक आपदा की स्थिति में राज्य की तैयारियों और त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता को परखने के लिए बंगाल सरकार का आपदा प्रबंधन एवं नागरिक सुरक्षा विभाग 21 अगस्त को राज्यस्तरीय मॉक अभ्यास आयोजित करेगा।

निर्धारित कार्यक्रम के तहत राज्य के पांच जिलों में स्थित प्रमुख औद्योगिक प्रतिष्ठानों को अभ्यास के लिए चुना गया है। इसमें संबंधित जिला प्रशासन, आपदा प्रबंधन तंत्र और औद्योगिक इकाइयों की आपात स्थिति से निपटने की क्षमता को परखा जाएगा। राज्य सचिवालय नवान्न की ओर से बुधवार को एक बयान में बताया गया कि राज्यस्तरीय माक अभ्यास के लिए नदिया जिले में इंडियन आयल (आइओसीएल) के एलपीजी बाटलिंग प्लांट, पश्चिम बर्द्धमान में सेल के दुर्गापुर स्टील प्लांट, पूर्व बर्द्धमान में मैट्रिक्स फर्टिलाइजर एंड केमिकल्स लिमिटेड, मालदा में आईओसीएल के एलपीजी बाटलिंग प्लांट तथा दक्षिण 24 परगना में बीपीसीएल प्रतिष्ठान को शामिल किया गया है। अभ्यास के दौरान तेल और रासायनिक पदार्थों से जुड़ी संभावित दुर्घटनाओं की स्थिति में राहत एवं बचाव कार्य, आपात प्रतिक्रिया, विभिन्न विभागों के बीच समन्वय और प्रभावित क्षेत्र में त्वरित कार्रवाई की तैयारियों का आकलन किया जाएगा। इस माक अभ्यास का उद्देश्य वास्तविक आपदा की स्थिति में प्रशासन, औद्योगिक प्रतिष्ठानों और संबंधित आपात सेवाओं के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करना है। अभ्यास के माध्यम से संभावित कमियों की पहचान कर उन्हें दूर करने की दिशा में आवश्यक कदम उठाए जाएंगे, ताकि तेल या रासायनिक दुर्घटना की स्थिति में जान-माल के नुकसान को न्यूनतम किया जा सके।

तुम्हारे बाप भी नहीं रोक सकते..., तेलंगाना में मंत्री की बेटी ने ही दे डाली सीएम रेवंत रेड्डी को चुनौती

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना कांग्रेस में चल रही बगावत अब खुलकर सामने आ गई। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की कैबिनेट के एक वरिष्ठ मंत्री की बेटी ने उन पर सार्वजनिक रूप से हमला किया है। रेड्डी सरकार में मंत्री कोंडा सुरेखा की बेटी कोंडा सुष्मिता ने मुख्यमंत्री को खुली चुनौती दी है। पारकल में बोलते हुए बुधवार को सुष्मिता ने न केवल मौजूदा विधायक रेवूरी प्रकाश रेड्डी के लिए रेवंत रेड्डी के समर्थन को चुनौती दी, बल्कि उनके अधिकार पर भी सवाल उठाए और उन्हें चुनावी चुनौती दी।

सुष्मिता की बातें टिकट को लेकर होने वाले आम झगड़े से कहीं आगे की हैं। मौजूदा विधायक को मुख्यमंत्री का सार्वजनिक समर्थन मिलने पर उन्होंने कहा, ÷दो साल का इंतजार क्यों? उनसे अभी इस्तीफा देने को कहिए! उनसे कहिए कि इस्तीफा दें और चुनाव लड़ें।÷ इसके बाद उन्होंने ऐलान किया, चाहे आप आएं, आपके पिता आएं या आपके दादा आएं, पारकल की विधायक मैं ही बनूंगी। उन्होंने यह भी साफ कर दिया कि अगर कांग्रेस उन्हें टिकट नहीं देती है तो वह निर्दलीय चुनाव लड़ने के लिए तैयार हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री पर अपना हमला और तेज करते हुए पूछा, ÷मेरा टिकट तय करने वाले रेवंत कौन होते हैं? उन्होंने रेवंत रेड्डी पर अहंकार का आरोप लगाया और कहा कि उनके नेतृत्व में कांग्रेस टीडी कांग्रेस बन गई है। साथ ही यह भी दावा किया कि पार्टी के मूल नेता पार्टी की दिशा से नाखुश हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री के भाई से जुड़े 200 करोड़ रुपये के जमीन सौदे का भी आरोप लगाया और चेतावनी दी कि वह रेवंत रेड्डी के परिवार से जुड़े अन्य कथित घोटालों का भी पर्दाफाश कर सकती हैं।

तेलंगाना की स्कूल प्रिंसिपल को 10वीं के छात्रों ने 27 बार घोंपा चाकू, बाबू से खुला मर्डर मिस्ट्री का राज

हैदराबाद, एजेंसी। नलगोंडा जिले में एक प्राइवेट स्कूल की प्रिंसिपल और डायरेक्टर रूपा रेड्डी की उनके घर पर हत्या के एक हफ्ते से ज्यादा समय बाद पुलिस ने उसी स्कूल के 10वीं क्लास के दो छात्रों को पकड़ा है। आरोप है कि उन्होंने रूपा की हत्या तब की जब उन्होंने उनमें से एक को अपने घर से चोरी करते हुए पकड़ लिया।

11 अगस्त को रूपा अपने घर में अकेली थीं और मृत पाई गईं। पुलिस ने बताया कि उन्हें 27 बार चाकू मारा गया था। रूपा की अपनी मौसी के साथ हुई आखिरी फोन बातचीत से एक अहम सुराग मिला। पुलिस ने बताया कि फोन बंद होने से कुछ देर पहले अपनी मौसी से बात करते हुए रूपा ने बाबू शब्द कहा था।

चूंकि बाबू शब्द का इस्तेमाल अक्सर छात्रों को संबोधित करने के लिए भी किया जाता है, इसलिए जांचकर्ताओं ने उनके स्कूल के छात्रों की संभावित भूमिका की जांच शुरू की। इसके बाद पुलिस ने विस्तृत जांच शुरू की और रूपा और उनकी दिनचर्या से परिचित लोगों, जिनमें छात्र और स्कूल स्टाफ शामिल थे सभी से पूछताछ की।

जांच में तब तेजी आई जब जांचकर्ताओं ने देखा कि हत्या के बाद 10वीं क्लास के दो छात्र अचानक बहुत ज्यादा पैसे खर्च करने लगे और दोस्तों के साथ पार्टी करने लगे। नलगोंडा के पुलिस अधीक्षक शरत चंद्र पवार ने कहा, ÷हत्या के बाद हमने देखा कि दो छात्र अचानक बहुत ज्यादा पैसे खर्च कर रहे थे और दोस्तों के साथ पार्टी कर रहे थे। इससे शक पैदा हुआ और हमने बुधवार सुबह दोनों नाबालिगों को हिरासत में ले लिया।

पुलिस ने एक नाबालिग के पास से 1.51 लाख रुपये नकद और एक आईफोन बरामद किया। शुरू में लड़के ने दावा किया कि पैसे उसे उसके माता-पिता ने दिए थे। हालांकि, एसपी ने बताया कि नकदी की फोरेंसिक जांच में इंसानी खून के निशान मिले। पुलिस के अनुसार, दोनों

लड़कों को शराब पीने की आदत थी। उनमें से एक को बाइक और कार चलाने का बहुत शौक था और वह जल्दी पैसे कमाना चाहता था।

जांचकर्ताओं को यह भी पता चला कि हत्या से लगभग 15 दिन पहले वह नाबालिग रूपा की नजर में आ गया था। प्रिंसिपल और स्कूल के कुछ स्टाफ सदस्यों ने कथित तौर पर उसे एक बैग में मोबाइल फोन और नकदी ले जाते हुए पकड़ा था। उसे डांटा गया और बाद में रूपा ने उसे हॉस्टल से हटाने और केवल रेगुलर क्लास में शामिल होने की अनुमति देने का फैसला किया।

पांच दिन पहले बनाई हत्या की योजनाः पुलिस ने बताया कि उसके माता-पिता को भी उसके व्यवहार के बारे में सूचित किया गया था। पुलिस को शक है कि इसी घटना ने शायद उस नाबालिग को रूपा के घर को निशाना बनाने के लिए उकसाया होगा। माना जाता है कि उन्हें लगा था कि 11 अगस्त को रूपा के घर पर काफी नकद रकम होगी, क्योंकि उस दिन स्कूल में फीस जमा हो रही थी।

कश्मीर पर सर्जियो गोर की टिप्पणी से तिलमिलाया पाकिस्तान, अमेरिकी राजनयिक को तलब कर जताया कड़ा विरोध

इस्लामाबाद, एजेंसी। कश्मीर को लेकर पाकिस्तान और अमेरिका के बीच बुधवार को कूटनीतिक विवाद बढ़ गया। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने इस्लामाबाद में अमेरिकी राजनयिक को तलब किया और भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर की ओर से जम्मू-कश्मीर की स्थिति को लेकर दिए गए बयान पर कड़ा विरोध दर्ज कराया। पाकिस्तान ने अमेरिकी राजदूत की टिप्पणी को तथ्यात्मक रूप से गलत बताते हुए इसे खारिज कर दिया।

पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने अपने बयान में कहा कि वह जम्मू-कश्मीर को भारत का हिस्सा बताए जाने की बात की कड़ी निंदा और स्पष्ट रूप से खारिज करता है। पाकिस्तान ने दावा किया कि जम्मू-कश्मीर एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त विवादित क्षेत्र है और इसका अंतिम फैसला संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों और कश्मीरी लोगों की आकांक्षाओं के अनुरूप होना चाहिए। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने कहा कि अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर का बयान गैर-जिम्मेदाराना है और जम्मू-कश्मीर विवाद पर अमेरिका की लंबे समय से चली आ रही स्थिति के विपरीत है। पाकिस्तान ने अमेरिका से कहा कि उसके सार्वजनिक बयान जम्मू-कश्मीर की विवादित स्थिति को ध्यान में रखते हुए होने चाहिए। पाकिस्तान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस पेशकश का भी उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच कश्मीर विवाद को सुलझाने में मध्यस्थता की बात कही थी। ट्रंप अपने पहले कार्यकाल के दौरान भी कश्मीर मुद्दे पर मध्यस्थता की पेशकश कर चुके हैं। 2019 में उन्होंने कहा था कि अगर भारत और पाकिस्तान चाहें तो वह दोनों देशों के बीच इस मामले में मदद करने के लिए तैयार हैं। हालांकि, भारत ने इस प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया था।

गंगा जल पर फिर तनातनी¬ गारंटी प्रावधान मांगने की तैयारी में बांग्लादेश, क्या भारत से बिगड़ेंगे रिश्ते

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश ने भारत के साथ गंगा जल संधि के नवीनीकरण को लेकर अपना रुख साफ कर दिया है। पड़ोसी मुल्क अब नई संधि में 'गारंटी प्रावधान' शामिल करने की मांग करेगा। साथ ही उसने संकेत दिया है कि पानी के अधिकारों की रक्षा के लिए जरूरत पड़ने पर अंतरराष्ट्रीय मंचों का रुख भी किया जा सकता है। जल संसाधन मंत्री शाहिदुद्दीन चौधरी अनी ने मंगलवार को ढाका में आयोजित एक संगोष्ठी में यह बात कही। संगोष्ठी का विषय था-'गंगा जल संधि¬ पुनर्विचार के मुद्दे'। इसका आयोजन बांग्लादेश इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ एंड इंटरनेशनल अफेयर्स ने किया था। सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस ने इसकी जानकारी दी।

दिसंबर में समाप्त होने वाली है गंगा जल संधि

भारत और बांग्लादेश के बीच 1996 में हुई गंगा जल संधि दिसंबर में समाप्त होने वाली है। यह संधि सूखे मौसम में गंगा के पानी के बंटवारे की व्यवस्था करती है। अनी ने कहा कि बांग्लादेश संधि पर दोबारा बातचीत के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री तारिक रहमान अगले महीने संयुक्त राष्ट्र में बांग्लादेश का पक्ष मजबूती से रखेंगे। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश को संधि चाहिए। उनके मुताबिक, बिना संधि के आगे बढ़ने का कोई रास्ता नहीं है और यह बांग्लादेश का अधिकार है। अनी ने भविष्य की जल-बंटवारा संधियों में सूचना के अधिकार से जुड़ा प्रावधान शामिल करने की जरूरत बताई। उन्होंने 1977 की गंगा संधि में मौजूद 'गारंटी प्रावधान' को फिर शामिल करने की मांग की। यह प्रावधान 1996

की संधि में नहीं रखा गया था। गारंटी प्रावधान का मतलब है कि निचले हिस्से वाले देश को पानी की न्यूनतम मात्रा मिलने की गारंटी हो। इसका उद्देश्य सूखे मौसम या नदी का जलस्तर अचानक घटने पर पानी की आपूर्ति को सुरक्षित रखना है। बांग्लादेश का कहना है कि मौजूदा संधि सबसे सूखे मौसम में पर्याप्त पानी की गारंटी नहीं देती। उसकी आपत्ति यह भी है कि पानी बांटने का मौजूदा तरीका पुराने जलवैज्ञानिक हालात पर आधारित है। सूखे मौसम में नदी का प्रवाह अब ज्यादा अनिश्चित हो गया है। बांग्लादेश पर्यावरण से जुड़े प्रावधानों को भी अपर्याप्त मानता है। वह ऊपरी हिस्से में पानी की निकासी, नदी के स्वास्थ्य, बढ़ती लवणता और पारिस्थितिक प्रवाह को भी चर्चा में शामिल करना चाहता है। भारत-बांग्लादेश जल संबंधों में फरक्का बैराज लंबे समय से विवाद का विषय रहा है। पश्चिम बंगाल में भारत द्वारा बनाए गए इस बैराज का उद्देश्य गंगा के पानी के एक हिस्से को हुगली नदी तंत्र की ओर मोड़ना है। बांग्लादेश में इसे लेकर लंबे समय से चिंता रही है कि इससे सूखे मौसम में नीचे की ओर पानी का प्रवाह कम होता है। अनी ने कहा कि बांग्लादेशी लोग लंबे समय से फरक्का बैराज को 'मौत का जाल' मानते रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि फरक्का के बाद भारत ने गंगा पर बैराज और करीब 900 तटबंध बनाए, जिससे दोनों देशों के संबंधों पर दबाव पड़ा। विदेश मंत्रालय के अनुसार, इसके द्वारों की व्यवस्था के जरिए गंगा के करीब 40,000 क्यूसेक पानी को फरक्का नहर में भेजने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। बाकी पानी बांग्लादेश की ओर बहता रहता है। भारत यह भी कहता है कि समझौते के तहत जल प्रवाह का आंकड़ा संयुक्त नदी आयोग के जरिए बांग्लादेश के साथ नियमित रूप से साझा किया जाता है।

उड़ानें रद हुईं तो होटलों से हमें भगा दिया, भारत और यूएस के नागरिकों को ही मिली एंट्री; पाक सांसद का छलका दर्द

इस्लामाबाद, एजेंसी। यूएई में उड़ान रद होने के बाद पाकिस्तानी यात्रियों के साथ भेदभाव का मामला सामने आया है। पाकिस्तान के पूर्व नेशनल असेंबली स्पीकर और सांसद असद कैसर का आरोप है कि फ्लाइट रद होने के बाद यूएई के होटल में पाकिस्तानी नागरिकों को ठहरने की सुविधा नहीं दी गई।जबकि होटल उसी होटल में भारतीय और अमेरिकी पासपोर्ट धारकों को तुरंत कमरे दे दिए गए। दरअसल, पाकिस्तानी सांसद ने असद कैसर ने नेशनल असेंबली में आरोप लगाया है कि उड़ान रद होने के बाद संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के एक होटल में उनके सहित कई पाकिस्तानी यात्रियों के साथ अनुचित व्यवहार किया गया, और दावा किया कि केवल भारतीय और अमेरिकी पासपोर्ट धारकों को ही आवास की पेशकश की गई थी। पाकिस्तानी नेशनल असेंबली में इस मुद्दे को उठाते हुए सांसद ने दावा किया कि यह घटना तब घटी जब पाकिस्तान ने अमेरिका-ईरान संघर्ष में सकारात्मक भूमिका निभाई थी। कैसर ने राजनयिक हस्तक्षेप की मांग की और सरकार से आग्रह किया कि वह इस मामले को यूएई के अधिकारियों के साथ उठाए।पाकिस्तानी सांसद कैसर ने बताया, मैं खुद यात्रा कर रहा था, और वहां का व्यवहार बेहद अनुचित था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः संपादक देवन प्रसाद मो. 9212228045, 8130691216, (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, 9971557129 रंजीत राय फोन नं-011-45795464,